■ अक्तूबर में वृद्धि दर सुस्त पड़कर 0.4 प्रतिशत पर आई, आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर-12

■ सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान वक्फ संपत्ति विवरण पर समय सीमा बढ़ाने से किया सुप्रीम इन्कार-12

■ एस जयशंकर बोले- जैविक हथियार: चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत-13

■ कोच ने की तारीफ कहा- फिटनेस और फॉर्म बरकरार विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता-14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वादशी 03:57 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 2 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 102, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

संसद ड्रामा करने की जगह नहीं : मोदी

शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री बोले-विपक्ष इसे हताशा निकालने का मंच बना रहा

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

हंगामे के बीच एक विधेयक पारित, सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि संसद ड्रामा करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्र को राजनीतिक ड्रामे का रंगमंच नहीं बनाना चाहिए, बल्कि यह रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का मंच होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं। मोदी ने संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, हमें जिम्मेदारी की भावना से काम करने की जरूरत है। पिछले सत्रों के दौरान संसदीय कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नाटक के लिए बहुत जगह है जो लोग यह करना चाहते हैं, वे इसे करते रहें। संसद नाटक के लिए जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में राजग को मिली शानदार जीत से उत्साहित मोदी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा, यहां तक कि आप देश भर में ऐसा कर सकते हैं। आपने वहां बोला है जहां आप हार गए हैं। आप वहां भी बोल सकते हैं जहां आपको हार का सामना करना बाकी है। लेकिन संसद में, ध्यान नीति पर होना चाहिए, न कि नारों पर। बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही बार बार बाधित हुई थी। कहा कि पिछले 10 वर्षों से विपक्ष जो खेल खेल रहा है, वह अब जनता को स्वीकार नहीं है। मोदी ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन को राज्यसभा के सभापति के तौर पर पहले सत्र की अध्यक्षता के लिए बधाई दीं।

संसद सत्र की कार्रवाई के पहले दिन मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा व संसदीय कार्यमंत्री मंत्री किरेन रीजीजू। ● एजेंसी

सरकार एसआईआर पर चर्चा के खिलाफ नहीं : रीजीजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने राज्यसभा में जोर दिया कि सरकार मतदाता सूची के एसआईआर व चुनाव सुधारों पर चर्चा के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसे जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। रीजीजू ने उच्च सदन में यह टिप्पणी उस समय की जब कांग्रेस नीत विपक्ष एसआईआर पर तत्काल चर्चा की मांग कर रहा था। उन्होंने कहा कि सरकार एसआईआर पर चर्चा की विपक्ष की मांग पर विचार कर रही है और इस मांग को खारिज नहीं किया गया है। विपक्ष की इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग पर कहा कि वह एसआईआर पर चर्चा के समय के लिए शर्त नहीं रखे।

विपक्ष का हंगामा

पहले दिन लोकसभा में एसआईआर और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही लोकसभा ने 'मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025' पारित किया। विपक्ष की नारेबाजी के बीच ही वित्त मंत्री सीतारमण ने 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' व 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पेश किया। सुबह 11 बजे सदन की बैठक राष्ट्रगान की धुन के साथ शुरू हुई। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ने कुछ दिवंगत पूर्व सदस्यों के निधन की जानकारी दी जिसके बाद कुछ पल मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद बिरला ने महिला विश्वकप क्रिकेट और महिला कबड्डी विश्वकप में भारत की जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी। इसके बाद जैसे ही उन्होंने प्रश्नकाल शुरू करने का निर्देश दिया, कांग्रेस, सपा समेत विपक्षी दलों के सदस्य एसआईआर समेत कुछ मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए अपने स्थानों पर खड़े हो गए। कुछ सदस्य आसन के समीप आ गए। बिरला ने कार्यवाही चलने देने की अपील की। वहीं सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए थे।

सदन की लक्ष्मण रेखा का पालन करें सदस्य : राधाकृष्णन

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन में अपने प्रथम संबोधन में सदस्यों से संविधान के प्रति निष्ठावान रहने और संसदीय आचरण की निर्धारित लक्ष्मण रेखा का पालन करने की अपील की। सोमवार को सभापति के तौर पर पहली बार सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे राधाकृष्णन ने अपने पहले भाषण में सदस्यों से संस्थानों का सम्मान करने और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का भी आह्वान किया।

तीन नवनिर्वाचित सांसदों ने राज्यसभा में शपथ ली

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से राज्यसभा के लिए नवनिर्वाचित तीन सदस्यों को सोमवार को सभापति सीपी राधाकृष्णन ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन शपथ दिलाई। चौधरी मोहम्मद रमजान, सज्जाद अहमद किचलू और गुरविंदर सिंह ओबेरॉय समेत तीनों सदस्य सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेस के हैं।

रेणुका चौधरी कुत्ते के साथ संसद पहुंचीं, विवाद खड़ा हुआ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी सोमवार को अपनी कार में एक आवारा कुत्ते को लेकर संसद पहुंच गईं जिससे विवाद खड़ा हो गया और सत्तापक्ष के सांसदों ने उन पर नाटक करने का आरोप लगाया। विवाद के बीच रेणुका ने कहा कि जो लोग अंदर बैठे हैं वो काटते हैं, कुत्ते नहीं काटते। उनका कहना था कि वह आवारा जानवर को उठाकर पशु चिकित्सक के पास ले जा रही थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं और उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आवारा कुत्ते को बचाने के खिलाफ कोई कानून नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

सीमा पर 10,000 से अधिक बांग्लादेशी पकड़े गए: बीएसएफ

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पूर्वी कमान ने सोमवार को कहा कि पिछले एक साल में सीमापार से घुसपैठ करने या देश से बाहर जाने का प्रयास करते समय 10,263 बांग्लादेशियों को पकड़ा। सुरक्षा बल ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या घुसपैठ रोधी उपायों में की गई वृद्धि दर्शाती है, विशेष रूप से बांग्लादेश में अशांति के दौरान, जब बीएसएफ के जवानों ने अवैध प्रवासियों को भारत में प्रवेश करने से रोकने के लिए कड़ी निगरानी की।

वाणिज्यिक एलपीजी की दरें घटीं

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 5.4 प्रतिशत की सोमवार को वृद्धि की गई, जबकि वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमतों में 10 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने वैश्विक रुझानों के अनुरूप मासिक मूल्य संशोधन की घोषणा की है। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में विमान ईंधन की कीमतें 5,133.75 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़कर 99,676.77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। यह तीसरी मासिक वृद्धि है। एक नवंबर को कीमतों में करीब एक प्रतिशत और एक अक्टूबर को 3.3 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी।

पराली जलाने को दोष नहीं दे सकते वायु प्रदूषण के कई अन्य कारक

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- प्रदूषण संकट पर सर्दियों में केवल रस्मी सुनवाई नहीं, नियमित निगरानी की जरूरत
- अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान के के लिए महीने में दो बार होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई को केवल सर्दियों के महीनों में 'रस्मी' सुनवाई के तौर पर नहीं देखा जा सकता है, और इस समस्या के अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए महीने में दो बार सुनवाई की जाएगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सामान्य विमर्श में एक अहम बदलाव करते हुए कहा, पराली जलाने का मुद्दा अनावश्यक रूप से राजनीतिक मुद्दा या अहम का मुद्दा नहीं बनना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण के लिए पराली जलाने को मुख्य कारण बताए जाने पर सवाल उठाते हुए पूछा, कोविड के दौरान पराली जलाई जा रही थी, लेकिन फिर भी लोगों को साफ नीला आसमान क्यों दिखाई दे रहा था? इससे ज्ञात होता है कि इसके पीछे अन्य कारक भी हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत के स्वयं का पैतृक निवास हरियाणा के हिसार में स्थित है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम पराली जलाने पर टिप्पणी नहीं करना चाहते, क्योंकि इसका बोझ उन लोगों (किसानों) पर डालना गलत है, जिनका इस न्यायालय में बहुत कम प्रतिनिधित्व है। प्रधान न्यायाधीश ने तात्कालिक और दीर्घकालिक उपायों में स्पष्टता की मांग करते हुए केंद्र से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य के विशिष्ट कदमों को बताने को कहा ताकि वह जान सके कि वायु प्रदूषण के खतरे से निपटने के लिये क्या अल्पकालिक और दीर्घकालिक कदम उठाए गए। शीर्ष अदालत ने इसी के साथ मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 दिसंबर की तारीख तय की।

डिजिटल अरेस्ट मामलों में तुरंत एक्शन ले सीबीआई

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई को देशभर में डिजिटल अरेस्ट घोटाले की एकीकृत जांच का सोमवार को निर्देश दिया और आरबीआई से पूछा कि वह साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों का पता लगाने और उन्हें फ्रीज करने के लिए एआई का इस्तेमाल क्यों नहीं कर रहा है? प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति बागची की पीठ ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना सहित गैर-राजग शासित सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति दें। शीर्ष अदालत ने हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति की शिकायत पर स्वत: संज्ञान वाले मामले में निर्देश पारित करते हुए कहा कि साइबर अपराधी ज्यादातर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाते हैं और उनकी गाढ़ी कमाई हड़प लेते हैं।

एनआईए ने लखनऊ में कई घंटे खंगाला डॉ. शाहीन का घर, डिजिटल सामग्री की जब्त

दिल्ली विस्फोट

- खंदारी बाजार में छह घंटे तक रही एनआईए की टीम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। दिल्ली लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर हुए बम धमाके की मास्टर माइंड डॉ. शाहीन शाहिद के खंदारी बाजार स्थित आवास पर सोमवार को एनआईए की टीम पहुंची। एनआईए के अधिकारियों ने यहां करीब छह घंटे तक पूरे घर की तलाशी ली। वहीं, भाई व पिता से लगातार पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान घर के अंदर से कई दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस बरामद हुए। जिनको जांच टीम साथ लेकर गई।

इसके पहले टीम के आने की सूचना मिलते ही पर इलाके में भारी पुलिस तैनात कर दिया गया था। खंदारी बाजार की कई गलियों में आवागमन पर रोक लगा दी गई थी। टीम में फोरेंसिक विशेषज्ञ समेत आठ सदस्य शामिल थे। इसके अलावा दो अन्य टीमें भी लखनऊ के कई इलाकों में जांच कर रही थीं।

एनआईए ने कश्मीर में आठ स्थानों पर छापे मारे

नगर। एनआईए ने पुलवामा, शोपियां और कुलगाम जिलों में कई स्थानों पर छापेमारी की। टीम ने शोपियां में मौलवी इरफान अहमद वागे के आवास पर छापा मारा। वागे का नाम कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल में लोगों की शामिल करने के मुख्य साजिशकर्ता के रूप में उभरा है। उसे अक्टूबर में पुलिस ने गिरफ्तार किया था और एनआईए ने कार विस्फोट मामले की जांच अपने हाथ में लेने के बाद उसे हिरासत में ले लिया था।

पछुआ पवन ने ठिठुराया प्रदेश में गिरा तापमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कई जिलों में बदला मौसम, कानपुर, इटावा, बरेली में शीतलहर
- कई शहरों में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचा

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश में पछुआ पवन के चलते तापमान तेजी से गिर रहा है। कई जिलों में सोमवार को मौसम बदला है, लखनऊ, कानपुर, इटावा, बरेली में मध्यम शीतलहर की स्थिति है। इस बीच कई शहरों में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने की संभावना है। वहीं, चक्रवात दित्वाह के असर से कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश की भी आशंका है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक अब पछुआ हवा की रफ्तार बढ़ेगी और ठंड का प्रभाव तेजी पकड़ेगा। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, हाल के दिनों में सक्रिय रहे दो पश्चिमी विक्षोभ अपना प्रभाव खो चुके हैं। जिसके चलते प्रदेश में ठंडी और सूखी पछुआ, उत्तर-पश्चिमी हवाएं तेज होने लगी हैं। अगले तीन-चार दिनों में तापमान में 2C से 4C तक गिरावट की संभावना है। जिसके साथ ठिठुरन और कोहरे का असर दिखेगा।

लखनऊ में धूप तो निकली, मगर पछुआ हवाओं ने उसकी गर्माहट को कमजोर कर दिया। हवा के झोंकों में ठंडक तेज रही और दोपहर में भी हल्की सिहरन महसूस होती रही। आने वाले दिनों में सुबह और शाम दोनों समय ठंड और गलन का असर साफ महसूस होगा। लखनऊ में हवा की गुणवत्ता की बात करें तो रविवार रात सात बजे एक्यूआई 200 के पार दर्ज किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए खराब श्रेणी में आता है।

बरेली में सोमवार को न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मुरादाबाद में सोमवार को न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दिन में तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है, जबकि रात में यह 11.2 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की उम्मीद है।

आचार संहिता को कानूनी रूप देने से इसे लागू करने में आएगी रुकावट: विधि आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसद की संयुक्त समिति को दी अपनी राय

विधि आयोग ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता लागू करने के लिए कानून लाने से चुनावों के दौरान इसके क्रियान्वयन में रुकावट आएगी और हो सकता है कि निर्वाचन आयोग की शक्ति कम हो जाए, जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और समय पर चुनाव कराने के अनुकूल नहीं होगा।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े विधेयकों का अध्ययन कर रही संसद की संयुक्त समिति को दी गई अपनी राय में, विधि आयोग ने कहा कि आदर्श आचार संहिता की 'सबसे बड़ी ताकत' इसकी तेजी से सुधार करने की क्षमता में है। उसने कहा, चुनाव सख्ती से समय पालन करते हुए होते हैं, जिसके कारण उल्लंघन पर कुछ दिन या घंटों के भीतर ही ध्यान देना होता है, ताकि चुनावी प्रक्रिया को ऐसा नुकसान न हो जिसकी भरपाई ही न हो सके। विधि आयोग ने कहा कि अगर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) वैधानिक हो जाती है, तो उल्लंघन के बाद औपचारिक कानूनी कार्रवाई शुरू हो जाएगी, जिससे न्यायिक पड़ताल शुरू हो सकती है।

2001 में भी आयोग ने ऐसा ही पक्ष रखा था

आयोग ने चेतावनी दी कि फैसले की प्रक्रिया हमेशा तेज, निर्णायक और असल कार्रवाई की जरूरत को पूरा नहीं कर सकती। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने याद दिलाया कि 2001 के आसपास, जब आयोग से चुनाव सुधार के बारे में पूछा गया था, तो उसने ऐसा ही पक्ष रखा था। विधि आयोग ने कहा कि मौजूदा प्रणाली निर्वाचन आयोग को अनुच्छेद 324 के तहत अपनी संपूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल करके बिना किसी प्रक्रियागत देरी के समय पर दखल देने की इजाजत देती है।

निर्देश | मुख्यमंत्री योगी ने कहा- धान उठान, मिल मैपिंग की प्रक्रिया और सरल होगी

धान खरीद के बाद भुगतान में देरी नहीं करेंगे बर्दाश्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 1,984 करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर, सीएम ने सभी किसानों का धान खरीदने का दिया निर्देश

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि धान क्रय केंद्र पर आने वाले प्रत्येक किसान का धान खरीदा जाए और भुगतान समय पर सीधे उनके खाते में पहुंच जाए। चेतावनी दी कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने धान उठान, मिल-मैपिंग और अन्य प्रक्रियाओं को और सरल बनाने पर भी जोर दिया, ताकि खरीद सुचारु और निरंतर गति में बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को आवास पर शासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ धान खरीद की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि धान खरीद की गति तेज हो और किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष कॉमन धान का एमएसपी 2369 रुपये और ग्रेड-ए का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 69 रुपये अधिक है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि 30 नवंबर तक 1,51,030 किसानों से 9.02 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है और 1,984 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी।

आंगनबाड़ी में फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति के निर्देश : मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों में फोर्टिफाइड चावल की सप्लाई निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एफआरके सप्लाई सुचारु रखने हेतु वेंडरों की संख्या बढ़ाई जाए और तकनीकी अड़चनों का तत्काल समाधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि अब तक लगभग 2,130 मीट्रिक टन एफआरके गुणवत्ता परीक्षण में उत्तीर्ण हुआ है।

खाद-बीज की कमी नहीं होनी चाहिए

बैठक में खाद और बीज की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी जिले में खाद या बीज की कमी नहीं होनी चाहिए और किसानों को दोनों वस्तु आसानी से उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग स्टॉक और आपूर्ति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें।

धान क्रय केंद्रों की संख्या होगी 5 हजार

राज्य कुल 4,227 खरीद केंद्र संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि क्रय केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 5000 की जाए, ताकि किसानों को अपने गांव-कस्बे के निकट ही सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने खरीद केंद्रों पर आवश्यकता के अनुसार मैनपावर बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र पर भीड़ न लगे और किसानों को वापस न जाना पड़े, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है।

न्यूज ब्रीफ

रेलवे ट्रैक पर लेटी किशोरी का हाथ कटा

फर्रुखाबाद । रेलवे ट्रैक पर लेटी किशोरी हाथ कटने से गम्भीर रूप से घायल हो गयी। हालांकि चालक ने ट्रेन रोक दी थी। गम्भीर रूप से घायल किशोरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार थाना जहानगंज के ग्राम अहमदपुर देवरिया निवासी मुकेश कुमार जाटव की 17 वर्षीय पुत्री प्रिया थाना कमालगंज के गांव गदनापुर में मौसा जयवीर की बेटी रिति को छोड़ने उसके घर गई थी। प्रिया मौसी के घर से कमालगंज जा रही थी जब वह सरस्वती कोल्ड स्टोरेज के पीछे रेलवे लाइन से गुजर रही थी उसी समय प्रिया कमालगंज की ओर से एक्सप्रेस ट्रेन को आता देखकर ट्रैक के बीच में खड़ी हो गई और फिर ट्रैक के बीच में लेट गई। ट्रेन से प्रिया के एक हाथ का पंजा कट गयाहालत गंभीर होने के कारण प्रिया को लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

जुआ खेलने से मना करने पर पीटा

फर्रुखाबाद । नवाबगंज नगर के सलेमपुर में एक महिला को जुआ खेलने से रोकने पर मारपीट का शिकार होना पड़ा। गांव के एक युवक ने महिला के बेटे को जुआ खेलने के लिए बुलाया था, जिस पर महिला ने आपत्ति जताई ।जानकारी के अनुसार, राजकुमारी पत्नी नरेंद्र के बेटे धर्मेंद को गांव का एक युवक जुआ खेलने के लिए अपने घर बुलाने आया था। राजकुमारी ने अपने बेटे को जुआ खेलने जाने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर युवक ने राजकुमारी के साथ मारपीट की, जिसमें वह घायल हो गईं। घायल राजकुमारी ने थाना पुलिस को गांव के ही निवासी युवक के खिलाफ तहरीर दी है। क्राइम प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार राय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

25 वरिष्ठजनों का परीक्षण, बांटीं दवाएं

फर्रुखाबाद । डॉ. आरपी मेमोरियल सोसाइटी की तरफ से वृद्धाश्रम में निशुल्क मेडिकल कैंप लगा कर डॉ ऋषि नाथ गुप्ता ने अपनी टीम के साथ अपना जन्मदिन मनाया, जिसमें डॉ. सोमनाथ गुप्ता, डॉ मनीषा गुप्ता, डॉ अजय सूद, लखन दीक्षित, अभिषेक यादव, कौशलेंद्र सिंह, वरुण पांडेय एवं मेडिकल टीम ने कैंप में सहयोग किया। मेडिकल कैंप में लगभग 25 मरीज को शुगर बीपी और जोड़ो के दर्द की बीमारियां पाई गईं। मरीजों को उचित परामर्श एवं निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया।

साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने में तीन नपे

फर्रुखाबाद । मऊदरवाजा पुलिस ने सांप्रदायिक सद्भाव बिगाडने के प्रयास के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। इन तीनों को जेल भेजा गया है ।0थाना मऊदरवाजा पुलिस द्वारा जिन लोगों पर कार्रवाई की गई है, उनमें पिंटू (32), जीतू उर्फ विवेक (28), और टिंकू शामिल हैं। ये सभी टिमरुआ गांव के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, इन व्यक्तियों ने मारपीट कर सांप्रदायिक सद्भाव बिगाडने का प्रयास किया था। थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि तीनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 170 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गीता जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

कायमगंज । नगर में गीता जयंती पर विश्व बंधु परिषद द्वारा सधवाड़ा में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने गीता को विश्व का सर्वमान्य आध्यात्मिक ग्रंथ बताया। मुख्य वक्ता प्रधानाचार्य योगेश तिवारी ने कहा कि गीता कर्तव्य कार्य को निष्काम भाव से योग में स्थित होकर करने का संदेश देती है। यह परमात्मा का ग्रंथावतार है। रामबाबू मिश्र रत्नेश ने कहा कि गीता में अध्यात्म और विज्ञान ,आस्था और तर्क, संशय और समाधान का सुंदर विश्लेषण है। अन्याय के विरुद्ध अन्य विकल्प न रहने पर गीता शांति स्थापना के लिए संपूर्ण शक्ति से युद्ध करने का निर्देश देती है। गीतकार पवन बाथम ने कहा कि गीता ज्ञान ,कर्म और भक्ति की शाश्वत त्रिवेणी है। पूर्व प्रधानाचार्य अहिवरन सिंह गौर ने कहा कि गीता का स्पष्ट निर्देश है कि दुष्टों का समूल विनाश हिंसा की परिधि में नहीं आता। न्याय के लिए अपने बंधु को भी दंडित करना धर्म है। प्रधानाचार्य शिवकांत शुक्ला ने कहा कि युद्ध जीतने के लिए लौह इच्छा शक्ति, त्वरित निर्णय अनिवार्य तत्व हैं। आज देश अंदर और बाहर आसुरी शक्तियों से घिरा है ऐसे में भारत को योगेश्वर कृष्ण और धनुर्धर अर्जुन को आदर्श मानकर चलना होगा। डॉ सुनीत सिद्धार्थ ने कहा कि धर्म का मूल सिद्धांत जोड़ना है, तोड़ना नहीं।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार को कुचला, मौत

तालग्राम में सर्विस रोड पर बहन के घर जाते समय हादसा

संवाददाता सौरिख

अमृत विचार। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के सर्विस रोड पर टक्कर मार दी। उसे सीएचसी लेजाया गया जहां डाक्टर ने जांच के बाद मौत की पुष्टि की। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।

विनोद कुमार।

सौरिख थाना क्षेत्र के नगला पसा गांव निवासी विनोद कुमार(50) पुत्र मेवाराम पाल सोमवार की सुबह अपनी बाइक से तालग्राम होते हुए गुरसहायगंज अपनी बहन के यहां जा रहा था। जैसे ही वह आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के सर्विस रोड पर बेहटा गांव के सामने पहुंचा उसी समय किसी वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। उसे कुचलते हुए चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

घटना स्थल पर लगी लोगों की भीड़। अमृत विचार

राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी तालग्राम भेजा जहां मौत की पुष्टि हुई। पुलिस की सूचना पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिये भेजा। पुलिस वाहन की तलाश में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज तलाश रही है। घटना के बाद से मृतक की पत्नी सुभद्रा देवी व बच्चों का रो रो कर बुरा हाल हो रहा था।

दो लोगों के विरुद्ध अवैध लकड़ी कटान की रिपोर्ट

गुरसहायगंज। गोण्डा के थाना खोडरे असनहरा घासी घाट निवासी वन रक्षक कामालुद्दीन पुत्र निजामुद्दीन ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 28 नवंबर की सुबह लगभग 10:30 बजे सूचना पर ग्राम भुर्जानी स्थित मुखराम यादव के बाग में छापेमारी की। यहां मौके पर 14 कलमी आम के पेड़ कटे हुए पाए गए। लकड़ी का लदान हो चुका था। टीम को देख कटान करा रहा ठेकेदार सदर कोतवाली के जलालपुर पनवारा ग्राम सोरोतोप निवासी फुरकान मौके से भाग गया।

तटबंध बनाओ समिति की बैठक आज

फर्रुखाबाद । बाढ़ की विभीषिका से निपटने के लिए तटबंध बनाओ जन संघर्ष समिति की बैठक ग्राम कड़हर में मंगलवार 2 दिसम्बर को 12 बजे से होगी। यह जानकारी फर्रुखाबाद विकास मंच के अध्यक्ष भईयन मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया जिले को बाढ़ की विभीषिका से बचाने के लिए हम तटबंध बनाने के लिए लगातार प्रयास और संघर्ष करते रहेंगे।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में सचिवों ने बीडीओ और डीडीओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता गुरसहायगंज

अमृत विचार। ऑनलाइन उपस्थिति व दूसरों विभागीय कार्यों के विरोध में पंचायत सचिवों ने विरोध दर्ज कराते हुए सत्याग्रह का ऐलान किया है। इसको लेकर पंचायत सचिवों ने ब्लाक परिसर में सीडीओ को संबोधित ज्ञापन बीडीओ और विकास भवन पहुंच कर जिला विकास अधिकारी को दिया।

बीडीओ को ज्ञापन सौंपते ग्राम पंचायत सचिव। अमृत विचार

- सत्याग्रह करने का किया ऐलान विकास भवन में ज्ञापन दिया
- सीडीओ को संबोधित ज्ञापन बीडीओ व डीडीओ को दिया

तेराजाकेट स्थित विकास खण्ड तालग्राम कार्यालय पर सोमवार को समन्वय समिति के द्वारा सभी ग्राम विकास व पंचायत अधिकारियों ने सीडीओ रामकृपाल चौधरी को संबोधित ज्ञापन बीडीओ उमाशंकर शाहू को सौंपा। इसमें 03 नवंबर को जारी आनलाइन हाजिरी के आदेश के विरोध में 01 से 04 दिसंबर तक काली पट्टी बांध काम करने की बात कही। 05 दिसंबर से सभी ब्लाकों में 11 से एक बजे तक सांकेतिक सत्याग्रह और फिर ज्ञापन दिया जाएगा। व्हाट्सएप ग्रुप से उनके व्यक्तिगत नंबर लेफ्ट करेंगे। 10 दिसंबर से मोटरसाइकिल भत्ता की मांग होगी। 15 दिसंबर को जटिल ई ग्राम स्वराज एवं गेटवे प्रणाली प्रक्रिया के विरोध में मोबाइल ऐप के माध्यम से भुगतान प्रक्रिया निर्मित करने की मांग की जाएगी। कुशल प्रबंधन तक के लिए 15 दिसंबर को 11 बजे समस्त ग्राम पंचायतों के डोंगल एडीओ पंचायत के कार्यालय में जमा किए जाएंगे। इस दौरान महामंत्री शिवम् पाठक, अजय मिश्रा, विमल दुबे, पूजा सिंह व रुपाली दुबे मौजूद रहे।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

धर्म और मानव सेवा से ही मिलती है आत्मिक शांति

संवाददाता गुरसहायगंज

- कथावाचक पंडित संदीप मुरलिया वाले ने भावपूर्ण वर्णन किया

अमृत विचार। ग्राम मधवापुर में चल रही श्रीराम कथा में कथावाचक पंडित संदीप मुरलिया वाले ने प्रभु श्रीराम के वनवास के मार्मिक प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया।

कथावाचक ने कहा कि अहिल्या माता का उद्धार करने के उपरांत भगवान श्री राम के द्वारा भी पाप हो गया था। इसके बाद उन्होंने गंगा स्नान कर खुद को पाप मुक्त किया। श्री राम कथा एवं ज्ञान यज्ञ में प्रभु श्री राम की कथा का सुन श्रोता भक्ति भाव से विभोर हो गए। श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम की आरती, पुष्पवर्षा की और भजन "सिया रानी की जय" पर झूम उठे।

कथा वाचक संदीप मुरलिया वाले।

उन्होंने कहा कि सच्चा सुख धर्म और मानव की निःस्वार्थ सेवा में है। कथा में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ओंकारनाथ त्रिपाठी संत अयोध्या वासी महाराज, प्रमोद तिवारी, केशव त्रिपाठी, विनोद मिश्रा, रामप्रताप, अजय दुबे, सोनू दुबे, अरुण तिवारी, मुन्नू बाबू त्रिपाठी, दिव्यांश शुक्ला आदि रहे।

'बिजली बिल राहत' को लगे कैंप

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। बिजली विभाग की ओर से शुरू की गई छूट योजना के पहले दिन विभाग की ओर से गांव गांव कैंप लगाये गए। तालग्राम क्षेत्र के गांव रोहली में लगे कैंप का डीएम ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कहा कि बकायेदारों को एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज में 100 एवं मूलधन में 25 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। मासिक किश्तों में भुगतान की सुविधा भी है। छूट तीन चरणों में दी जाएगी। 01 से 31 दिसंबर तक पंजीकरण कराने पर मूलधन में 25 प्रतिशत, 01 से 31 जनवरी 2026 तक पंजीकरण कराने पर 20 प्रतिशत तथा 01 फरवरी से 28 फरवरी तक पंजीकरण कराने में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। निर्देश दिए कि अधिक से अधिक बकायेदारों को इस योजना का लाभ दिया जाए।

छूट योजना के तहत रोहली गांव में लगे कैंप में एक्सईएन से जानकारी लेते डीएम ।

इस दौरान अधीक्षण अभियंता विधुत अशोक ने बताया कि जनपद में 139166 बकायेदार उपभोक्ता हैं, जिन पर 437.025 करोड़ रूपये बकाया है। जनपद में कनेक्शन के बाद बिल न जमा करने वाले कुल 57472 उपभोक्ता है। इन पर 207.44 करोड़ रूपये बकाया है। इसी प्रकार जनपद में लम्बे समय से बिल न जमा करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 81694 है। इन पर 229.81 करोड़ रुपये बकाया है। छूट योजना में उपभोक्ता यदि एक बार में पूरा बकाया जमा करते हैं तो उन्हें बकाये पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत छूट व मूलधन में भी 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। यह योजना 02 किलोवॉट तक के घरेलू उपभोक्ताओं और 01 किलोवाट तक वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए है।

कंप्यूटर लैब के निर्माण में लग रहीं मानक विहीन ईंटें

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- सीडीओ व बीएसए ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय का किया निरीक्षण
- कार्यदायी संस्था एवं श्रम विकास सह. संघ को पत्र भेजने के निर्देश

अमृत विचार। ब्लॉक सदर क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मित्रसेनपुर का सीडीओ राम कृपाल चौधरी ने निरीक्षण किया।

परिसर में कंप्यूटर लैब का निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड (यूपी सीएलडीएफ) से कराया जा रहा है। जो ईंटें लगाई जा रहीं हैं उनकी गुणवत्ता मानक के तहत नहीं है। दूसरी श्रेणी की ईंटें प्रयोग हो रहीं हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने बीएसए संदीप कुमार को निर्देश दिए कि निर्माण की गुणवत्ता जांचने के लिए संस्था के अध्यक्ष को पत्र भेजा जाए। साथ ही मानक के तहत कार्य कराया जाए। डीसी बालिका शिक्षा रोहित तिवारी से प्रत्येह सप्ताह स्कूल का निरीक्षण कराने को भी कहा। किसी भी प्रकार की विद्यालय में कमी होने पर तुरंत समस्या निराकरण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कक्षा छह में 29, कक्षा सात में 27 और कक्षा आठ में 21 छात्राएं उपस्थित मिलीं। उच्चीकृत कस्तूरबा विद्यालय में कक्षा 09 में कुल 21 छात्राएं उपस्थित थीं और इसमें 02 शिक्षिकाएं कार्यरत मिलीं। प्रभारी वार्डन ने बताया कि मई 2025 में आरओ वाटर प्यूरीफायर की सर्विस कराई गई थी जिस पर निर्देश दिया कि इसकी तुरंत सर्विस कराई जाए।

महिलाओं को सुरक्षा अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। जनपद के अमृतपुर कस्बे में वांसी अड्डा के निकट मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को उनके सुरक्षा अधिकारों, महिला सशक्तिकरण तथा स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया।

नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए प्रारम्भ किए गए मिशन शक्ति 5 के दृष्टिगत पुलिस द्वारा महिलाओं व बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 112, 1090, 1076 व महिला सम्बन्धी अपराधों, महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरुक किया गया।कार्यक्रम के दौरान, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। पोस्टर के माध्यम से महिलाओं को आपातकालीन सहायता और कानूनी मदद के लिए उपलब्ध विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं से भी अवगत कराया गया। उपस्थित लोगों ने इस कार्यक्रम की सराहना की और इसे महिला सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य केवल महिलाओं को जागरूक करना नहीं है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना भी है। इसका लक्ष्य है कि वे अपने अधिकारों के प्रति सतर्क और सचेत रह सकें।

महिलाओं को जागरूक करती अमृतपुर पुलिस। अमृत विचार

- वांसी अड्डा के निकट मिशन शक्ति अभियान चलाया गया
- महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया गया

बीएलओ के पुत्र ने लगायी फांसी, गंभीर

फर्रुखाबाद। ।बीएलओ के पुत्र शिवांग ने मानसिक तनाव के कारण फांसी लगा ली। वह एक निजी अस्पताल में जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रहा है।

थाना राजेपुर के ग्राम ईमादपुर पमारान निवासी रामकेश लोधी राजपूत की पत्नी उर्मिला देवी आंगनबाड़ी कार्यकत्री हैं। उनकी बीएलओ में ड्यूटी लगी है। बताया जाता है कि रामकेश के छोटे भाई सुबह मोबाइल रिचार्ज करने के लिए कमरे पर गया तो उसने भाई को फांसी पर लटका हुआ पाया। शिवांग को फांसी से उतारा और तुरंत ही आवास विकास कॉलोनी स्थित डॉक्टर केएम द्विवेदी के अस्पताल ले गए। शिवांग को वेंटिलेटर पर रखा गया है उसकी हालत गंभीर बताई गई है। घटना की सूचना मिलने पर उर्मिला देवी अस्पताल पहुंचीं। उर्मिला देवी ग्राम कडका स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर कार्यकत्री का कार्य करती करती हैं।

रामगंगा पुल पर मक्का भरा ट्रक रेलिंग तोड़कर लटका

संवाददाता अमृतपुर

- इटावा-बरेली हाईवे पर लगा 5 किलोमीटर लंबा जाम

अमृत विचार। इटावा-बरेली हाईवे पर स्थित डबरी रामगंगा पुल पर एक मक्का से भरा ट्रक रेलिंग तोडकर दो फीट नीचे लटक गया। ओवरटेक करने के प्रयास में हुए इस हादसे के कारण पुल पर लगभग पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

यह घटना राजेपुर थाना क्षेत्र में हुई। ललितपुर जिले से मक्का भरकर बरेली जा रहा एक ट्रक चालक सामने से आ रही बस को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान ट्रक अनियंत्रित हो गया और पुल के बीच में रखे पत्थरों से टकरा गया। टकराव के बाद ट्रक रामगंगा पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे लटक गया। हादसे में ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक चालक भी घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए फर्रुखाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही राजेपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम जाम खुलवाने और स्थिति को सामान्य करने के प्रयास में जुटी हुई है।

रेलिंग तोडकर लटका ट्रक।

नहीं रहे पूर्व विधायक सुरेश यादव

फर्रुखाबाद। पूर्व विधायक सुरेश यादव का सोमवार को हृदयगति रुकने से निधन हो गया, उनके निधन से उनके समर्थकों में शोक की लहर है।

फतेहगढ़ के नेकपुर निवासी 84 वर्षीय सुरेश यादव साल 1989 में जनता दल से तत्कालीक विधान सभा मोहम्मदाबाद से विधायक बने थे। वह लगभग ढाई साल 1991 तक विधायक रहे। वह संकिसा इंटर कॉलेज में हिंदी के प्रवक्ता रहे। उपजिलाधिकारी सदर रजनी कान्त पाण्डेय, सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय ने उनके घर जाकर पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित किया तथा उनके पुत्र कौशलेन्द्र सिंह यादव व शैलेन्द्र सिंह यादव को ढांढस बंधाया। अपराह्न दो बजे पांचाल घाट पर अंतिम संस्कार हुआ। अंतिम यात्रा में सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

हैंडलूम महोत्सव | क्रिश्चियन इंटर कॉलेज के खेल मैदान पर फर्रुखाबाद हैंडलूम महोत्सव प्रदर्शनी के पंडाल में हुआ काव्योत्सव

काव्योत्सव में युवा प्रतिभाओं की शानदार प्रस्तुतियां

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। नगर के क्रिश्चियन इंटर कॉलेज के खेल मैदान पर चल रहे फर्रुखाबाद हैंडलूम महोत्सव प्रदर्शनी के पंडाल में भव्य काव्योत्सव का आयोजन दीप संस्था अध्यक्ष निमिष टंडन की अध्यक्षता एवं युवा कवि वैभव सोमवंशी के संचालन में हुआ।

युवा कवियों ने अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से सामाजिक संदेश दिए। कवि सम्मेलन में श्रेष्ठ ओज की रचना शहीद भगत सिंह के लिए युवा कवि दिलीप कश्यप कलमकार को मैन आफ द मंच का सम्मान दिया गया। सम्मेलन के संरक्षक के रूप में उपकार मणि ने वाणी पुत्रों की नयी फसल को भविष्य में पलने फूलने की शुभकामनाएं दीं।प्रियांशु पांडेय ने पढ़ा उठो वीर अब समय हो गया नींद से फिर जग जाने का समय हो गया फिर से नभ पे भगवा को लहराने का। वैभव सोमवंशी सुभाष ने पढ़ा- राम हमारी सुबह हमारी शाम है, राम रात दिन राम ही आठों याम है। विशाल श्रीवास्तव ने पढ़ा- मात पिता के अरमानों से क्यों अपना मुंह मोड़ आए। जिसने कांधे पर बैठाया उसके कांधे तोड़ आए। दिलीप कश्यप कलमकार ने पढ़ा -सोच लिया था भगत सिंह ने अब तो कुछ करना होगा मातृभूमि की बलिवेदी पर काट शीश धरना होगा ।जगमोहन गौतम मुसाफिर, मोनू त्रिवेदी, विभोर सोमवंशी, निमिष टंडन, डा.अरुण पाठक ने भी काव्यपाठ किया। आयोजक मोहम्मद रफी व की टीम ने सभी का आभार व्यक्त किया ।सभी कवियों को स्मृतिचिन्हे देकर सम्मानित किया गया।

युवा कवि को पुरस्कृत करते मोहम्मद रफी व निमिष टण्डन। अमृत विचार

- दिलीप कलमकार चुने गये मैन ऑफ द मंच

ट्रांसफार्मर में लगी आग, सौ घरों की बिजली गुल

फर्रुखाबाद। नवाबगंज थाना क्षेत्र के उम्मरपुर गांव में सोमवार दोपहर 100 केवी के एक ट्रांसफार्मर में आग लग गई। इस घटना से लगभग 100 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

स्थानीय लोगों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचना दी। उन्होंने लाइनमैन मंजेश कुमार को घटना से अवगत कराया। लाइनमैन मंजेश कुमार ने बताया कि उन्हें आग लगने की सूचना मिली है। उन्होंने पुष्टि की कि वह मौके पर पहुंच रहे हैं और ट्रांसफार्मर में आग लगने के कारण करीब 100 घरों में बिजली गुल हो गई है। नोडल अधिकारी गोपाल मिश्रा ने जानकारी दी कि आग लगने की सूचना मिलते ही लाइनमैन को मौके पर भेज दिया गया है।

खड्ड में फंसी फर्रुखाबाद डिपो की बस, हड़कंप

संवाददाता फर्रुखाबाद

- हरदोई जा रही बस में सवार थे 60 यात्री, चालक फरार

अमृत विचार। फर्रुखाबाद डिपो की एक रोडवेज बस सोमवार दोपहर लगभग एक बजे राजेपुर थाना क्षेत्र के डबरी मार्ग पर एक खड्ड में जा फंसी। बस में लगभग 60 यात्री सवार थे और यह हरदोई जा रही थी। हालांकि बस में सवार किसी व्यक्ति के गम्भीर चोटें नहीं आईं। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

यह घटना डबरी चेक पोस्ट के पास हुई। जानकारी के अनुसार, सुबह रामगंगा पुल पर एक ट्रक रेलिंग तोड़कर लटक गया था, जिसके कारण 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया था। इसी जाम से बचने के प्रयास में रोडवेज चालक बस को सड़क किनारे पीछे कर रहा था। इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरी। बस में सवार लगभग 60 यात्रियों में भगदड़ मच गई, हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। घटना के तुरंत बाद रोडवेज चालक मौके से फरार हो गया। इस दुर्घटना के कारण डबरी मार्ग पर लगभग 6 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। घटना की सूचना मिलने पर राजेपुर थाना अध्यक्ष सुदेश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का मुआयना किया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

आज का मौसम

मंगलवार को धूप खिली रहने के साथ राहत रहेगी लेकिन न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना है।

25.0° अधिकतम तापमान | 09.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06 : 43 | सूर्यास्त 05 : 16

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS •MODULAR OT
दूरबीन विधि से ऑपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

न्यूज ब्रीफ

पुरसा गौशाला से एलसीडी व डीवीआर चोरी

तिर्वा। सदर ब्लाक क्षेत्र की ग्राम सभा जसपुरापुर सरैया की गौशाला पुरसा गांव में बनी हुई है। 29 नवम्बर की रात गौशाला में केयरटेकर के कमरे का ताला तोड़ कर चोर एलसीडी तथा डीवीआर पर हाथ साफ कर दिया है। ग्राम पंचायत अधिकारी सुधीर सिंह ने कोतवाली जाकर चोरी की तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

सौरिख। थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव निवासी कमलेश पुत्र गोपीचंद (45) बौसिया निवासी अपने मामा बलवीर पुत्र नाथूराम (60) के साथ रविवार शाम लगभग 5 :00 बजे बाइक से अपने घर जा रहे थे। सकरावा रोड कन्हई नगरिया के सामने पहुंचे, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों व एंबुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया

होमगार्ड कंपनी कमांडर समेत 9 हुए सेवानिवृत्त

सौरिख। होमगार्ड के कम्पनी कमांडर समेत 9 साथी सेवा पूरी कर सेवा से रिटायर हो गए। सोमवार को नगर के नादेमऊ रोड पर रिटायर हुए कम्पनी कमांडर मनोज तिवारी के आवास पर कार्यक्रम में उनके अलावा होमगार्ड विमलेश पाण्डेय, गिरजेश कुमार, देवेंद्र सिंह, मान सिंह, बृजेन्द्र सिंह, राकेश कुमार, देवी दयाल, हरिनारायण सिंह को प्लाटून कमांडर उपेन्द्र तिवारी, देशराज सिंह, जीवन मिश्रा सहित अन्य साथियों ने फूल मालाएं पहनाकर और शाल उढ़ाकर सम्मानित किया।

युवती के साथ की मारपीट, मुकदमा दर्ज

सौरिख। घर से बाहर बने शौचालय में शौच को जा रही युवती के साथ गांव के युवक ने मारपीट कर दी। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 18 वर्षीय युवती घर से कुछ दूरी पर बने शौचालय में शौच के लिए जा रही थी। उसी दौरान गांव के ही रामराज पुत्र मानसिंह ने युवती के साथ गालीगलौज करते हुए मारपीट कर दी। चीख पुकार सुनकर परिजन दौड़े तो रामराज गालीगलौज व जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। युवती के पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी गई।

41 स्कूलों ने नहीं शुरू किया अपार आईडी का काम

जिले में 202 ऐसे स्कूल जिन्होंने 50 प्रतिशत या उससे कम कार्य किया

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- लापरवाही वाले राजकीय, एडेड संस्थानों के प्रधानाचार्य व बाबू का रुकेगा वेतन
- वित्तविहीन विद्यालयों की मान्यता प्रत्याहरण को पत्र लिखा जाएगा

अमृत विचार। विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति और उपलब्धि को ट्रैक करने के लिए अपार आईडी (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक रजिस्ट्री) बनाई जाती है। जनपद के 41 वित्तविहीन माध्यमिक स्कूलों ने अब तक काम नहीं शुरू किया है। साथ ही 202 ऐसे विद्यालय हैं जहां 50 फीसदी या उससे कम कार्य हुआ है। इनको चिह्नित कर मान्यता प्रत्याहरण, एडेड और राजकीय स्कूलों के प्रधानाचार्य व बाबू का वेतन रोकने की कार्रवाई की जा सकती है। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के अधीन 364 माध्यमिक स्कूल हैं जो यूपी बोर्ड से संबंधित हैं। प्रभारी डीआईओएस नीतू गुप्ता ने बताया कि सभी विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य व प्रधानाध्यापकों से कहा गया है कि यू-डायस 2025-26 पोर्टल पर नामांकित विद्यार्थियों का कार्य पूरा करें। अपार आईडी सृजन से अवशेष विद्यार्थियों के माता-पिता व अभिभावकों से सहमति पत्र एकत्र कर लें। उसे स्कूल स्तर पर सुरक्षित रखते हुए अपार आईडी का काम पूरा किया जाए। यू-डायस पोर्टल से मिली रिपोर्ट के बाद सभी मैनेजमेंट व ऑल कैटेगरी स्कूलों को अपार आईडी बनाने में जुटना है।

जानिए क्या है अपार आईडी

- भारत सरकार की ओर से सभी विद्यार्थियों की 12 अंकों की अपार आईडी बनाई जाती है। इसकी सहायता से भविष्य में इन सभी स्कूलों के विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति व उपलब्धि ट्रैक की जा सकेगी। ऑउट ऑफ स्कूल बच्चों का चिह्नीकरण किया जा सकेगा। इन विद्यार्थियों की शैक्षिक यात्रा व उनके अंकपत्र आदि का ब्योरा स्वत : ही संबंधित अपार आईडी में सुरक्षित हो जाएगा। डिजिलॉकर की सहायता से सभी अकादमिक अभिलेख को वेरीफाई के लिए प्राप्त हो सकेंगे।

ड्रॉप आउट रेट कम हो सकेगा

अपार आईडी व्यवस्था ड्रॉप आउट रेट को कम करने में सहायक होगा। ऐसे बच्चे जो हर साल ड्रॉप आउट होंगे उनको पुन : शिक्षा की मुख्य धारा में लाए जाने में सहायक होगा। यू-डायस पोर्टल के जरिए ही अपार आईडी सृजन करने की व्यवस्था बनाई गई है।

घूरा डालने को लेकर दी जान से मारने की धमकी

छिबरामऊ। छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र में घूरा डाले को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। एक पक्ष ने दूसरे को जान से मारने की धमकी दी। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दक्षिणी खुडावा निवासी मुंगेलाल वर्मा पुत्र नेकराम वर्मा ने पुलिस से शिकायत की कि सोमवार दोपहर करीब 1 बजे वह अपनी पुरानी जगह पर घूरा डालने जा रहे थे। तभी ग्राम बहबलपुर निवासी एक व्यक्ति ने उन्हें रोक लिया। आरोपी ने दावा किया कि "आज के बाद इस जमीन पर घूरा नहीं डाला जाएगा, अब यह जमीन मेरी है।" पीड़ित ने 20 वर्षों से इसी जगह पर घूरा डालने की बात कही तो आरोपी ने धमकी दी कि "मेरे ऊपर दर्जनों मुकदमे हैं। तुम्हें जान से मारने पर एक मुकदमा और बढ़ जाएगा।' बाद में पता चला कि आरोपी थाना छिबरामऊ का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर गुंडा है, जिसे कई मुकदमों में सजा भी हो चुकी है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच के बाद जो भी दोषी मिलेगा उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की गिरफ्त में भीम आर्मी जिलाध्यक्ष। अमृत विचार

अभद्र टिप्पणी में भीम आर्मी जिलाध्यक्ष हुए गिरफ्तार

संवाददाता सौरिख/छिबरामऊ

अमृत विचार। देवी देवताओं व जाति के नाम पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सूरज कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

रविवार को छिबरामऊ कोतवाली के चंदरपुर में लेखराज शंखवार की देखरेख में भीम आर्मी की बैठक हुई थी। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष सूरज कुमार ने देवी-देवताओं, धार्मिक आस्था और राम मंदिर को लेकर आपत्तिजनक शब्द बोलना शुरू कर दिए। आरोप है कि उन्होंने कथित तौर पर ब्राह्मण और क्षत्रिय समाज की भी टिप्पणी की जिससे सभा में बैठे लोग आक्रोशित हो गए और हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल पहुंचा और लोगों को शांत कराया। क्षत्रिय समाज के प्रतिनिधियों ने छिबरामऊ कोतवाली पहुंचकर भीम आर्मी जिलाध्यक्ष सूरज कुमार और उसके साथियों, लेखराज, उनकी पत्नी उजाला, विनोद कुमार, रजनीश, सौरभ कुमार, बाबू कुमार सहित 4-5 अज्ञात लोगों के खिलाफ गालीगलौज करते हुए मारपीट, जान से मारने तथा एससी एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी के आरोप में तहरीर दी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद सोमवार को सौरिख थाना प्रभारी जयंती प्रसाद गंगवार ने थाना क्षेत्र के कांकरकुई स्थित घर से सूरज कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

220 किसानों से खरीदा 1212.98 मी.टन धान

कन्नौज। जिले में धान खरीद क्रय केंद्रों ने रफ्तार पकड़ ली है। एक माह में सरकारी क्रय केंद्रों ने 220 किसानों से 1212.98 मीट्रिक टन धान की खरीद की है।

किसान तत्काल रजिस्ट्रेशन करा कर सरकारी क्रय केंद्रों पर धान लेकर पहुचने लगे हैं। कई किसानों के धान लेकर पहुंचने से केंद्र प्रभारी की मनमानी का शिकार होना पड़ रहा है। तत्काल धान की तौल न होने से किसान केंद्र के बाहर धान की बोरी लगा कर जा रहे हैं। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी अनूप कुमार श्रीवास्तव ने बताया है कि जनपद में धान खरीद के लिये 27 केंद्र खोले गये हैं। इनमें सबसे अधिक 16 क्रय केंद्र छिबरामऊ तहसील में हैं। डीएम के निर्देश पर एक केंद्र ब्लाक हसेरन में खोला गया है। जनपद में 992 किसानों ने धान विक्रय को पंजीकरण करा लिया है जिसमें 631 का सत्यापन हो चुका है। जनपद में 30 नवंबर तक 220 किसानों से 1212.98 मीट्रिक टन धान क्रय किया जा चुका है। इनमें से 205 किसानों को 268.08 लाख रुपये का भुगतान हो चुका है।

विकासखंड सभागार में बीएलओ रोहित राजपूत को सम्मानित करते ब्लाक प्रमुख अजय वर्मा तथा खंड शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार। अमृत विचार

ब्लाक प्रमुख ने तीन बीएलओ को सम्मानित किया

तिर्वा। एसआईआर में गणना प्रपत्र को अपलोड करने के कार्य ने तेजी पकड़ ली है। समय से पूर्व प्रपत्रों को अपलोड करने वाले कस्बा जवाहर नगर, अंबेडकर नगर तथा बौद्ध नगर के बीएलओ रोहित राजपूत, बूथ संख्या 421 की बीएलओ ऋचा तथा बूथ संख्या 394 के प्रदीप कुमार को ब्लॉक प्रमुख अजय वर्मा तथा खंड शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार ने शाल तथा गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया।

खाटू श्याम खाद भंडार छिबरामऊ का लाइसेंस निलंबित

कन्नौज। सोमवार को जिला कृषि अधिकारी ने अपर जिला सहकारी अधिकारी छिबरामऊ, सहायक विकास अधिकारी (कृषि) आदित्य कुमार के साथ साधन सहकारी समिति, प्रेमपुर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के समय सचिव ब्रजेश कुमार एवं अध्यक्ष रामवक्स लोधी उपस्थित मिले। जिला कृषि अधिकारी ने खाटू श्याम खाद भंडार के निरीक्षण में उपस्थित कृषकों को आधार एवं जोत के अनुसार लाइन लगवाकर उर्वरक का वितरण कराया गया। स्टॉक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर, रेट बोर्ड एवं बैनर आदि में कमियां मिलने के कारण उर्वरक का लाइसेंस निलंबित किया गया।

संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर घर-घर संपर्क शुरू

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में घर-घर संपर्क अभियान का शुभारंभ किया गया। पावन स्थल आनंदेश्वर पीठ, मानीमऊ से अत्यंत उत्साह से स्वयं सेवक निकले।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के घर घर भ्रमण कार्य में प्रमुख रूप से संघ के विभाग प्रचारक राहुल तथा आनंदेश्वर पीठ के पीठाधीश्वर कौशल महाराज उपस्थित रहे। महाराज ने अपने आशीर्वचन में समाज में संगठन, समरसता एवं राष्ट्रभाव निर्माण हेतु संघ द्वारा संचालित विविध कार्यों की प्रशंसा की तथा संपर्क अभियान को समाजहित का श्रेष्ठ अनुष्ठान बताया। कुटुंब प्रबोधन प्रमुख अमरनाथ ने बताया कि यह अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग तक संघ के 100 वर्षों की प्रेरणादायी यात्रा, विचारधारा एवं सेवा कार्यों को पहुंचाने का व्यापक प्रयास है। यह अभियान आगामी दिनों में सम्पूर्ण नगर एवं आस-पास के क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा।

आनंदेश्वर पीठ मानीमऊ से शुरुआत करते आरएसएस के स्वयं सेवक। अमृत विचार

कारों के मालिक भी खा रहे फ्री राशन

खास खबर

अजय मिश्र, कन्नौज

- जिले में 26,091 यूनिट अपात्र निकले, भारत सरकार ने जारी की लिस्ट
- 05 एकड़ से अधिक जमीन के मालिक व मृतकों के नाम भी आए सामने

> भारत सरकार ने डाटा साझा किया है जिसमें निर्धारित पैरामीटर से अलग 26,091 यूनिट के नाम राशन कार्डों में अपात्र मिले हैं। इन सभी का सत्यापन कराया जा रहा है। जो भी अपात्र व मृतक मिल रहे हैं उनके नाम हटाए जा रहे हैं। अब तक कार व चौपहिया वाहन वाले 4453 नाम वाले राशन कार्ड निरस्त कर दिए गए हैं।
>
> –राजीव मिश्र, जिला पूर्ति अधिकारी

अमृत विचार। जनपद में 26,091 लोग ऐसे हैं जो अपात्र व मृतक होते हुए भी फ्री का राशन खा रहे हैं। इसमें 25 लाख रुपये से अधिक जीएसटी देने वाले, चौपहिया वाहनों के मालिक, 05 एकड़ से अधिक जमीन व शहरों में 03 लाख रुपये सालाना आमदनी वाले भी शामिल हैं।

भारत सरकार ने इसकी सूची जारी हो गई है। पूर्ति विभाग इसका सत्यापन करा रहा है और अपात्र लाभार्थियों के नाम कटने लगे हैं।

जनपद के उचित दर विक्रेताओं के यहां 06 से 12 महीने तक जिन राशनकार्ड धारकों ने खाद्यान्न नहीं लिया है उनकी संख्या 7082 है। 4532 यूनिट ऐसे मिले हैं जिनके पास चौपहिया वाहन हैं लेकिन वह फ्री का गेहूं, चावल व मोटा राशन खा रहे हैं। 05 एकड़ से अधिक जमीन के 1184 स्वामी भी पकड़ में आए हैं। इसी तरह ग्रामीण इलाकों में रहने वाले 02 लाख से अधिक आय वाले 6848 और शहरी क्षेत्र के वह 2543 लोग जिनकी आमदनी 03 लाख रुपये सालाना से अधिक है की भी सूची जारी हुई है। जिन कार्डधारकों ने 12 महीने से अधिक राशन नहीं लिया है ऐसे भी 1054 नाम खोजे गए हैं। इसके अलावा दूसरे राज्यों में आधार नंबर से राशन लेने वाले 2763 यूनिट, 25 लाख से अधिक जीएसटी देने वाले 43 और 42 मृतकों के नाम भी सामने आए हैं। सूची जारी होने के बाद तरह-तरह की चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। नियम के मुताबिक गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों को अंत्योदय कार्ड और मध्यम वर्गीय परिवारों को पात्र गृहस्थी का राशनकार्ड जारी किया गया है। अंत्योदय कार्ड धारकों को कुल 35 किलोग्राम राशन व पात्र गृहस्थी में प्रति यूनिट 05 किलोग्राम खाद्यान्न हर महीने निशुल्क दिया जाता है।

तकनीकी सहायक की सेवा समाप्त

कन्नौज। विकास खंड जलालाबाद क्षेत्र में तैनात तकनीकी सहायक की सेवा समाप्त हो गई है।

तकनीकी सहायक मनरेगा राजेश कनौजिया के खिलाफ प्रधान तेरारागी शारदा देवी ने कदाचार में लिप्त होने, खेल मैदान व अन्नपूर्णा मॉडल दुकान का कार्य पूर्ण होने पर माप पुस्तिका करने से पहले 10 फीसदी धनराशि की मांग करने का आरोप लगाया था। बीडीओ ने तकनीकी सहायक को मनरेगा कार्य में रुचि न लेने, स्वेच्छाचारिता से कार्य करने, बिना अनुमति कार्यालय से अनुपस्थित रहने, उच्चाधिकारियों के आदेशों का पालन न करने व इसको लेकर प्रचारित करने पर उसका जवाब न देकर मनमाने तरीके से कार्य करने का भी दोषी पाया। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने तकनीकी सहायक की संविदा सेवा समाप्त कर दी है।

14 राजकीय माध्यमिक स्कूलों में विद्यार्थी सीखेंगे कंप्यूटर

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- जहां-जहां स्थापित हुई आईसीटी लैब वहां के प्रधानाध्यापक व नोडल शिक्षकों को मिलेगा प्रशिक्षण
- 05 दिसंबर को कानपुर बुलाए गए, अब जिले के 15 विद्यालयों में कंप्यूटर लैब की सुविधा

अमृत विचार। शैक्षिक सत्र 2025-26 में जनपद के 14 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी लैब (कंप्यूटर लैब) स्थापित की गयी है। कुल 36 कंप्यूटर सिस्टम व अन्य उपकरण लग गए हैं। यहां विद्यार्थियों को अन्य विषयों की ऑनलाइन शिक्षा के साथ ही ऑनलाइन मीटिंग भी हुआ करेगी। जिन स्कूलों में सुविधा दी गई है वहां के प्रधानाध्यापक व नोडल शिक्षकों को 05 दिसंबर को कानपुर में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

डीआईओएस कार्यालय की ओर से बताया गया है कि स्थापित की गयी लैब में कंप्यूटर के साथ प्रिंटर, इंट्रैक्टिव फ्लैट पैनल, वेब कैम एवं संबंधित उपकरण एवं सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराए गए हैं। सत्र 2024-25 में राजकीय इंटर कॉलेज, उमर्दा में आईसीटी लैब स्थापित हुई है। स्थापित सामग्री के रख-रखाव के प्रशिक्षण के लिए राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा (माध्यमिक) के निर्देश पर संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य/नोडल शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यदायी संस्था की ओर से राजकीय इंटर कॉलेज, चुन्नीगंज में दिया जाएगा।

यहां स्थापित हुईं कंप्यूटर लैब

- इसमें तीन इंटर कॉलेजों जिसमें राजकीय अभिनव विद्यालय गंगधरापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज बिरौली और फतेहपुर जसोदा में 04-04 कंप्यूटर सेट व प्रिंटर व उपकरण दिए गए हैं। राजकीय हाईस्कूल किसई जगदीशपुर में भी 04 सेट मिले हैं। राजकीय हाईस्कूल मुरैया बुजुर्ग, फुलवारी, ड्योड़ा, भोजपुर निगोह, रामखेड़ा, हुसेपुर करन, जोगिनीपुर, बैसावारी, गुगरापुर, भंवरगाढ़ा में दो-दो सेट दिए गए हैं। विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा व अन्य विषयों की शिक्षा उपलब्ध कराए जाने एवं प्रशिक्षण में प्रयोग किया जाएगा।

अवैध रुप से हूटर लगी बोलेरो की गई सीज

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। कोतवाली सदर पुलिस ने एसडीएम लिखी व दो हूटर लगी बोलेरो सीज कर कोतवाली में खड़ी कराई है। यह गाड़ी गुरसहायगंज की है।

लंबे समय से एसडीएम लिखी व दो हूटर लगी कार देखी जा रही थी। सोमवार को यह कार कोतवाली के सामने से निकली तो कोतवाली प्रभारी की नजर पड़ गई। वह एसडीएम को आया जान सतर्क हो गए लेकिन पास जाकर देखा तो केवल चालक था। जानकारी ली तो वह कुछ नहीं बता सका। इस पर कोतवाल ने कार को कोतवाली में खड़ा कराया। जांच में पता चला कि यह कार किसी अधिकारी के यहां नहीं लगी बल्कि चालक ने हनक बनाने के लिये यह करतूत की है। इस पर कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने किसी की पैरवी न मानते हुए दरोगा प्रशांत गौतम से कार को सीज करा दिया। जांच में पाया गया कि यह कार गुरसहायगंज कस्बे के मनोज कुमार गुप्ता पुत्र राम सेवक गुप्ता निवासी संजय नगर रामगंज के नाम पर है। इसे चालक प्रदीप कुमार पुत्र राधेश्याम निवासी खाड़ेदेवर गुरसहायगंज चला रहा था।

कोतवाली सदर में खड़ी एसडीएम लिखी व हूटर लगी सीज की गई बोलेरो कार।

बैठक जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक कर अधीनस्थों संग डॉक्यूमेंटेशन पर की चर्चा

2003 की मैनुअल वोटरलिस्ट में नाम तो नहीं परेशान

कार्यालय संवाददाता,कन्नौज

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि यदि किसी व्यक्ति का नाम 2003 की वोटरलिस्ट में है और डिजिटल में नहीं मिल रहा तो उसे परेशान होने की जरूरत नहीं है। बीएलओ अपने स्तर से सत्यापन कर रिपोर्ट लगा देंगे। इसके अलावा अधीनस्थ जिम्मेदारों से डॉक्यूमेंटेशन को लेकर चर्चा कर सुझाव मांगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने सोमवार को अपने कार्यालय में एसआईआर से संबंधित जिम्मेदारों सभी तीनों एसडीएम, खंड शिक्षाधिकारियों तथा तहसीलदारों के साथ ऑनलाइन बैठक की। इसमें एसआईआर के दौरान दस्तावेजों के डिजिटाइजेशन में आ रही दिक्कतों पर चर्चा के साथ सभी के सुझाव भी लिए। इस दौरान जो महत्वपूर्ण बात सामने आई वह यह कि बीएलओ के कई बार दस्तक देने पर भी कुछ मतदाताओं की ओर से किन्हीं न किन्हीं कारणों से गणना प्रपत्र नहीं उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ऐसे में बीएलओ उनकी ओर से अस्वीकृति या अनुपस्थिति दर्ज करने से कतरा रहे हैं।

अपने कार्यालय में सभी एसडीएम के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर एसआईआर को लेकर चर्चा करते जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री। अमृत विचार

- 8.77 लाख मतदाताओं के फार्म वेबसाइट पर अपलोड हो चुके

एसडीएम सदर वैशाली की ओर से सुझाव दिया गया कि संबंधित बीएलओ के लोकेशन के साथ फोटो ले लिया जाए। इस पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि बीएलओ को थोड़ा साहस दिखाकर ऐसे लोगों को सी कैटेगरी में डालना होगा। हालांकि इसके बाद भी कोई परेशानी की बात नहीं है। चूंकि एसआईआर का समय बढ़ गया है तो इस तैयार हो रही सूची को एडिट किया जाएगा जिससे मतदाता ए या बी कैटेगरी में चला जाएगा। 16 दिसंबर को सूची फाइनल होने के बाद ऐसे मतदाताओं से फार्म 6 भरवाकर वोटर लिस्ट में शामिल किया जाएगा। जानकारी दी कि जनपद में अब तक करीब 68 फीसदी डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। कुल 12,89,220 मतदाताओं में से करीब 1,51,500 ऐसे नाम हैं जो या तो अनुपस्थित हैं, स्थानांतरित हो गए या फिर मृत्यु हो चुकी है। करीब 8.77 लाख मतदाताओं के फार्म वेबसाइट पर अपलोड किए जा चुके हैं।

किसी भी आपात स्थिति में डायल करें 112

संवाददाता तिर्वा, कन्नौज

- सड़क सुरक्षा अभियान के तहत चलाया गया जागरूकता अभियान

अमृत विचार। कन्नौज पुलिस 112 द्वारा त्वरित भरोसेमंद आपस सेवा की अभियान के तहत सोमवार को कस्बा स्थित महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में डायल 112 के प्रभारी इंस्पेक्टर महेश वीर सिंह के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में शामिल टीम के सदस्यों ने किसी भी तरह के अपराध ,दुर्घटना, आग या संकट में 112 नंबर डायल करने को कहा गया।

कार्यक्रम में जन जागरूकता की बात, जन-जन के साथ, थीम पर आधारित स्लोगन को दोहराया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि सड़क दुर्घटना, झगड़ा गाड़ी खराब होने, मेडिकल इमरजेंसी में तुरंत 112 नंबर डायल कर सकते हैं टीम ने नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा, महिला सुरक्षा, साइबर सतर्कता, और 1 12 की कार्य प्रणाली से जुड़े वीडियो और संदेश दिखाए। कॉलेज के प्रधानाचार्य राम कृपाल वर्मा तथा प्रबंधक सहित सैकड़ों स्कूली बच्चे व शिक्षक शिक्षकाएं मौजूद रही। टीम ने राजकीय मेडिकल कॉलेज की गेट पर भी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया।

छात्रों को पुरस्कृत करते डायल 112 के प्रभारी, निरीक्षक महेश वीर सिंह।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार,2 दिसंबर 2025 औरैया

न्यूज ब्रीफ

पूर्व सभासद पर जानलेवा हमला

अछल्दा। कस्बे के हरीगंज बाजार तिराहे पर गुरुवार शाम करीब 7 :30 बजे पूर्व सभासद अमित ठाकुर पर जानलेवा हमला हुआ। हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं और सीएचसी में इलाज के दौरान रेफर किया गया। कस्बे के नहर बाजार निवासी अमित ठाकुर पुत्र सुरेंद्र किसी काम से आदर्श इंटर कॉलेज के पास गए थे। घर लौटते समय हरीगंज बाजार तिराहे पर कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान एक युवक ने सभासद को बचाया और वहां से भाग निकला। सभासद ने थाने में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि मारपीट के दौरान हमलावरों ने लाठी डंडों से प्रहार कर घायल किया। घटना के बाद थाना पुलिस ने अमित ठाकुर का मेडिकल परीक्षण कराया।

एसीएमओ ने अयाना सीएचसी का दौरा कर परखीं व्यवस्थाएं

अयाना। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिशिरपुरी ने सोमवार को सीएचसी अयाना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई की व्यवस्था और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की गुणवत्ता को परखा। स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों और डॉक्टरों की उपस्थिति पंजिका की जांच की और सभी स्टाफ को समय पर अस्पताल पहुंचने के निर्देश दिए। उन्होंने दवा वितरण कक्ष का भी निरीक्षण किया और यह सुनिश्चित किया कि मरीजों को आवश्यक दवाएं नि :शुल्क और समय पर मिलें। एसीएमओ ने अस्पताल परिसर, वार्ड और शौचालयों की साफ-सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। भर्ती मरीजों से भी बात की और अस्पताल की तरफ से मिल रही सुविधाओं और भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि पांच दिसंबर को केंद्रीय टीम सीएचसी का परीक्षण करेगी।

2 बकरी, 1 बकरा चोरी

अछल्दा। थाना क्षेत्र के गांव पुरवा भदौरिया मौजा बंशी में बीती रात चोरों ने घर के सामने प्लॉट में बंधी दो बकरी और एक बकरा चोरी कर लिया। पशुपालक पंकज राठौर पुत्र रविंद्र सिंह ने प्लॉट पर टीन सेट के नीचे तीनों जानवर रस्सी से बांध रखा था। पंकज नींद से उठा और बाहर देखा, तो रस्से सहित सभी तीनों जानवर गायब मिले। सुबह होते ही परिजन आसपास के बकरी बाजारों में भी खोजबीन करते रहे, पता नहीं चल सका। चोरी हुए जानवरों की कीमत लगभग 15 हजार रुपये बताई जा रही है।

छह महीनों से झुका पोल हादसे को दे रहा निमंत्रण

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

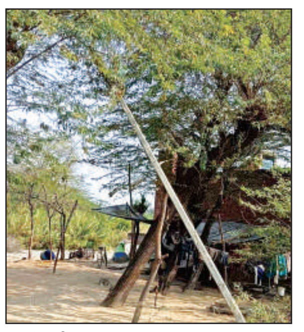

मुक्के की मड़ैया में झुका खंभा।

अमृत विचार। क्षेत्र के मुक्के की मड़ैया में एक विद्युत पोल पिछले छह महीनों से झुका हुआ है। एलटी लाइन का यह पोल केवल तारों के सहारे टिका है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय निवासियों ने इस संबंध में कई बार बिजली विभाग से शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। ग्रामीण रोजाना इसी रास्ते से गुजरते हैं और खुद को खतरे में महसूस करते हैं। विशेषकर तेज हवा या बारिश के दौरान स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जिससे ग्रामीणों में डर का माहौल है। उनका कहना है कि बिजली व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है और विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द नया पोल लगाकर विद्युत आपूर्ति को सुरक्षित किया जाए। इस मामले पर एसडीओ संजीव निरंजन ने बताया कि उन्हें जानकारी मिलते ही संबंधित जेई को मौके पर भेजकर समस्या का जल्द समाधान कराया जाएगा।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में सचिवों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अछल्दा में विरोध-प्रदर्शन करते ग्राम पंचायत सचिव। अमृत विचार

फफूंद में हाथों पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताते ग्राम पंचायत सचिव। अमृत विचार

अमृत विचार। खण्ड विकास कार्यालय गेट पर सोमवार को ग्राम पंचायत सचिवों ने ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली और गैर-विभागीय कार्यों के विरोध में शांतिपूर्ण सत्याग्रह शुरू किया।

ग्राम पंचायत सचिवों का कहना है कि ऑनलाइन उपस्थिति (एफआरएस) लागू होने से उनकी फील्ड गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसके साथ ही, विभाग से हटकर अनेक कार्य दिए जाने से सचिवों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ गया है। इसी के विरोध में सचिव 1 से 4 दिसंबर तक काली पट्टी बांधकर शासकीय कार्य करेंगे। आंदोलन की रूपरेखा के अनुसार, 5 दिसंबर को सचिव धरना देंगे और ज्ञापन सौंपेंगे, जिसके बाद वे अपने-

- बोले, फील्ड गतिविधियों पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव

अपने जनपद स्तरीय व्हाट्सएप ग्रुप से लेफ्ट हो जाएंगे। 10 दिसंबर को ग्राम पंचायत सचिव निजी वाहनों का उपयोग बंद कर देंगे, और 15 दिसंबर को ब्लॉक स्तर पर अपने डोंगल जमा करेंगे। ग्राम पंचायत सचिव संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। इस सत्याग्रह में अब्दुल करीम (जिलाध्यक्ष), हेमंत शर्मा, सत्य पाल सिंह, गौरवेंद्र, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, प्रशांत यादव, अवनीश, सुरेंद्र प्रजापति, सौरभ यादव, सर्वेन्द्र, सलीम अहमद मौजूद रहे।

सचिवों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

फफूंद। पंचायती राज एवं ग्राम्य विकास विभाग के सचिवों पर बढ़ते गैर विभागीय कार्यों, ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली और फेशियल रिकग्निशन आधारित अटेंडेंस के विरोध में सोमवार को विकास खंड भाग्यनगर के सचिवों ने ब्लॉक परिसर में काली पट्टी बांधकर सांकेतिक प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन प्रदेश नेतृत्व द्वारा 01 से 04 दिसंबर तक घोषित शांतिपूर्ण क्रमिक सत्याग्रह कार्यक्रम का हिस्सा है। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष अरविन्द दोहरे, सचिव संगीता दोहरे, रविंद्र दुबे सुरेंद्र कुमार माथुर, अरविंद दोहरे, राजेश गौतम, आवेश कुमार, सुरेश चंद्र, रविंद्र प्रताप राजपूत उपस्थित रहे।

सूने घर में चोरों का धावा, लाखों के जेवर व 50 हजार नकद पार

सुबह लौटकर देखा तो टूटा मिला ताला, भांजी की शादी में गई थी महिला

चोरी के बाद घर के बाहर खड़े लोग। अमृत विचार

चोरी की घटना के बाद बिखरा पड़ा सामान। अमृत विचार

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

- अछल्दा के हरीगंज बाजार क्षेत्र का मामला
- पुलिस ने मौका मुआयना कर शुरू की जांच

अमृत विचार। कस्बे के हरीगंज बाजार में रविवार रात एक सूने घर से चोरों ने लाखों के जेवर और नकदी पार कर दी। गृहस्वामी महिला भांजे की शादी में शामिल होने इटावा गए थे, इसी दौरान चोरों ने सूने घर को निशाना बनाया। सुबह घर लौटने पर उन्होंने मुख्य गेट की कुंडी टूटी देखी, जिसके बाद तुरंत 112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, हरीगंज बाजार निवासी नीतू पत्नी नरेंद्र सिंह रविवार को अपनी भांजी की शादी में शामिल होने इटावा के जेपी गार्डन गईं थीं। वह रात वहीं रुकीं और सोमवार सुबह लगभग 5:30 बजे इटावा-कानपुर मेमू ट्रेन से घर लौटीं। घर का मुख्य गेट खोलने पर उन्हें कुंडी टूटी मिली। अंदर जाकर देखने पर अलमारी खुली थी, कपड़े बिखरे पड़े थे और बक्सा टूटा हुआ था।

अलमारी में रखे कीमती जेवरात, जिनमें एक सोने की जंजीर, जेंट्स अंगूठी, झुमकी, कंधनी और पायल शामिल थे तथा लगभग 50 हजार रुपये नकद गायब मिले। परिवार के सदस्यों ने बताया कि महिला इटावा जाने से पहले घर के सामने रहने वाले चाचा लुखाई को सूचित कर गई थी। उनके पति अहमदाबाद में सिलाई का काम करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक राशिद हुसैन पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

उन्होंने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। चोरी की खबर फैलते ही आसपास के लोग भी मौके पर जमा हो गए। पुलिस ने संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है और मामले की विस्तृत जांच की है।

फफूंद माइटी लाइंस 55 रन से जीतकर फाइनल में पहुंचा

दिबियापुर। सिटी हॉक्स क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित सिटी हॉक्स क्रिकेट लीग सीजन-3 के रोमांचक एलिमिनेटर मुकाबले में फफूंद माइटी लाइंस ने शानदार खेल दिखाते हुए बीसीसीए को 55 रन से हराकर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। नगर के मंडी समिति मैदान में हुआ ये मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। आज फाइनल मुकाबला रितिका सुपर जेंट्स और फफूंद माइटी लाइंस के बीच खेला जाएगा।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फफूंद माइटी लाइंस ने 15 ओवर में 9 विकेट पर 156 रन का मजबूत स्कोर बनाया। टीम के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में रन बटोरे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बीसीसीए की टीम दबाव में दिखी और 12 ओवर में 101 रन पर ऑल आउट हो गई। माइटी लाइंस के गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ के साथ बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाया। मैन ऑफ द मैच रहे दीपू राजपूत, जिन्होंने 65 रनों की तूफानी पारी खेली और 2 महत्वपूर्ण विकेट भी चटकाए।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

रास्ते में हुआ प्रसव, जच्चा बच्चा उच्च संस्थान रेफर

संवाददाता, रुरुगंज

अमृत विचार। कुदरकोट थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक महिला का प्रसव रास्ते में हो गया। पति व लोगों की मदद से प्रसव के बाद महिला को एरवाकटरा सीएचसी में भर्ती करवाया गया। यहां से जच्चा-बच्चा दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद उच्च संस्थान के लिए रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार, बरौना कलां निवासी राहुल कुमार अपनी पत्नी और साले शिवम के साथ अपनी ससुराल पाता से अपने गांव बरौना कलां जा रहे थे। कुदरकोट-एरवाकटरा मार्ग पर गपकापुर गांव के पास महिला को अचानक तेज प्रसव पीड़ा हुई। मजबूरन राहुल ने सड़क किनारे बाइक रोक दी। कुछ ही देर में रानी ने सड़क पर एक नवजात बच्ची को जन्म दिया। इस दौरान महिला को अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा, जिससे राहुल घबरा गया। वहां से गुजर रहे राहगीरों और ग्रामीणों ने बेबस पति और बेसुध पत्नी की हालत देखकर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 108 पर कॉल किया। एम्बुलेंस पहुंचने पर, महिला और नवजात को उसमें बैठाकर तत्काल एरवाकटरा सीएससी ले जाया गया। एरवाकटरा सीएससी अधीक्षक मोहित यादव ने बताया कि बच्ची प्रीमेच्योर है और उसका वजन कम है। इसी कारण जच्चा-बच्चा दोनों को आगे के इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मातम

अछल्दा। थाना क्षेत्र के नगला ताल निवासी 27 वर्षीय सहदेव सिंह पुत्र बाबूराम ने सोमवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि घटना करीब शाम 7 बजे की है, जब परिजनों ने उसे घर के बरामदे में टीन की शेड में दुपट्टे से लटका देखा। अचानक हुई घटना से घर में कोहराम मच गया और पूरे गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामवासियों के अनुसार सहदेव सोमवार को अपनी पत्नी को लेने ससुराल पंडपुर, थाना सहार जिला औरैया गया था, लेकिन वह वापस नहीं आई। शाम को सहदेव के फंदे पर लटकने की खबर फैलते ही क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। बताया जा रहा है कि सहदेव सात भाइयों में छठे नंबर पर था और लगभग एक वर्ष पहले अलग घर में रहने लगा था। जानकारी के मुताबिक सहदेव शनिवार को ही दिल्ली से नौकरी से लौटकर गांव आया था। मृतक के परिवार में 2 वर्षीय बेटा कुनाल और 4 वर्षीय बेटी सृष्टि है। घटना के बाद पत्नी सीमा और मां मुन्नी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

रास्ते में ट्रक खराब होने से कंचौसी रेलवे क्रॉसिंग पर लगा जाम, यात्री हुए परेशान

संवाददाता, कंचौसी

- तीन घंटे तक फंसे रहे वाहन रेंग-रेंग कर निकले

अमृत विचार। कंचौसी रेलवे स्टेशन की पूर्वी क्रॉसिंग पर वाहनों का जाम दुश्वारियों का कारण बन रहा है। सोमवार को तीन घंटे से अधिक समय तक वाहन सवार परेशान नजर आए। अप व डाउन में आने वाली ट्रेनों का संचालन सुचारू रखने के लिए गेटमैन और आरपीएफ फफूंद की पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। बमुश्किल यातायात सामान्य हो सका था।

लहरापुर मार्ग के रास्ते छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन कंचौसी, दिबियापुर, औरैया समेत रसूलाबाद कानपुर देहात व कानपुर की ओर होता है। यह मार्ग सबसे ज्यादा व्यस्त रहता है। ओवरब्रिज निर्माण न होने के कारण यहां अक्सर जाम की समस्या बनती है। जिसका असर ट्रेनों के संचालन पर देखने को मिलता है। सोमवार सुबह 9 बजे के बाद लहरापुर से औरैया की ओर जा रहा एक ट्रक वायरिंग में तकनीकी कमी आने से क्रॉसिंग पर खड़ा हो गया फिर स्टार्ट नहीं हो सका जिससे देखते ही देखते क्रासिंग पर सड़क के दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। सुबह 11 बजे के बाद मेकेनिक के आने के बाद ट्रक स्टार्ट हो सका, मौके पर पहुंची फफूंद आरपीएफ ने क्रॉसिंग खुलने के बाद एक एक ट्रक को निकलवाया, वही ट्रैक पर ट्रक फंस गए जिससे डीएफसी ट्रैक पर कानपुर से इटावा की ओर जा रही मालगाड़ी आउटर पर 15 मिनट तक खड़ी रही, यातायात दोपहर 12 बजे के बाद सामान्य हो सका। इस संबंध में स्टेशन अधीक्षक दरबारी कुमार ने बताया एक ट्रक क्रॉसिंग पर खराब होने से जाम की स्थिति बनी रही।

चेन पुलिंग होने से 8 मिनट क्रॉसिंग पर खड़ी रही ट्रेन

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

स्टेशन पर खड़ी पुरी एक्सप्रेस ट्रेन। अमृत विचार

अमृत विचार। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर रविवार रात पूरी एक्सप्रेस ट्रेन में चेन पुलिंग होने से क्रॉसिंग के बीचों बीच खड़ी हुई। रात 9:14 बजे ट्रेन इटावा-कानपुर रूट पर 8 मिनट तक खड़ी रही, जिससे रेल संचालन प्रभावित हुआ।

चेन पुलिंग होते ही ट्रेन एक क्रॉसिंग पर डाउन ट्रैक पर रुक गई। इससे पैदल राहगीरों को फाटक पार करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच भी हलचल मच गई। ट्रेन की चेन पुलिंग करने वाले कुछ यात्री मौके से भागने का प्रयास करने लगे। सूचना मिलने पर आरपीएफ टीम ने तुरंत कार्रवाई की। आरपीएफ के सतेंद्र कुमार और उनकी टीम ने मौके पर पहुंचकर दो संदिग्ध यात्रियों को पकड़ लिया। पकड़े गए संदिग्ध यात्रियों से पूछताछ जारी है। ट्रेन करीब 8 मिनट तक खड़ी रहने के बाद, स्थिति सामान्य होने पर रात 9:22 बजे अपने गंतव्य की ओर रवाना कर दी गई। आरपीएफ प्रभारी नंद किशोर यादव ने बताया मामले की जानकारी नहीं है।

फाटक पर जाम से वंदे भारत एक्सप्रेस 5 मिनट रुकी

स्टेशन पर खड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस।

अछल्दा। सोमवार सुबह दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर रेलवे फाटक पर भारी जाम लग गया। इस जाम के कारण वंदे भारत एक्सप्रेस आउटर पर करीब 10 :39 बजे से लगभग 5 मिनट तक खड़ी रही। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में साप्ताहिक बाजार और सहालग (शादियों का मौसम) के कारण फाटक पर अचानक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इस जाम में एक एंबुलेंस भी फंसी रही। स्थिति बिगड़ती देख, आरपीएफ के सतेंद्र कुमार ने तत्काल हस्तक्षेप किया और फाटक को बंद कराया। इसके बाद जाम नियंत्रित हुआ और वंदे भारत एक्सप्रेस को इटावा की ओर रवाना किया जा सका। यह जाम फाटक से लेकर हरीगंज बाजार और दूसरी ओर सराय बाजार तक फैल गया। कुल मिलाकर लगभग 30 मिनट तक वाहनों को रेंग-रेंग कर निकलना पड़ा।

कार्यक्रम | यातायात माह के समापन समारोह में छात्र-छात्राओं को डीएम ने किया संबोधित

यातायात नियमों की जानकारी कर आमजन को भी करें जागरूक

कार्यालय संवाददाता, औरैया

जागरूकता अभियान के बाद प्रमाण पत्र देते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। हम सब यह सुनिश्चित करें कि वाहन नशे की हालत में न चलाएं और न किसी अपने को चलाने दें। इस लिए स्वयं जागरूक होकर यातायात नियमों से आमजन को भी अवगत कराएं।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने शैमफोर्ड विद्यालय में आयोजित यातायात माह के समापन समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राओं आदि को जागरूक करते हुए कहा कि आप सभी देश के भविष्य हैं और आपके कंधों पर देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है इसलिए सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली क्षति से बचने के लिए आप अपने जिम्मेदारी का निर्वहन कर यातायात नियमों का स्वयं अनुपालन करें और दूसरों को भी अवगत कराये। उन्होंने कहा कि हम सभी अपनी अपनी जिम्मेदारी का भली-भांति से निर्वहन कर आवागमन के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में बहुत बड़ी भूमिका निभा सकते हैं यदि यातायात नियमों से अपनों के साथ-साथ दूसरों को भी इसकी जानकारी दें और वाहन चलाते समय किसी भी दशा में नियमों को न तोड़ें तभी ऐसे कार्यक्रमों की उद्देश्य पूर्ण सुनिश्चित हो सकेगी।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने कहा कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का हर संभव प्रयास करते हुए अनुपालन करना चाहिए जिससे अपना/ दूसरों का अमूल्य जीवन बचता है और परिवार खुशहाल रहता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों द्वारा सड़क सुरक्षा शपथ लेते हुए प्रतिज्ञा की कि दो पहिया वाहन चलाते समय स्वयं व पीछे बैठे व्यक्ति को बीआईएस मानक वाले हेलमेट अवश्य पहनेंगे व पहनाएंगे। चार पहिया वाहन चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट लगाएंगे । लेन ड्राइविंग के नियमों का पालन करेंगे। तेज रफ्तार से वाहन नहीं चलाएंगे। गलत दिशा में वाहन नहीं चलाएंगे। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करेंगे। शराब पीकर या नशें की हालत में वाहन नहीं चलाएंगे। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद हेतु सदैव तत्पर रहेंगे। घर पर बच्चे इंतजार कर रहे हैं, अतः मैं सदैव सुरक्षित व सावधानी से वाहन चलाऊंगा। इस अवसर पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी नानक चन्द्र शर्मा ने सड़क सुरक्षा माह में यातायात नियमों के पालन हेतु किए गए जागरूकता कार्यक्रमों के संबंध में अवगत कराया तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर की गयी कार्यवाही की जानकारी दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने शिक्षण कार्य में अच्छा कार्य करने वाले शिक्षक अवनीश गुप्ता, मनीष गुप्ता, शिखा मिश्रा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रभारी उप निरीक्षक यातायात देवेन्द्र कुमार,संस्थापक देवेन्द्र गुप्ता,प्रधानाचार्य अंजनी कुमार सहित संबंधित अध्यापक-अध्यापिकाएं एवं छात्र- छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

रैन बसेरों में आवश्यक व्यवस्थाएं करें

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- एसआईआर के तहत मतदाताओं के सत्यापन के बाद फीडिंग करें
- जिलाधिकारी ने ऑनलाइन बैठक कर मातहतों को दिए निर्देश

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में ऑनलाइन बैठक के दौरान कार्यों की समीक्षा करते हुए शासन की प्राथमिकता को दृष्टिगत रखते हुए उप जिलाधिकारी सहित सभी संबंधितों को निर्देशित किया कि सर्दी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए रैन बसेरों में समय रहते सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कराएं। इससे किसी राहगीर या गरीब को खुले में न सोना पड़े साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि यदि कहीं कोई किसी कारणवश खुले में सो रहा है तो तत्काल रैन बसेरा में पहुंचाया जाए। यह विशेष ध्यान रखा जाए कि कोई भी सर्दी के मौसम में खुले में सोने को मजबूर न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए की बढ़ती सर्दी में अलाव जलाए जाने हेतु अभी से स्थान चिह्नित करने को कहा, जिससे आवश्यकता पड़ने पर चयनित स्थलों पर अलाव जलवा दिए जाएं। उन्होंने उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि बेसहारा की सूची तैयार कर लें जिससे बढ़ती सर्दी के समय उनके बचाव हेतु उनको कंबल दिया जा सके, जिससे वह सर्दी से बच सकें। जिलाधिकारी ने प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार को ग्रामीण स्तर पर आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री आरोग्य शिविरों में विभागीय अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि शिविरों में ग्राम व विकासखंड स्तर के अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के साथ-साथ स्वयं भी पहुंचकर व्यवस्थाएं देखें और शिविर में आने वाले जरूरतमंदों की समस्याओं का निस्तारण/ जरूरतमंदों को पात्रता के अनुरूप योजना से लाभान्वित कराया जाए। जरूरतमंद को लाभ मिल सके और शासन द्वारा संचालित योजनाओं की उद्देश्य पूर्ति भी हो।

एसआईआर कार्य की करते रहें समीक्षा

समीक्षा बैठक के दौरान डीएम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित को निर्देशित किया कि कार्य को पूर्ण किए जाने हेतु सौंपी गई जिम्मेदारी का ईमानदारी से सतत निर्वहन करें, जिससे सही व समय से कार्य पूर्ण हो। उन्होंने पंचायत निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण 2025 हेतु संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन के उपरांत सभी संबंधित फीडिंग का कार्य पूर्ण कराएं। डीएम ने गोआश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों को सर्दी से बचाव हेतु की गई व्यवस्थाओं का सतत निरीक्षण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

न्यूज ब्रीफ

हरविलास दोहरे बने प्रबंधक

इटावा। डॉ. भीमराव आंबेडकर बौद्ध महाविद्यालय नगला खादर इटावा के प्राचार्य डॉ. मुकेश सिंह ने बताया कि डॉ. आंबेडकर शिक्षा समिति की आम सभा की बैठक में संरक्षिका अलख नंदा दयाल आईएएस प्रमुख सचिव व संरक्षक रामेश्वर दयाल पूर्व आईपीएस की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी का चयन सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता हरविलास दोहरे को प्रबंधक चुना गया है। नई कार्यकारिणी में हर्ष वर्धन दयाल अध्यक्ष, हरविलास सिंह महासचिव/प्रबंधक, होतीलाल, एस. हरेंद्र व समीर कुमार दोहरे उपाध्यक्ष, अशोक कुमार दोहरे सचिव संगठन, पूर्णेन्द्र प्रताप सिंह सचिव, अमर सिंह कोषाध्यक्ष नियुक्त हुए। इसके अलावा आशाराम प्रधान, सतीश चंद्र, प्रकाश रतन गौतम, प्रमोद कुमार, प्रतिपाल सिंह, सुमन, डॉ. राजीव कुमार सदस्य चुने गए।

कलश यात्रा के साथ भगवत कथा शुरू

महेवा। स्थानीय कस्बा महेवा में नहर कोठी के सामने श्रीमदभागवत कथा की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। कथा वाचिका विदुषी शास्त्री साधना बघेल ने विधि विधान एवं गणेश पूजन के साथ शुरू कराया। कलश यात्रा पूरे कस्बे में एवं बस्ती महेवा के सभी मंदिरों का भ्रमण करती हुई वापस कथा स्थल पर पहुंची, जहां प्रथम दिवस कथा वाचक साधना शास्त्री ने नारद द्वारा भगवान से ज्ञान प्राप्ति की कथा का वर्णन किया। कथा के आयोजन कर्ता श्रीकृष्ण पाल, परीक्षित के रूप में सुधीर पाल एवं उनकी धर्म पत्नी शशि पाल पोथी सिर पर धारण किए हुए आगे आगे चल रहे थे। वहीं कथा वाचक शास्त्री साधना बघेल रथ पर सवार थीं। कलश यात्रा में समाज सेवी अरविंद पाल, विनोद पाल, बाबूराम पाल, बसंत सिंह चौहान, संजय पाल, मिथुन पांडेय, राधे पाल, पंकज पाल, ब्रजेश पाल, रमेश पाल, तेज प्रताप पाल सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

कैंटर पलटने से एक युवक घायल

इटावा। थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत बिरारी गांव के समीप कैंटर पलटने से एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत बिरारी गांव के समीप गाय को बचाने के प्रयास में कैंटर पलट गया, जिससे विनय कुमार पुत्र वीरेंद्र सिंह निवासी पृथ्वीपुर पिलुआ जनपद एटा गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

यातायात माह का हुआ समापन

इटावा। एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने रिजर्व पुलिस लाइन में यातायात माह नवम्बर 2025 के समापन कार्यक्रम में पहुंचकर दीप प्रज्जवलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। यातायात माह के दौरान जन-जागरुकता कार्यक्रम एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया तथा रिक्रूट महिला आरक्षियों ने यातायात से सम्बन्धित रंगारंग कार्यक्रम में भाग लेने पर एसएसपी ने प्रशंसा की। समापन समारोह कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभयनाथ त्रिपाठी सहित समस्त क्षेत्राधिकारी एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

हर्ष फायरिंग में युवक को लगी गोली

घायल युवक भर्ती, गोली चलाने वाला बीएसएफ का जवान किया गया गिरफ्तार

संवाददाता ताखा इटावा

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी बीएसएफ का जवान। अमृत विचार

अमृत विचार । सरकार की सख्त हिदायतों के बावजूद शादियों में हर्ष फायरिंग का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीती रात ताखा के दर्शन सिंह वाटिका में बारात चढ़ते समय एक बीएसएफ जवान द्वारा की गई हर्ष फयरिंग में सामने खड़े युवक के पेट में गोली लग गई। गोली युवक के पेट को चीरते हुए रीढ़ की हड्डी में फंस गई। घटना के बाद बारात में हड़कंप मच गया और आरोपी जवान मौके से फरार हो गया। पुलिस ने देर रात दबिश देकर आरोपी फौजी को पिस्टल सहित गिरफ्तार कर लिया है।

रविवार को ऊसराहार निवासी किशनपाल कश्यप के पुत्र सुमित की बारात ताखा कस्बा के दर्शन सिंह वाटिका के लिए निकली थी। बारात में दूल्हे का दोस्त बीएसएफ का जवान शेष कुमार यादव अपने एक साथी के साथ आया था। साथी युवक के पास राइफल और पिस्टल थी। जानकारी के अनुसार शेष कुमार बारात निकलने से लेकर बारात चढ़ने तक कई फायर करता रहा, लेकिन किसी ने उसे रोकने की हिम्मत नहीं दिखाई।

रात करीब 11 बजे बारात वाटिका पहुंची और द्वारचार की तैयारी चल रही थी। इस दौरान नशे शराब के नशे में शेष कुमार कार पर चढ़ गया और नोटों की बौछार करते हुए अचानक पिस्टल निकाली और वह हाथ ऊपर उठाकर फायर करता इससे पहले ही पिस्टल का ट्रिगर दब गया और गोली चल गई। गोली सीधे नीचे सड़क पर खड़े सूर्यकांत गुप्ता उर्फ पुष्कर (27) निवासी नगरिया खनाबांध को जा लगी। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। इससे बारात में हड़पं मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दूल्हे से पूछताछ के आधार पर आरोपी जवान की पहचान की। थानाध्यक्ष बलराज भाटी दूल्हे को साथ लेकर इटावा पहुंचे, जहां मंडी गेट स्थित उसके घर से शेष कुमार को पिस्टल सहित गिरफ्तार कर लिया। पिस्टल का लाइसेंस जम्मू-कश्मीर का पाया गया।

घायल सूर्यकांत को पहले इटावा ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने आगरा रेफर कर दिया। परिजनों ने उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घायल युवक के पिता अवधेश गुप्ता ने बताया कि गोली सीधे उनके पुत्र के पेट के पास लगी जो रीढ़ की हड्डी में फंसी हुई है। एसएसपी ब्रजेश कुमार ने बताया कि आरोपी बीएसएफ जवान शेष कुमार यादव निवासी बलीपुर थाना नंगला खंगर, जनपद फिरोजाबाद है, जो वर्तमान में सब्जी मंडी इटावा में रहता है। घटना की सूचना उसके विभाग को भेजी जा रही है और लाइसेंस निरस्तीकरण के साथ कार्यवाही के सूचना दी है।

कब्जे के विवाद में जमकर हुई मारपीट

बसरेहर । कस्बा बसरेहर में इटावा–बरेली हाईवे पर स्थित कल्ला बाग तिराहे पर मोहब्बतपुर मौजा की जमीन पर कब्जे को लेकर रविवार दोपहर बवाल हो गया। आरोप है कि बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने जमीन पर जबरन बाड़ लगाने का प्रयास किया। विरोध करने पर पीड़ित संजय समेत दूसरे काश्तकार से मारपीट कर उन्हें मौके से भगा दिया गया।

पीड़ित संजय ने बताया कि मोहब्बतपुर मौजा गाटा संख्या 49 व 50 उसकी तथा राममनोहर की जमीन है। रविवार को दो दर्जन से अधिक लोग इटावा व आरसीसी पटिया और सीमेंट के खंभे लेकर आए। बिना किसी नाप-तौल या राजस्व टीम की मौजूदगी के उसकी जमीन पर बाउंड्रीवॉल लगाने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट कर मौके से भगा दिया। आरोप है कि इस दौरान महिलाओं के साथ अभद्रता व गाली-गलौज भी की गई। घटना की जानकारी होते ही पहुंची पुलिस ने किसी तरह दोनों पक्षों को शांत कर निर्माण कार्य रुकवा दिया।

वीडीओ ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

काली पट्टी बांधकर विरोध जताते वीडीओ। अमृत विचार

संवाददाता महेवा इटावा

अमृत विचार । ग्राम विकास एवं ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के आह्वान पर ब्लॉक महेवा में तैनात ग्राम विकास एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों ने ब्लॉक मुख्यालय महेवा पर आकर काली पट्टी बांधकर कार्य किया। वहीं संघ के आह्वान पर वे एक से चार दिसंबर तक काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे वहीं पांच दिसंबर को ब्लॉक मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करके खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन देंगे।

ग्राम विकास एवं ग्राम पंचायत अधिकारी संघ ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध सहित ग्राम विभागीय कार्यों को सौंप दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। इसी के चलते संघ ने एक दिसंबर से लेकर निरंतर विरोध की योजना बनाई है। विरोध प्रदर्शन के दौरान अजय कुमार, नीलेश कुमार, अशोक कुमार यादव, इंद्रप्रताप सिंह, अवधेश गौतम, गौरव यादव, अशोक सिंह परिहार, राजेश यादव, अखिलेश कुमार, रवि यादव, शिववीर सिंह, बब्लू राजा रहे।

• ऑनलाइन हाजिरी का कर रहे हैं विरोध

42 हजार विद्यार्थियों के लिए बनाए गए 61 परीक्षा केंद्र

यूपी बोर्ड परीक्षा

• पिछले साल के 24 परीक्षा केंद्र हटाए गये और 16 नये परीक्षा केंद्र बनाए गये

• प्रशासन ने चार दिसंबर तक मांगी आपत्तियां, बाद में जारी होगी परीक्षा केंद्रों की फाइनल सूची

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा को लेकर ऑनलाइन परीक्षा केंद्र बनाए जाने का काम पूरा हो गया है। इस साल जिले में हाई स्कूल और इंटर के 42039 परीक्षार्थियों के लिए 61 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। पिछले साल जिन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया था उनमें से 24 विद्यालयों को इस साल परीक्षा केंद्र नहीं बनाया गया है। 16 नये विद्यालय परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

ऑनलाइन परीक्षा केंद्र बनाए जाने के बाद यह सूची जिला मुख्यालय को भेज दी गई है। यूपी बोर्ड की परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र बनाए जाने का ऑनलाइन काम बोर्ड की ओर से होता है। इसके लिए सभी विद्यालय अपना डाटा ऑनलाइन फीड करते हैं, इसके बाद यूपी बोर्ड से परीक्षा केंद्र बनाए जाते हैं। इस साल 61 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र की सूची में शामिल किया गया है। इनमें से 13 राजकीय विद्यालय, 32 सहायता प्राप्त विद्यालय और 16 वित्त विहीन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। आवश्यकता के अनुसार कुछ नए विद्यालयों को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

यूपी बोर्ड से यह सूची जिला मुख्यालय भेज दी गई है और जिला मुख्यालय पर इसे जारी कर दिया गया है। अब इस पर आपत्तियां मांगी गई है यह आपत्तियां 4 दिसंबर तक दी जानी है। जिन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनना है या जिन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है और वे परीक्षा केंद्र नहीं बनना चाहते वे आपत्ति दे सकते हैं। इसके साथ ही दूरी को लेकर भी आपत्ति की जा सकती है। उसके बाद इन आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा और निस्तारण के बाद अंतिम रूप से परीक्षा केंद्र निर्धारित किए जाएंगे। इन आपत्तियों का निस्तारण जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली जिला स्तरीय समिति करेगी। सभी आपत्तियां आ जाने के बाद इस समिति की बैठक होगी और फिर विचार विमर्श के बाद परीक्षा केंद्र फाइनल किए जाएंगे। पिछले कई दिनों से इस बात का इंतजार किया जा रहा था कि परीक्षा केंद्रों की सूची आ जाए और अब यह परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी गई है।

युवती ने फांसी लगाकर दी जान

इटावा । थाना क्षेत्र के पालीघार अड्डा निवासी ब्रह्मसूरत दोहरे की 22 वर्षीय बेटी रोशनी ने रविवार की रात को कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सोमवार की सुबह जब परिजन जागे तो रोशनी को फंदे से लटकता देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गयी। परिजन उसे एंबुलेंस से सीएचसी राजपुर ले गए, जहां डॉ. अभिषेक मौर्या ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर नवागंतुक पुलिस क्षेत्राधिकारी चकरनगर अवनीश कुमार और प्रभारी निरीक्षक बलराम मिश्रा अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। कुछ ही देर बाद जिले से फॉरेंसिक टीम भी पहुंची। अस्पताल में मृतका के शरीर पर मिले निशानों की जांच के बाद टीम पालीघार गांव स्थित उसके घर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर वापस जिला मुख्यालय लौट गयी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विस्तृत जांच में जुटी है।

दुकानदारों का धरना जारी

कार्यालय संवाददाता इटावा

नुमाइश में धरना देते व्यापारी।

• नुमाइश में दुकानें आवंटित न होने से दुकानदारों में रोष

अमृत विचार । नुमाइश के उद्घाटन की तिथि आगामी 7 दिसंबर घोषित कर दी गई है परंतु अभी तक दुकानदारों को नुमाइश के अन्दर घुसने नहीं दिया जा रहा है। नुमाइश में बाहर से आये व्यापारी और स्थानीय व्यापारी परेशान हैं वह लगातार तीन दिन से नुमाइश परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना दे रहे हैं। लेकिन नुमाइश कमेटी व प्रशासन की ओर से कोई सुनवाई नहीं की जा रही है, जिससे दुकानदारों में रोष व्याप्त है।

खेल तमाशे के ठेकेदार टीपू यादव ने बताया कि नुमाइश 115 साल पुरानी है अभी तक ऐसा कभी नहीं हुआ कि दुकानदारों को दुकान लगाने से मना किया गया हो। उन्होंने बताया कि दुकानदारों को अपनी दुकानें लगाने के लिए, एक सप्ताह से अधिक का समय लग जाता है। रविवार को नुमाइश का उद्घाटन है पांच दिन शेष बचे हैं लेकिन अभी तक दुकानदारों को घुसने ही नहीं दिया जा रहा है। दुकानदारों का सारा सामान बाहर पड़ा है। बाहर से आए दुकानदार तीन दिनों से धरने पर बैठे हैं। व्यापारियों का कहना है कि वह पिछले सालों की तरह नुमाइश समाप्त होने के बाद अपनी दुकानों को आवंटन पैसा जमा करके अगलीसाल के लिए करा लेते हैं। उन्हें कभी भी दुकानें लगाने से नहीं रोका गया। जो दुकानें उन्हें आवंटित हैं नुमाइश शुरू होने से पहले ही लगाना शुरू कर देते हैं। लेकिन इस बार उन्हें नुमाइश में घुसने नहीं दिया जा रहा है। जबकि उनके पास आवंटन की रसीद है।

दुकानदार के अध्यक्ष विजय रैना ने बताया कि इस संबंध में जिला प्रशासन और नुमाइश कमेटी के सामने अपना पक्ष रखा लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला। रविवार को एडीएम ने नुमाइश में पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। दुकानदारों का कहना है कि यदि जल्द कोई समाधान नहीं निकला तो मेला व्यापारी नुमाइश का बहिष्कार कर देंगे। धरना देने वालों में राजीव खन्ना, श्याम खन्ना, टीपू यादव सुंदर अग्रवाल आदि लोग रहे।

लूट का सामान बरामद होने पर एक को सात साल की सजा

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावित क्षेत्र अधिनियम आलोक कुमार श्रीवास्तव ने पांच साल पुराने लूट की वारदातों को अंजाम देने में गिरफ्तार होने व चोरी का सामान बरामद होने के एक मामले की सुनवाई करते हुए एक आरोपी को दोषी पाया। दोषी पाए जाने पर कोर्ट ने उसे सात साल की सजा सुनाई।

विशेष लोक अभियोजक गौरव दीक्षित ने बताया कि छह मई 2020को भरथना थाना पुलिस जब गश्त पर थी तभी सूचना मिली कि पागल बाबा मंदिर के पास बने एक कमरे के पास कुछ लोग लूट की योजना बना रहे हैं। इस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विपिन पुत्र रमेश चंद्र, मोहन पुत्र राकेश व ज्ञान सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। पकड़े गए लोगों के पास से तमंचा कारतूस चाकू के अलावा लूट का सामान बरामद हुआ था। पूछताछ में पकड़े गए लोगों ने बताया था कि उक्त सामान जिसमें जेवर मोबाइल शामिल थे बृजराज नगर भरथना के एक घर से 20 अप्रैल 2020 को चोरी किए थे। पुलिस ने पकड़े गए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। छानबीन के बाद पुलिस ने सभी के खिलाफ आरोपपत्र कोर्ट में पेश कर दिए थे। सुनवाई के दौरान मोहन ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जिससे उसकी पत्रावली अलग कर दी गई। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावित क्षेत्र अधिनियम की कोर्ट में हुई। विशेष लोक अभियोजक की ओर से पुलिस द्वारा पेश किए साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने मोहन को दोषी पाया और उसे सात साल की सजा व चार हजार रुपया से दंडित किया।

पुलिस मुठभेड़ में बदमाश को लगी गोली

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

अमृत विचार । सोमवार देर शाम सिरहोल पुल के पास पुलिस व एक शातिर लुटेरे के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गई। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाश के पास से तमंचा कारतूस के अलावा लूट का सामान बरामद हुआ है।

सीओ आयुषी सिंह ने बताया कि 14 अक्टूबर 2025 को सागर होटल के सामने मलपुरा गैस एजेंसी के पास एक वृद्ध महिला सीता देवी जो अपने मायके सीपुरा जा रही थी तभी उक्त महिला से सोने की चेन और दो सोने के बाले लूटने की घटना हुई थी। इस संबंध में महिला ने मुकदमा दर्ज कराया था। घटना के बाद से ही पुलिस लगातार बदमाशों की तलाश में जुटी हुई थी। सोमवार चेकिंग के दौरान पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि एक असलाहबंद बदमाश कचौरा पुल की तरफ से सिरहोल पुल की ओर आ रहा है। सूचना पर थानाध्यक्ष कमल भाटी के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय हुई और पुलिस टीम ने सिरहोल पुल पर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार तेज रफ्तार में आता दिखाई दिया। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर उसने बाइक मोड़कर नगला झौला की तरफ भागने का प्रयास किया, लेकिन तेज गति के कारण उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर पड़ी। गिरते ही आरोपी अमजद पुत्र गुलफाम निवासी नौरंगाबाद जिला कानपुर देहात ने पुलिस टीम पर फायर किया। आत्मरक्षा में पुलिस ने दो राउंड फायर किए, जिसमें एक गोली बदमाश के पैर में लग गई। घायल हालत में उसे गिरफ्तार कर सरकारी अस्पताल भिजवाया गया। बदमाश पर आधा दर्जन से ज्यादा लूट और टप्पेबाजी के मुकदमे दर्ज हैं।

घायल बदमाश को ले जाती पुलिस। अमृत विचार

अभियुक्त के कब्जे से घटना में लूटी गई पीली धातु की चेन, दो बाले, 2020 रुपये नकद, एक 315 बोर का देसी तमंचा बरामद हुआ है।

चाकू मारने के आरोपी दूल्हा और उसके पिता गये जेल

संवाददाता बकेवर इटावा

अमृत विचार । थाना क्षेत्र के गांव कर्बा खेड़ा स्थित एक गेस्ट हाउस में शादी समारोह में गर्म भोजन न मिलने से नाराज दूल्हा द्वारा एक युवक के चाकू मारने के मामले में पुलिस ने दूल्हा और उसके पिता को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उनको जेल भेज दिया गया।

इकदिल थाना क्षेत्र के ग्राम मुरैथा निवासी सुभाषचंद्र ने बकेवर थाने में दिये पत्र देते हुए बताया है कि उसने अपनी पुत्री की शादी ऊसराहार थाना क्षेत्र के ग्राम हविलिया निवासी चंद्र भान के पुत्र से तय हुई थी। 28नवम्बर को बारात नेशनल हाईवे परशुपुरा के पास स्थित संजय पैलेस गेस्टहाउस में शाम को पहुंची कुछ समय बाद शादी के कार्यक्रम चलने लगे और जय माला भी पड़ गई। उसी समय दूल्हे के भाई और पिता ने बरातियों के लिये गर्म खाना की मांग करने लगे। तभी बारात के लोगों और घरात पक्ष के लोगों में गाली-गलौज होने लगी। विवाद में दूल्हे ने अपने हाथ में लिए कटार से अपने मौसेरे साले विक्की के पेट में वार करगंभीर रूप से घायल कर दिया था। जिसका मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश में छापामारी शुरू की थी सोमवार को लखना चौकी इंचार्ज स्वदेश कुमार को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि घटना का आरोपी दूल्हा आकाश बाबू और उसका पिता चन्द्र भान निवासी हवेलियां बकौली थाना ऊसराहार इटावा किसी से मिलने के लिए बिजौली आए हैं जिसपर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया।

धर्म - अध्यात्म

पीलाघाट पर आरती के साथ-साथ सुंदरकांड का भी हुआ आयोजन

मोक्षदा एकादशी पर मां यमुना की आरती में उमड़ा जनसमुदाय

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार । भगवान वेद व्यास की पावन भूमि कालपी धाम के पीलाघाट पर मोक्षदा एकादशी व गीता जयंती के अवसर पर मां प्रसादम सेवा न्यास व सामाजिक संस्था एवं तिरंगा अगरबत्ती समूह द्वारा सुंदर काण्ड व मां यमुना की महा आरती का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

सोमवार को पवित्र यमुना नदी स्थित पीलाघाट पर मोक्षदायिनी एकादशी व गीता जयंती के पर्व मां वनखण्डी देवी शक्तिपीठ के पीठाधीश्वर जमुनादास महाराज व कृष्ण दास महाराज पनकी मन्दिर कानपुर, अयोध्या के राम दिनेशाचार्य, रावतपुरा सरकार, सनत कुमार, धाम वृंदावन ऋषभ देव दास, साध्वी हर्षा रिछारिया समेत बड़ी संख्या में संत समाज व आम जनमानस की मौजूदगी में सर्वेश शर्मा व एसपी सिंह महेवा द्वारा दिव्य एवं भव्य सुन्दरकाण्ड का आयोजन किया गया। शाम 5 बजे अलौकिक तरीके से मां यमुना की भव्य आरती की गई। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, मनीष महाराज, नरेंद्र शर्मा तिरंगा अगरबत्ती, रविन्द्र अवस्थी महाराज, शिव बालक सिंह यादव, राजू पाठक, अरविन्द सोनी, धर्मेन्द्र चौहान, अनिल आचार्य, देवेन्द्र गुप्ता, कृष्ण पाल सिंह, शिवम महाराज, अमरीश अग्रवाल सभासद, कोमल सिंह, गिरजाकांत आचार्य, नीतू गुप्ता, राम सिंह संचौलिया, विजय सिंह ऊसरगांव, राघवेंद्र सिंह जादौन, आशुतोष मिश्रा समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

यमुना आरती के दौरान मौजूद साधु संत व अन्य अतिथि। अमृत विचार

यमुना जी की आरती करते श्रद्धालु। अमृत विचार

क्षेत्रीय किसानों की ही फसल खरीदें

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार । क्रय केंद्र प्रभारी की मनमानी की शिकायतों के बाद सोमवार को नायब तहसीलदार ने निरीक्षण किया और प्रभारी को गड़बड़ी न करने की नसीहत देकर सिर्फ क्षेत्रीय किसानों से ही फसलों की खरीद करने के निर्देश दिए।

शासन ने किसानों की आय में इजाफा करने के लिए अन्य फसलों के साथ ज्वार व बाजरा की कीमत में भी वृद्धि की और उनकी फसल खरीदने के लिए सरकारी क्रय केंद्र भी खोले हैं, जिसके तहत तहसील क्षेत्र के कालपी व कदौरा मण्डी में भी एक-एक खरीद केंद्र स्थापित किया गया है। 1 अक्टूबर से एमएसपी पर खरीद शुरू हो गई थी हालांकि फसलों में देरी होने की वजह से नवंबर के शुरुआत में ही खरीद शुरू हो सकी। लेकिन शुरू होती ही केन्द्र पर लाइन लगी है आलम यह है कि अभी भी दो दर्जन से अधिक ट्रैक्टर खड़े हैं। किसानों का आरोप है कि केंद्र पर जनपद कानपुर देहात के लोगों की आमद बढ़ गई है जो क्षेत्र में अपनी रिश्तेदारी का फायदा उठा रहे हैं जबकि छोटे और स्थानीय किसान एक सप्ताह से केंद्र के बाहर पड़े हैं लेकिन उनका नंबर नहीं आ रहा है। सोमवार को नायब तहसीलदार चन्द्र मोहन शुक्ला, कानूनगो हरेन्द्र सिंह तथा सदर लेखपाल जितेन्द्र यादव ने केंद्र पर छापेमारी की। इस दौरान उन्होंने केन्द्र प्रभारी रचिता प्रजापति से खरीद संबंधी जानकारी लेकर किसानों के दर्द सुने। केंद्र प्रभारी को बाहरी लोगों से खरीद न करने की नसीहत दी।

सड़कों की स्वीकृति पर लोगों ने जताया विधायक का आभार

कालपी । कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी के प्रयास से दो नई सड़क के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण को शासन द्वारा स्वीकृत दी गई है।

कालपी राठ मार्ग से पराशर ऋषि की जन्म भूमि पराशन गांव तक करीब 5 किलोमीटर सड़क के निर्माण के लिए 2 करोड़ 47 लाख रुपये धर्मार्थ योजना के तहत शासन ने स्वीकृत कर दिए हैं तथा करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपये शासन द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग को आवंटित किए गए हैं। वहीं करमुखा लोहर्इ मार्ग से संकट मोचन मंदिर तक करीब सवा किलोमीटर सड़क को स्वीकृत दे दी है तथा इसके लिए करीब 99 लाख रुपये स्वीकृत किए गए बाकी 45 लाख रुपये से ऊपर की धनराशी आवंटित की जा चुकी है। सड़कों की स्वीकृति पर लोगों ने विधायक का आभार जताया है।

न्यूज ब्रीफ

महोबकंठ पुलिस ने चार जुआरियों को पकड़ा

महोबा। महोबकंठ थाने की पुलिस ने 4 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। उप निरीक्षक देवीशंकर मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महोबकंठ के पास जुआ खेल रहे सुनील पुत्र भानप्रताप, आकाश पुत्र रामजीवन राजपूत, श्याम सिंह पुत्र दशरथ निवासी कनकुआ, शिवसहाय पुत्र टुट्टीलाल निवासी रजौनी को गिरफ्तार कर तलाशी में 680 रुपये और फड़ से 470 रुपये बरामद किए। बरामदगी के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया गया है।

प्राचार्य के सेवानिवृत्त होने पर दी गई विदाई

महोबा। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चरखारी के प्राचार्य आनंद गोस्वामी के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह हुआ। प्रो. उमाशंकर त्रिपाठी ने प्राचार्य का पद संभाला है। उन्होंने कहा कि प्रो. गोस्वामी ने 20 वर्ष शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रगति में योगदान दिया है। उन्होंने अपने शांत स्वभाव और मार्गदर्शन में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इस मौके पर शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उन्हें भागवत गीता, शॉल, मिठाई के साथ स्मृति चिह्न भेंट किया। समारोह के बाद प्रो. त्रिपाठी ने कालेज के नए प्राचार्य का कार्यभार ग्रहण कर निरंतर विकास और उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने की बात कही।

सैयद बाबा में मेला व दिवारी नृत्य की धूम

बिवांर (हमीरपुर)। क्षेत्र के सैयद बाबा के चबूतरा के मैदान में एकदिवसीय मेला दिवारी नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों ग्रामीण की भीड़ एकत्र रही और मेले का लुफ्त उठाया। वहीं दिवारी नृत्य कलाकारों ने अपनी कला को दिखाते हुए दर्शकों को हतप्रभ कर दिया। कस्बे के जंगल में स्थित सैय्यद बाबा का स्थान है, सोमवार को एक दिवसीय मेला व दिवारी नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों संख्या में महिला पुरुष ने बाबा की मजार में प्रसाद चढ़ाया। वहीं लंगर का आयोजन हुआ। उधर मेले में महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीदारी की। उधर मैदान में दिवारी नृत्य का आयोजन किया गया। एकत्र भीड़ मेला दिवारी नृत्य का दिन भर लुप्त उठाती रही। कार्यक्रम में ताजू खां, इशाक खां, शाहरुख, हरिओम अवस्थी, हमीद खां, मुराद अली, मलिक यादव का सहयोग रहा है।

आत्म निर्भर भारत में युवा सम्मेलन संपन्न

राठ (हमीरपुर)। भाजयुमो के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर ददरी गांव में आत्म निर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत युवा सम्मेलन हुआ। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष आकाश त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना है कि युवाओं को आत्मनिर्भर करने के लिए उनके हुनर को बढ़ाना है और निर्भर होना है। लोकल वस्तुओं को बढ़ाना है और स्वदेशी वस्तुओं को प्रयोग करना है, जिससे स्वदेशी का प्रचार प्रसार होगा। भाजपा मंडल अध्यक्ष महेन्द्र शुक्ला ने कहा कि हमें हिन्दू राष्ट्र निर्माण में योगदान करना चाहिए। जाति-पात का भेदभाव छोड़ सभी को एकजुट होना पड़ेगा। लोकल फॉर वोकल के अभियान को अपनाना चाहिए। प्राचीन सामाजिक व्यवस्था की ओर ध्यान देने का प्रयास करें। अध्यक्षता राठ ग्रामीण मंडल अध्यक्ष संगीत द्विवेदी ने की। यहां जिला मंत्री युवा भरत राजपूत, सौरभ गुप्ता, शक्ति केंद्र संयोजक प्रवेश राजपूत, बहगांव प्रधान प्रतिनिधि मानसिंह राजपूत, ददरी प्रधान भानु, सुरेश राजपूत, शिवनारायण आदि मौजूद रहे। संचालन युवा मोर्चा के जिला महामंत्री राजीव आर्य उर्फ रज्जू ने किया।

एसआईआर: दिल्ली, पंजाब से लौट रहे श्रमिक

- जल्द कार्य पूरा करने को दिन रात काम कर रहे बीएलओ
- जनपद में अभी तक 60 प्रतिशत भी पूरा नहीं हो सका कार्य

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में अभी तक 60 प्रतिशत भी कार्य पूरा नहीं हो सका है। हालांकि मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए अब दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मुंबई और गुजरात में रोजी-रोटी के लिए काम कर रहे श्रमिक अपने घर लौटकर आ रहे हैं। कामकाज छोड़कर एसआईआर फार्म भरने में जुटे हुए हैं। इसके बाद भी विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य जोर नहीं पकड़ पा रहा है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के लिए बीएलओ भारी संख्या में तैनात किए गए हैं, इसके अलावा बीएलओ के सहयोग के लिए अध्यापकों व अन्य कर्मचारियों को भी लगाया गया है। पुनरीक्षण कार्य की गति न पकड़ने का मुख्य कारण तमाम मतदाताओं के 2003 की मतदाता सूची में नाम न होने के कारण मतदाता अपने कागज तैयार करा रहे हैं, जिससे कागजात तैयार होने में समय लग रहा है। बीएलओ दिन- रात कार्य कर रहे हैं। बीएलओ ने पहले ही मतदाताओं को एसआईआर फार्म वितरित कर दिए थे, लेकिन तमाम लोगों ने अभी तक फार्म जमा नहीं किए हैं।

उडीसा सतित अन्य प्रांतों से विवाह के बाद आई महिलाओं के मतदाता सूची में नाम न होने और मायके में कोई न रहने के कारण उन्हें अब मायके की भी 2003 की मतदाता सूची नहीं मिल पा रही है। ऐसी महिला मतदाताओं के एसआईआर फार्म भरना मुसीबत बन गया है। वहीं अशिक्षा के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में एसआईआर फार्म भरने की भी दिक्कते आ रही है, लोग फार्म लेकर एक दूसरे के घरों में भरने के लिए चक्कर लगा रहे हैं, जिससे समय से फार्म नहीं भर पा रहे हैं। दूसरी तरफ गलत फार्म भरने के बाद आनलाइन करते समय बीएलओ को दिक्कत आने पर फोन करके मतदाताओं को जानकारी लेने के लिए बुला रहे हैं।

पार्टी कार्यकर्ता भरवा रहे फॉर्म: एसआईआर फार्म भरते समय किसी भी तरह की त्रुटि न हो जाए, इसके लिए सपा, बसपा, भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता शिविर में पहुंचकर बीएलओ का सहयोग कर रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा फार्म भरवाने में जुटे हैं।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं को बूथ पर जाकर एसआईआर फार्म भरवाने के निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत कार्यकर्ता शिविर में पहुंचकर ज्यादा से ज्यादा लोगों के फार्म भरवा रहे हैं। ज्यादातर अशिक्षित लोगों के फार्म भर रहे हैं।

बूथ पर एसआईआर फार्म भरवाते पार्टी के कार्यकर्ता। अमृत विचार

एसआईआर फॉर्म ने जोड़े टूटे रिश्ते

एसआईआर फार्म भरने के लिए फार्म में अब लड़की के माता-पिता का नाम के साथ एपिक नंबर भी भरा जा रहा है। युवतियां शादी के बाद ससुराल में रहने लगी हैं। तमाम युवतियों के शादी के बाद अपने माता-पिता से संबंध खराब हो गए हैं, लेकिन एसआईआर फॉर्म में माता-पिता का एपिक नंबर भी भरा जाना है, जिसके लिए अब बेटियां माता-पिता को फोन कर नम्बर पूछ रही हैं, जिससे माता-पिता से अब उनकी वर्षों बाद एसआईआर फार्म के जरिए बातचीत शुरू हो गई है और मनमुटाव भी दूर होने लगा है।

छात्र-छात्राओं ने गीत संगीत से बटोरीं तालियां

- तकनीकी शिक्षा पर फोकस कर स्टार्टअप का किया आह्वान

संवाददाता, कुलपहाड़

अमृत विचार। 'पंख देंगे उड़ान छू लेंगे आसमान' की थीम पर जीआईसी सुगिरा में कॅरियर गाइडेंस मेला और वार्षिकोत्सव समारोह हुआ। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मनोरंजन कराया। कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक के प्रिंसिपल दिनेश यादव, जनतंत्र इंटर कालेज के प्रिंसिपल जेपी अनुरागी ने छात्रों को कॅरियर सम्बंधी टिप्स दिए।

जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरागी ने कहा कि बच्चे स्किल डेवलपमेंट करें, जो उनके जीवन में बहुत काम आएगा। प्रिंसिपल दिनेश यादव ने कहा कि तकनीकी शिक्षा पर फोकस कर स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं। एमएलसी ने जितेंद्र सिंह सेंगर ने कहा कि होनहार बच्चों के लिए अभी भी नौकरियों की कमी नहीं है, जो मेहनत और संघर्ष करते रहते हैं, उन्हें एक दिन मंजिल जरूर मिलती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करनी चाहिए, तभी वह मकसद में कामयाब हो सकेंगे। जिस क्षेत्र में जाना चाहते हैं, उसी के लिए प्रयास करें। छात्रा काजल ने आज गली गली अवध सजाएंगे राम आयेंगे, गीत पर डांस प्रस्तुत किया। प्रिंसी, स्नेहा, निधि, रूबी, प्रियांशी ने 'आयो रे...आयो रे गीत' प्रस्तुत किया। यहां पूर्व प्रध्यापिका अर्चना राजपूत, प्रिंसिपल मैथिली शरण, हनुमत पटेल, शैलेंद्र सिंह अमित साहू, अंजली मिश्रा, अर्चना राजपूत, भारत सिंह, चतुरसेन, माधव कुशवाहा, भरत त्रिपाठी, शैलेंद्र सिंह, प्रीतम, पुष्पेंद्र पटेरिया, अनुज तिवारी, ज्वाला पांचाल राहुल बाजपेई रहे। संचालन अमित द्विवेदी ने किया।

दावत में गया परिवार, शातिर समेट ले गए नकदी-जेवरात

शहर के सत्तीपुरा इलाके में रविवार को रिश्तेदार के यहां कार्यक्रम में गया था परिवार

तफ्तीश शुरू

- सोमवार सुबह घर लौटने पर कमरों में बिखरा मिला सामान
- नकदी के साथ सोना और एक किलो चांदी के जेवरात चोरी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के सत्तीपुरा मोहल्ले का एक परिवार रविवार को रिश्तेदार के घर कार्यक्रम में शामिल होने गया, इधर रात में चोर सूने घर में घुसे और अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण सहित लाखों रुपये नकद समेट कर भाग गए। सोमवार सुबह जब परिवार घर वापस लौटा तो मेन गेट का ताला टूटा देख सन्न रह गए। अलमारी से नकदी, आभूषण गायब मिले। पीड़ित ने तत्काल कोतवाली पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल में शुरू कर दी है।

शहर के सत्तीपुरा मोहल्ला निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि वह रविवार की रात अपने परिवार के साथ अपने रिश्तेदार के यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे, तभी सूना घर पाकर चोर घर के मेन गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसे और कमरे में रखी अलमारी का लॉक तोड़कर लाखों रुपये के सोना-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर फरार हो गए। बताया कि सोमवार की सुबह जब परिवार के साथ वापस घर लौटे तो दरवाजे का ताला टूटा देख उनके होश उड़ गए। कमरे में सारा सामान बिखरा मिला और अलमारी में रखे जेवर और नकदी गायब थी। पीड़ित ने बताया कि दो सोने के हार, एक जोड़ी झुमकी और एक सोने की चेन सहित करीब आठ तोला सोना, एक किग्रा चांदी के आभूषण और नकदी चोरी हुई है।

पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस मकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के जरिए घटना का खुलासा करने के प्रयास में जुट गई है। मोहल्ले में चोरी की घटना से लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाए जाने की मांग उठाई है। पुलिस का कहना है कि चोरों का सुराग लगाने की कोशिश की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

सत्तीपुरा मोहल्ले में चोरी के बाद कमरे में फैला पड़ा सामान। अमृत विचार

फर्जी मुकदमों के खिलाफ प्रदर्शन

संवाददाता, पनवाड़ी

अमृत विचार। प्रदेश में लगातार पत्रकारों के खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज होने और उन पर जानलेवा हमला किए जाने के विरोध में सोमवार को राष्ट्रीय पत्रकार कल्याण परिषद के बैनर तले पत्रकारों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। इसके बाद परिषद के जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश नायक के नेतृत्व में पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर पत्रकारों का उत्पीड़न और फर्जी मुदकमों की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग उठाई।

जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का उत्पीड़न किया जा रहा है। प्रदेश में लगातार पत्रकारों के खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज कर उनका शोषण किया जा रहा है साथ ही उन पर दबाव बनाकर उनकी आवाज को दबाए जाने की निरंतर कोशिश की जा रही है। बताया कि अभी हाल ही में जिला ललितपुर में गौशाला की वास्तविक स्थिति को उजागर किए जाने पर पत्रकार देवेंद्र कौशिक के विरुद्ध षडयंत के तहत फर्जी मुकदमा दर्ज किया गया, जबकि संपूर्ण मामले का सोशल मीडिया में वीडियो वायरल हुआ, जिसमें स्पष्ट दिख रहा है कि कुछ महिलाएं लाठी डंडे लेकर पत्रकार पर हमला करने के लिए दौड़ रही है और प्रशासन ने पत्रकार पर ही एससी एसटी सहित अनेक मुकदमे दर्ज कर जेल भेज दिया, जिसकी पत्रकार संगठन घोर निंदा कर विरोध जता रहे हैं।

ज्ञापन में बताया कि इसी प्रकार उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 18 नवम्बर को पत्रकार सुशील अवस्थी राजन को उनके ही घर के समीप अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला किया था, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए थे। पत्रकार पर हमला करने वाले दो अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार तो किया, लेकिन उनसे बिना पूछताछ किए जेल भेज दिया, जो चिंता का विषय है। जबकि पत्रकार पर हमला करने वाले अन्य आरोपी आज भी फरार चल रहे हैं। राष्ट्रीय पत्रकार कल्याण परिषद ने मुख्यमंत्री से पत्रकारों पर बढ़ते हमलों व दर्ज फर्जी मुकदमों की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में श्यामजी तिवारी, हरीसिंह वर्मा, अजय सेन, सत्यनारायण मोनू अग्रवाल, राकेश दीक्षित, नरेंद्र अग्रवाल, रामलखन नामदेव, अरविंद चतुर्वेदी, जितेंद्र राजपूत सहित दर्जनो पत्रकार शामिल रहे।

जिलाधिकारी गजल भारद्वाज को ज्ञापन सौंपते पत्रकार संगठन के लोग। अमृत विचार

यातायात माह के समापन पर निकाली बाइक रैली

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। पुलिस लाइन में सोमवार को डीएम गजल भारद्वाज, एसपी प्रबल प्रताप सिंह की मौजूदगी में यातायात माह का समापन समारोह हुआ। जीजीआईसी एवं ज्ञानस्थली पब्लिक स्कूल के बच्चों ने नुक्कड़ नाटकों से यातायात नियमों की अहमियत बताई। समापन पर डीएम एवं एसपी ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो शहर के प्रमुख तिराहों व चौराहों से होकर गुजरी।

समापन समारोह में जिलाधिकारी ने गोल्डन आवर के महत्व पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद पहले एक घंटे में दुर्घटना में घायल व्यक्ति को दिये जाने पर उनको समय पर उपचार प्रदान होने अनेकों जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। उन्होंने बताया कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा का संकल्प है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि देश में प्रतिदिन अनगिनत हादसे सिर्फ नियमों की अनदेखी की वजह से होते हैं। संयमित रफ्तार और सतर्कता ही सुरक्षित जीवन की कुंजी है। कहा कि यद्यपि यातायात माह का आज समापन हो रहा है, लेकिन जिला पुलिस आगे भी जागरूकता अभियान निरंतर जारी रखे जाएंगे, ताकि जिले का प्रत्येक नागरिक जिम्मेदार यात्री बन सके।

कलश यात्रा के शुरू होगी श्रीराम कथा

महोबा। नगर के रामकुंड गौशाला में 7 दिसंबर से कलश यात्रा के साथ राम चरित मानस महाकथा शुरू होगी, जिसकी समिति ने बैठक कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई।

अध्यक्ष रामदत्त तिवारी ने बताया कि 7 दिसंबर को सरस्वती विद्या मंदिर से दोपहर 12 बजे कलश यात्रा शुरू होगी, जो प्रमुख मार्गों से होते हुए रामकुंड गौशाला पहुंचेगी। दोपहर 2 बजे से महाकथा शुरू होगी। कथा के लिए सीमेंटेड मंच, यज्ञशाला के साथ इंटरलॉकिंग रास्ते का निर्माण किया जा रहा है। बैठक में मुख्य रूप से भागवताचार्य प्रीतम शास्त्री, बीके तिवारी संजय मिश्रा, सौरभ शर्मा, प्रकाश सक्सेना, राजेश चतुर्वेदी, एके त्रिपाठी, भारत सिंह के साथ मुख्य सहयोगी मौजूद रहे।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में किया प्रदर्शन

- काली पट्टी बांधकर ग्राम पंचायत अधिकारियों ने किया कामकाज

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। शासन ने पंचायत सहायक, अकाउेटेन्ट कम डाटा इंट्री ऑपरेटर की भांति ग्राम पंचायतों में कार्यरत ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं ग्राम विकास अधिकारियों की एक दिसम्बर से ऑनलाइन उपस्थिति सिस्टम लागू किये जाने के विरोध में सोमवार को ग्राम पंचायत अधिकारियों ने सचिव कार्यालय चरखारी में काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। सचिवों ने बताया कि तकनीकी खामियों के बावजूद आनलाइन उपस्थिति सिस्टम शुरू करने का सभी जगह विरोध किया जा रहा है।

ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के के तत्वाधान में चल रहे विरोध प्रदर्शन में सोमवार को सभी ग्राम विकास अधिकारियों ने हाथ में काली पट्टी बांधते हुए विरोध दर्ज कराया है। संगठन के पदाधिकारियें का कहना है कि अभी तक निदेशालय पंचायतीराज व आयुक्त ग्राम्य विकास कार्यालय से जिलों को कोई दिशा निर्देश नहीं दिया गया है, लेकिन प्रदेश के कुछ विकास खंड अधिकारियों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों ने अपने अधीनस्थों (ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी) पर ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली से उपस्थिति दर्ज करने के लिए बिना कोई भौतिक संसाधन उपलब्ध कराए रोस्टर एवं अन्य औपचारिकताएं पूर्ण करने के लिए पत्र लिखकर दबाय बनाने की कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

तकनीकी खामियों के बीच आनन फानन में लागू किए गए नियम को लेकर संगठन ने कठोर नाराजगी व्यक्त की है। जिसके क्रम में चरखारी विकास खण्ड में कार्यरत ग्राम विकास अधिकारी शोएब नसीम, सोहेल नसीम, हिमांशु अग्रवाल, स्वाति रिछारिया, जितेन्द्र कुमार सतीश कुमार आदि ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराते हुए सरकारी कार्य जारी रखा। हालांकि ग्राम सभी कर्मचारी समय से कार्यालय पहुंचकर काली पट्टी बांधकर कार्य करते दिखाई दिये।

काली पट्टी बांधकर विरोध जताते ग्राम पंचायत अधिकारी। अमृत विचार

दौड़ में प्राची और अरुण तेज धावक

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर परिषदीय विद्यालयों का तहसील स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक समारोह कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय रामनगर चरखारी में हुआ, जहां दिव्यांग बच्चों का हौसला पर दिखा। पैरों से दिव्यांग बच्चों ने दौड़ लागकर शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सहित्यकार अब्दुल गफ्फार ने की। खेल की शुरुआत बालिकाओं की दौड़ से हुई, जिसमें उच्च प्राथमिक विद्यालय अकठौंहा की बालिका प्राची प्रथम, उच्च प्राथमिक विद्यालय रामनगर की महक द्विवेदी, नव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग की कुर्सी दौड़ में प्राची प्रथम, मकह द्वितीय व माही तृतीय स्थान पर रही। बालक वर्ग की दौड़ में प्राथमिक विद्यालय रामनगर के अरुण प्रथम, यूपीएस सालट के शैलेन्द्र द्वितीय रहे। बालिका वर्ग की गोली दौड़ में उच्चतर प्राथमिक विद्यालय अस्थौन की साधना ने पहला स्थान पाया, जबकि बालक वर्ग की गोली दौड़ में यूपीएस अस्थौन के राजेश प्रथम, यूपीएस फतेहपुर के प्रिंस द्वितीय तथा यूपीएस फतेहपुर के जसवन्त ने तीसरा स्थान हासिल किया।

रस्साकसी में यूपीएस खंदिया के कृष्ण कुमार शेख खालिक एवं शैलेन्द्र की टीम प्रथम, जबकि जयवन्त, प्रिंस, राजेश यूपीएस फतेहपुर की टीम दूसरे स्थान पर रही। इस मौके पर स्पेशल एजुकेटर प्रवेश वाजपेयी ने कहा कि दिव्यांग बच्चों का हौसला बढ़ाने के लिए बीएसए के निर्देश पर प्रतियोगिता आयोजित हुई है। इस मौके पर नोडल टीचर नीरज शुक्ला, सुनील गोस्वामी, लक्ष्मण, ब्लाक व्यायाम शिक्षक रामसेवक यादव, राजकुमारी, परमानन्द लक्षकार सहित दिव्यांग बच्चे मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में दौड़ लगाते दिव्यांग बच्चे। अमृत विचार

निरीक्षण

ठंड की शुरुआत होते ही चरखारी के बस स्टैंड में रैनबसेरा का संचालन शुरू

रैनबसेरा में गरीबों को मिलेंगे बेड और रजाई-गद्दा

संवाददाता, चरखारी

अमृत विचार। ठंड शुरू होते ही पालिका प्रशासन ने गरीबों और राहगीरों को शीत लहर से बचाने के लिए नगर में रैन बसेरा का संचालन शुरू करा दिया है, जिससे अब गरीबों और बेघर लोगों को ठंड से निजात पाने के लिए अस्थाई रैन बसेरा खूब रास आ रहा है, जहां पर रात में अलाव जलाने के साथ साथ सोने के लिए रजाई और गद्दो की भी व्यवस्था की गई है।

शासन के निर्देश पर नगर पालिका परिषद ने प्रति वर्ष की तरह इस साल भी बस स्टैंड पर रैन बसेरा का संचालन शुरू करा दिया है। शीत लहर शुरू होने से पहले ही जिलाधिकारी गजल भारद्वाज के निर्देश पर पालिका ने इस वर्ष भी रैन बसेरा का संचालन शुरू कर दिया है। पालिका के लेखाकार अय्यूब खां ने बताया कि बस स्टेशन में रैन बसेरा का संचालन शुरू किया गया है, जिसमें दो अलग अलग कमरों में महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग-अलग दस-दस बेड लगाए गए हैं।

रैन बसेरा का निरीक्षण करने पहुंचे अधिशासी अधिकारी अमरजीत ने रैनबसेरा की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर जायजा लिया और साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

महिला रूम में अटैच शौचालय व स्नान गृह की व्यवस्था के साथ ही रूम में ही महिला हेल्प डेस्क व पुलिस सहातया नम्बर अंकित किए जाने के निर्देश ईओ ने दिए साथ ही रैन बसेरा प्रभारी को विधिवत रजिस्टर मैनटेन करते हुए हर ठहरने वाले का आधार नम्बर व मोबाइल नम्बर दर्ज करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान तेज प्रताप सिंह, सभासद शैलेन्द्र तिवारी सहित पालिका स्टाफ मौजूद रहा। सभासद ने बताया राहगीरों की सुविधाओं और सुरक्षा के पूरे बन्दोबस्त करते हुए रैन बसेरा का संचालन किया गया है।

रैनबसेरा का निरीक्षण करते नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी अमरजीत। अमृत विचार

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में धरना-प्रदर्शन

ग्राम पंचायत सचिवों ने बांह में काली पट्टी बांध किया विरोध, जनपद के सभी ब्लाक मुख्यालयों पर किया गया प्रदर्शन

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- आदेश वापस नहीं होने पर 15 को ब्लाक में जमा कर देंगे डोंगल

अमृत विचार। ग्राम पंचायतों में तैनात ग्राम पंचायत सचिवों की ऑनलाइन उपस्थिति के आदेश के विरोध में पंचायत सचिवों ने ब्लॉक स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया। गोहांड विकास खंड कार्यालय के बाहर दर्जनों की तादाद में सचिवों ने हाथों में काली पट्टी बांध नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान सचिवों ने 1 दिसंबर से 15 दिसम्बर तक संगठन के प्रस्तावित कार्यक्रम पर चर्चा की।

धरना प्रदर्शन के दौरान सचिवों ने कहा कि साइकिल भत्ता के रूप में मात्र 200 रुपये प्रतिमाह मिलता है, जिससे ऑनलाइन उपस्थिति अव्यावहारिक है। सचिवों ने राज्य वित एवं केंद्रीय वित्त भुगतान की जटिल व्यवस्था का भी विरोध किया। सचिवों ने कहा कि यदि शासन ने मांगों का निस्तारण नहीं किया तो आर-पार की लड़ाई लडी जाएगी। विरोध प्रदर्शन के दौरान दीपक कुमार, अनूप कुमार शर्मा, शत्रुघन सिंह, लेखराज, विपिन बिहारी, रामप्रकाश, देवीदीन, विनोद कुमार, महेंद्र कुमार, घनश्याम, दिनेश कुमार, भरत साहू, राजेश कुमार, योगेंद्र कुमार आदि लोग रहे।

सरीला संवाददाता के अनुसार ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में सचिवों ने ब्लाक परिसर में हाथ में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन कर कार्य किया है। सचिव राधेश्याम राजपूत ने बताया कि 4 दिसंबर तक काली पट्टी बांधकर कार्य किया जाएगा। इसके बाद 5 दिसंबर को धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाएगा और जनपद के सभी सरकारी व्हाट्सएप ग्रुपों से हट जाएंगे। 15 दिसंबर को सभी सचिव अपने डोंगल ब्लाक में जमा कर देंगे। विरोध प्रदर्शन में राधेश्याम राजपूत, सुरेश कुमार, मुकेश कुमार, लवलेश, मयंक मिश्रा आदि सचिव मौजूद रहे।

राठ ब्लाक में काली पट्टी बांध धरना -प्रदर्शन करते सचिव। अमृत विचार

मौदहा ब्लाक में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन करते सचिव। अमृत विचार

4 तक काली पट्टी बांधकर जताएंगे विरोध

कुरारा। ब्लाक सभागार में सचिवों ने काली पट्टी बांधकर सत्याग्रह आंदोलन कर विरोध जताया। ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के बैनर तले प्रदर्शन किया गया। कहा गया कि सभी फील्ड के कर्मचारी हैं, रात-दिन छुट्टी के समय भी काम लिया जाता है। लोगों के पास कई पंचायत का प्रभार है। अपने विभाग के साथ गैरविभागीय दर्जनों कार्य कराए जाते हैं। इस स्थिति में विभाग का कार्य प्रभावित होता है। वही ऑनलाइन उपस्थिति ऑफिस कर्मचारी के लिए होता है, फील्ड कर्मचारियों के लिए नहीं। सरकार ने किसी भी प्रकार के मोबाइल डाटा आदि भी नहीं दिया है न तो भत्ता दिया है। इस स्थिति में अपने निजी मोबाइल का प्रयोग करना पड़ता है जो निजता का उल्लंघन है। सचिव एक से 4 दिसंबर तक काली पट्टी बांधकर शासकीय कार्य करेंगे।

सचिव बोले, ऑनलाइन हाजिरी संभव नहीं

मौदहा। ब्लाक में पंचायत सचिवों ने ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध किया। सोमवार को सचिवों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। सचिवों का तर्क है कि इस आदेश से शासकीय कार्य बाधित होंगे। एक सचिव के पास 3 से 6 पंचायतों का अतिरिक्त प्रभार है, जिससे ऑनलाइन हाजिरी दर्ज करना असंभव है। उन्होंने मांग की है कि इस आदेश को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। प्रदेश स्तरीय आह्वान पर 4 दिसंबर तक काली पट्टी बांधकर विरोध जारी रखेंगे। अगर ऑनलाइन हाजिरी के आदेश को वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन आगे बढ़ेगा। यहां नितेश चंदेल, अरविंद कुमार, भूपेंद्र कुमार, राजू सिंह, गिरीश चंद्र, हरीबाबू, भगवान प्रसाद, प्रियंका आदि रहे।

अधेड़ ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

राठ। कोतवाली क्षेत्र के करगवां में 53 वर्षीय एक व्यक्ति ने कमरे में रस्सी के फंदे से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

कोतवाली क्षेत्र के करगवां गांव के भईयालाल (53) पुत्र धनीराम ने मकान के कमरे में रस्सी के फंदे से फांसी लगाकर जान दे दी। जब दिल्ली में रह रहे पुत्र ने पड़ोसी भानसिंह की पुत्री को फोन कर अपने पिता से बात कराने के लिए कहा तो वह फोन लेकर भईयालाल के घर गई तो उसे फंदे पर लटका देखकर उसके होश उड़ गए। परिजनों ने बताया कि भइयालाल के नाम दो बीघा कृषि भूमि थी, जिसमें डेढ़ बीघा बेच चुका था। आधा बीघा भूमि उसके पास बची थी। दोनों पुत्र पुत्र बृजेश और सुरजेश दिल्ली में मजदूरी करते हैं। वहीं कुछ ग्रामीण का कहना है कि कुछ दिनों पहले गांव की एक लड़की लापता हो गई थी। भईयालाल के पुत्र पर लड़की भगाकर ले जाने का आरोप लगा था। जिससे तनावग्रस्त होकर भईयालाल ने फांसी लगाकर जान दी है।

न्यूज ब्रीफ

झोपड़ी में मिला शव नहीं हुई शिनाख्त

पौथिया। राठ तिराहे के पास झोपड़ी में एक शव मिलने पर सनसनी फैल गई। कुछेछा चौकी इंचार्ज सुरेन्द्र राजपूत ने बताया रविवार की सुबह करीब 8 बजे 20 वर्षीय युवक का शव मिला, जिसकी अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव को जिला अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया है। शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

किशोरी ने फांसी लगाकर जान दी

पौथिया। ललपुरा थाना क्षेत्र के पौथिया निवासी जगदीश ने बताया कि वह ड्यूटी पर गया था। पत्नी भी घर से बाहर थी, तभी बेटी नीशू (16) ने सूना घर पाकर आंगन में साड़ी से फंदा लगाकर जान दे दी। कागज पर एक मोबाइल नंबर लिखकर रख गई है। फील्ड यूनिट ने छानबीन की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना प्रभारी राकेश कुमार सरोज ने मामले की जांच की जा रही है।

किशोर ने लगाई फांसी सदर अस्पताल रेफर

मौदहा। बिवांर थाना क्षेत्र के बिगहना निवासी धीरज (14) पुत्र रामसेवक ने फांसी लगा ली। उसे भाई प्रविंद्र ने कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां किशोर की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल किशोर की हालत नाजुक बताई जा रही है। फांसी लगाने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

एक हफ्ते निरस्त रहेंगी कानपुर-मानिकपुर मेमो

सुमेरपुर। झांसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-मानिकपुर सेक्शन में खुरहंड-डिंगवाही-बांदा स्टेशनों के बीच ट्रैक दोहरीकरण के लिए नॉन इंटरलॉकिंग होने के कारण ट्रेनें निरस्त रहेंगी। सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि 11 दिसंबर को 14109 चित्रकूट-कानपुर सेंट्रल, 14110 कानपुर सेंट्रल-चित्रकूट, 5 से 11 दिसंबर तक 64601 मानिकपुर-कानपुर सेंट्रल, 64602 कानपुर सेंट्रल-मानिकपुर निरस्त रहेगी। 18203 दुर्ग-कानपुर सेंट्रल एक और 10 दिसंबर को ओहन-अतर्रा के बीच 30 मिनट, 8 दिसंबर को ओहन-अतर्रा के बीच 60 मिनट, 64602 कानपुर सेंट्रल-मानिकपुर दो, तीन व चार दिसंबर को भीमसेन-बांदा के बीच 30 मिनट देर होकर चलेगी। 04115 सूबेदारगंज-लोकमान्य तिलक टर्मिनल 11 दिसंबर को भीमसेन-खैरार के बीच 60 मिनट देरी के साथ चलेगी।

शराबी ने पत्नी को पीट कर घर से निकाला

बिवांर। थाना क्षेत्र के छानी बुजुर्ग गांव निवासी सीतू ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि पति मनोज कुमार शराब पीने का आदी है। वह मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करती है। पति चोरी से घरेलू सामान बेचकर शराब पी लेता है। रात में शराब के नशे में उसके साथ मारपीट की। कपड़ों में आग लगा दी और घर से निकाल दिया। पड़ोसी के घर में रात बिताई। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि महिला की तहरीर मिली है। शराबी पति की तलाश कर कार्रवाई की जाएगी।

युवक को कुल्हाड़ी मारकर किया घायल

बिवांर। थाना क्षेत्र के छानी खुर्द गांव निवासी राकेश कुमार वर्मा ने थाने में तहरीर देकर बताया कि दोपहर में काम से शराब की दुकान गया था। दुकान में पहले से गांव का बउआ वर्मा मौजूद था। उसे देखकर धक्का मार दिया। विरोध करने पर कुल्हाड़ी से दाहिने पैर में हमला कर दिया। पड़ोसियों ने बीचबचाव किया तो जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। पुलिस ने घायल का छानी सीएचसी में डॉक्टरी परीक्षण व उपचार कराया। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच कर आरोपी की तलाश कर कार्रवाई की जाएगी।

मायके में पत्नी को मारी कुल्हाड़ी

बिवांर। चिकासी क्षेत्र के इस्लामपुर की गुड्डो देवी का मायका थाना क्षेत्र के गलिहामऊ गांव में है। वह बच्चों के साथ 29 नवंबर को शादी में शामिल होने आई थी। सोमवार को 11 बजे घर में सो रही थी, तभी पति नन्हे निषाद कुल्हाड़ी लेकर वहां पहुंचा और शादी में शामिल न होने की बात कहते हुए घर चलने का दबाव बनाया। उसके नहीं चलने पर पति ने कुल्हाड़ी मारकर घायल कर दिया। भाई कालीचरण ने बीचबचाव किया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए छानी सीएचसी में भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है, पति की तलाश की जा रही है।

किन्नरों में खूनी झड़प के बाद सुलह की पेशकश

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- अफसाना गुट ने अंजना के सामने रखा समझौते का प्रस्ताव
- पुलिस ने अभी तक किसी पक्ष पर कोई कार्रवाई नहीं की

अमृत विचार। कस्बे के बस स्टैंड के समीप रविवार को किन्नरों के दो गुटों में हुई खूनी झड़प के मामले में पुलिस ने अभी तक किसी पक्ष पर कोई कार्रवाई नहीं की है। इस बीच अफसाना गुट ने दूसरे गुट की मुखिया अंजना के समक्ष राजीनामा का प्रस्ताव रखा है। अंजना अपने गुट के घायल लोगों का सदर अस्पताल में इलाज करा रही है। इस वजह से फिलहाल समझौते के प्रस्ताव पर कोई फैसला नहीं हुआ है। पुलिस भी समझौता होने का इंतजार कर रही है।

रविवार को तड़के नेग मांगने के विवाद में किन्नरों के दो गुटों के मध्य खूनी संघर्ष हो गया था। इस संघर्ष में अफसाना गुट के दो दर्जन किन्नर और युवकों ने अंजना गुट के मंजीरा वादक शिवपूजन और वाहन चालक हरिपूजन को धारदार हथियारों और लाठी-डंडों से हमला कर लहूलुहान कर दिया था। दोनों पक्षों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग उठाई थी।

पुलिस ने अभी तक इस प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं की है। किसी भी पक्ष के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया गया है। इस बीच अफसाना गुट ने झगड़े के बाद कदम पीछे खींचते हुए समझौते की राह अपनाई है। अफसाना गुट ने किन्नर अंजना को फोन कर समझौता करने की पेशकश की है, लेकिन घायलों का उपचार कराने में व्यस्त अंजना ने फिलहाल समझौते पर कोई फैसला लेने से साफ इंकार किया है।

मौरंग खनन में श्रमिकों का शोषण

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। मजदूर संघ ने जनपद में संचालित मौरंग खनन क्षेत्रों में श्रमिकों के अधिकारों का हनन करने आरोप लगाते हुए सोमवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने श्रमिकों के साथ हो रहे शोषण पर ठोस कार्रवाई करने की मांग को लेकर जिलाधिकारी घनश्याम मीना को शिकायती पत्र सौंपा है।

भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष शिवशरण सिंह के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में बताया कि जनपद में संचालित मौरम खंडों में लगातार अवैध खनन किया जा रहा है। गाडियों को ओवरलोड भरकर जिले की प्रमुख सड़कों से निकाला जा रहा है। खनन क्षेत्रों में श्रमिकों द्वारा बगैर किसी सेफ्टी के निरन्तर कार्य कराया जा रहा है, जिसमें उनकी सुरक्षा का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है, उनसे आठ घंटे से अधिक कार्य लिया जा रहा है तथा उन्हें किसी भी प्रकार का साप्ताहिक अवकाश भी नहीं दिया जाता है।बताया कि कार्यस्थल पर श्रमिकों ने उनसे बताया कि उनको खदान में कार्य करने से पहले किसी भी प्रकार का कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया है और न ही उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है।

डीएम को ज्ञापन देने पहुंचे मजदूर संघ के पदाधिकारी। अमृत विचार

- मजदूर संघ ने श्रमिकों के हकों को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

उन्होंने खंड संचालकों पर आरोप लगाते हुए कहा कि श्रमिकों के अधिकारों का हनन करते हुए उनको कार्य न देकर बडी बडी पोकलैंड मशीनों द्वारा खनन / लोडिंग का कार्य दिन रात में लगातार कराया जा रहा है। उन्होंने प्रकरण की उच्च स्तरीय प्रशासनिक जांच कराकर कार्यवाही करने की मांग की है। इस दौरान ब्रजेश कुमार बादल,दिनेश कुमार, लालाराम भारती, महेश कुमार आदि मजदूर संघ के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूरिया के लिए परेशान किसानों ने लगाया जाम

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- अधिकारियों ने समझा-बुझाकर किसानों को सड़क से हटाया

अमृत विचार। क्रय विक्रय समिति में खाद न मिलने से आक्रोशित महिला किसानों ने सड़क पर जाम लगाया। किसानों ने हंगामा भी काटा। मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने किसी तरह किसानों को समझा-बुझाकर सड़क का जाम खुलवाया।

किसानों का कहना है कि यही समय बुवाई के लिए उपयुक्त है, लेकिन उन्हें जरूरत के समय यूरिया नहीं मिल पा रही है। बुवाई का संकट पैदा हो गया है। मवई के कंधी लाल, नंदना की महिला किसान आशिकी, विमला, रामकुमारी, गेंदा रानी, फूलकुंवर, गीता, सावित्री व रामसिंह, चंद्रपाल, गौतम, देवसिंह, अंकित, प्रदीप कुमार व महेश कुमार सहित अन्य तमाम किसानों ने बताया कि वह लोग बीते एक सप्ताह से खाद के लिए खाद्य वितरण सोसायटियों के चक्कर काटते हुए इधर-उधर भटक रहे हैं। लेकिन उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है। उन्होंने बताया कि यदि उन्हें समय पर खाद नहीं मिलती है तो इसका असर उनकी फसलों के उत्पादन पर पड़ेगा। वहीं मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने किसी तरीके से समझा बुझाकर किसानों को सड़क से हटवाकर जाम को खुलवाया। रामलीला क्रय विक्रय समिति के कर्मचारी ने बताया कि टोकन के माध्यम से खाद का वितरण किया जा रहा है। जिन किसानों के पास टोकन हैं, उन्हीं को खाद दी जा रही है। उन्होंने बताया कि खाद सीमित मात्रा में आई थी जो की बांटी गई है।

यातायात नियमों की शपथ दिलाई

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- यातायात माह के समापन पर पुलिस लाइन में कार्यक्रम
- एसपी के साथ विधायक ने ट्रैफिक नियम अपनाने पर दिया जोर

अमृत विचार। यातायात माह नवंबर 2025 के समापन के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन ग्राउंड में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सदर विधायक डॉ.मनोज प्रजापति व पुलिस अधीक्षक डॉ.दीक्षा शर्मा ने की। इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी गई और उनसे आग्रह किया गया कि वह अपने परिवार और समुदाय के सदस्यों को भी इन नियमों के पालन के लिए प्रेरित करें।

सदर विधायक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन अनमोल है और इसे सुरक्षित रखने के लिए यातायात नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया और उन्हें यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई। पुलिस अधीक्षक ने छात्रों को यह समझाया गया कि यातायात

पुलिस अधीक्षक ने यातायात नियमों की शपथ दिलाई। अमृत विचार

नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सुरक्षा के लिए अति आवश्यक है। उन्होंने यातायात नियमों के उल्लंघन के संभावित खतरों और दुर्घटनाओं से बचने के तरीकों पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर परिवहन विभाग, यातायात पुलिस व सामाजिक कार्यकर्ता/ भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष शिव शंकर सिंह के संयुक्त प्रयास से दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरण किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में अन्य अधिकारी, गणमान्य लोग सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

मैरिज हाल में बालिका से रेप का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे के मैरिज हाल में एक वैवाहिक कार्यक्रम में अपने परिजनों के साथ शामिल होने आई 12 वर्षीया बालिका के साथ मैरिज हाल के कर्मचारी ने दुष्कर्म करने का प्रयास किया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित बालिका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी परिवार बीते दिन कस्बे के जनता गेस्ट हाउस में परिवार सहित शामिल होने आया था और देर रात तक चले वैवाहिक कार्यक्रम के बाद सब लोग सो गए। पीड़ित ने बताया कि उसकी भतीजी, बारह वर्षीय पुत्री सहित मासूम बच्चे एक कमरे में सो रहे थे। तभी मैरिज हाल का कर्मचारी आया और सो रही बारह वर्षीय पुत्री से दुष्कर्म की कोशिश करने लगा। लेकिन जब वह जाग गई और विरोध किया। तब तक बाकी बच्चे भी जाग गए तो आरोपी अमित कुमार पुत्र कामता जान से मारने की धमकी देकर चला गया। जबकि आरोपी का वीर्य बच्ची के शरीर पर भी गिरा है, पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, आगे की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पांच लोकेटरों को पुलिस ने पकड़ा, कोर्ट ने भेजा जेल

संवाददाता, हमीरपुर

- तीन कार, कैश व सात सिम कार्ड व मोबाइल बरामद
- पकड़े गए सभी आरोपी जालौन के रहने वाले

अमृत विचार। अधिकारियों की पल-पल की लोकेशन देने वाले पांच लोकेटरों को पुलिस ने रविवार को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। इनके कब्जे से तीन कारें, कैश और सात सिम कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस ने पांचों लोकेटरों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है।

पड़ोसी जनपद फतेहपुर में पिछले दिनों खनन कार्य में एसटीएफ की कार्रवाई के बाद यहां भी अधिकारियों ने ऐसे तत्वों के विरुद्ध शिकंजा कसना शुरू कर दिया था। जो खनन कार्य में लगे अधिकारियों की ट्रक चालकों और मालिकों को लोकेशन देकर अवैध खनन और निकासी के काम में लगे थे। इससे राजस्व को भी क्षति पहुंच रही थी। डीएम ने ऐसे तत्वों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। जिसके बाद खान निरीक्षक ने कोतवाली में 24 नामजद और 200 अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तब से अभी तक दो लोकेटरों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है।

रविवार को पुलिस ने फिर से अभियान चलाकर पांच और लोकेटरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोकेटरों में सईद उर्फ मुन्ना, नासिर, दिलशाद उर्फ आमिर, फैयाज बेग निवासीगण गुलौली बगिया थाना कालपी जनपद जालौन और अमन निवासी बगौरा थाना उरई हैं। इनके पास से एक अदद स्कार्पियो, दो अदद क्रेटा कार, 53,200 रुपये कैश, पांच अदद एंड्राइड मोबाइल फोन व एक अदद आई फोन, सात सिम कार्ड विभिन्न कंपनी के बरामद किए गए हैं। कोतवाल पवन पटेल ने बताया कि गिरफ्तार लोकेटरों के विरुद्ध धारा थाने में विभिन्न धाराओं में केस दर्ज है। इस गिरफ्तारी के बाद इस केस में धारा 61 व 338 बीएनएस की वृद्धि करते हुए विधिक कार्यवाही की जा रही है तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत वाहनों को सीज किया गया।

धर्म-अध्यात्म

भागवत कथा के तीसरे दिन व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया

माता-पिता की सेवा और प्रेम करना ही सबसे बड़ा धर्म

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

- बच्चों को बचपन में ही धर्म का वास्तविक ज्ञान देने की जरूरत

अमृत विचार। क्षेत्र के ग्राम इचौली स्थित मढ़ली माई मंदिर परिसर में आयोजित 31वें शतचंडी महायज्ञ में श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन सोमवार को भक्त प्रह्लाद प्रसंग का बखान किया गया। जिसमें कथा व्यास पंडित यतेन्द्र पाठक ने कहा कि भक्त प्रह्लाद ने माता कयाधु के गर्भ में ही नारायण नाम का मंत्र सुना था। नारायमण मंत्र सुनने मात्र से भक्त प्रह्लाद के कई कष्ट दूर हो गए थे। कथा का आगाज गुरु वंदना के साथ किया गया।

कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण की पावन लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को धर्म का ज्ञान बचपन में दिया जाता है, वह जीवन भर उसका ही स्मरण करता है। ऐसे में बच्चों को धर्म व अध्यात्म का ज्ञान दिया जाना चाहिए। माता-पिता की सेवा व प्रेम के साथ समाज में रहने की प्रेरणा ही धर्म का मूल है। अच्छे संस्कारों के कारण ही ध्रुव जी को पांच वर्ष की आयु में भगवान का दर्शन प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उन्हें 36 हजार वर्ष तक राज्य भोगने का वरदान प्राप्त हुआ था। ऐसी कई मिसाले हैं, जिससे सीख लेने की जरूरत है।

कथा सुनाते व्यास पं .यतेंद्र पाठक।

इस मौके पर संकीर्तन मंडली की सदस्यों ने प्रभु महिमा का गुणगान किया। उन्होंने कई मनमोहक भजन प्रस्तुत किए, जिन पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। इस मौके पर यज्ञाचार्य पंडित अमित मिश्रा, यज्ञ के ब्रह्मा पं.शोभित तिवारी, पत्राचार पं.अजय तिवारी, प्रंसू तिवारी, विजय द्विवेदी, राजा रानी, लल्लन तिवारी, भागवत परीक्षित विनोद ऋषिराज सिंह, विपिन पांडे, ऋषि तिवारी फूलचंद तिवारी, गंगादीन वर्मा प्रधान, रामविलास गुप्ता, अरुण गुप्ता, प्रताप सिंह रघुवंशी, अमित तिवारी, प्रेमचंद शिवहरे आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

तन, मन और धन से सेवा करने वाला ही धनवान

राठ। कस्बे के मां शारदा कॉम्प्लेक्स में श्रीमद भागवत कथा के पांचवें दिन वृंदावन से पधारे आचार्य पं.विवेक जी महाराज ने कहा कि धनवान व्यक्ति वही है जो अपने तन, मन, धन से सेवा भक्ति करे, वही धनवान है। परमात्मा की प्राप्ति सच्चे प्रेम से ही संभव है। कथा में पूतना चरित्र का वर्णन करते हुए महाराज ने बताया कि पूतना राक्षसी ने बालकृष्ण को उठा लिया और स्तनपान कराने लगी। श्रीकृष्ण ने स्तनपान करते करते ही पूतना का वध कर उसका कल्याण किया। माता यशोदा जब भगवान श्रीकृष्ण को पूतना के वक्षस्थल से उठाकर लाती है उसके बाद पंचगव्य गाय के गोबर, गोमूत्र से भगवान को स्नान कराती है। अत: सभी को गौ माता की सेवा,गायत्री का जाप और गीता का पाठ अवश्य करना चाहिए। एक बार गोप बालकों ने जाकर यशोदामाता से शिकायत कर कहा मां तेरे लाला ने माटी खाई है। यशोदा माता हाथ में छड़ी लेकर दौड़ी आई। 'अच्छा खोल मुख। माता के ऐसा कहने पर श्रीकृष्ण ने अपना मुख खोल दिया। श्रीकृष्ण के मुख खोलते ही यशोदा जी ने देखा कि मुख में चर-अचर सम्पूर्ण जगत विद्यमान है। इसके अलावा भी श्रीकृष्ण की माखन चोरी आदि बाल लीलाओं का वर्णन किया। कथा मे प्रमुख रूप से मनीषा अनुरागी, जयंती राजपूत, बीके अग्रवाल बल्लन सेठ, प्रदीप कुमार गुप्ता, शंकर लाल अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, ममता गुप्ता, शम्भू अग्रवाल, आशीष, काशी प्रसाद गुप्ता, सचिन अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल आदि लोग रहे।

एसडीएम को ज्ञापन देते ब्रह्म संस्कार एवं कल्याण समिति के कार्यकर्ता। अमृत विचार

आईएएस को बर्खास्त करने की मांग

मौदहा। आईएएस अधिकारी के बिगड़े बोल से नाराज ब्रह्म संस्कार एवं कल्याण समिति के एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने रास्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी करनवीर सिंह को सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि प्रशासनिक अधिकारी संतोष वर्मा ब्राह्मण समाज के बेटियों के अपमानजनक टिप्पणी पर खेद प्रकट किया। कहा कि उनके द्वारा द्वेष भावना से प्रेरित होकर समाज में माहौल बिगड़ने का कार्य बहुत चिंताजनक है ,सभी वर्गों में भी आक्रोश प्राप्त है। उन्होंने ऐसे अधिकारी को बर्खास्त किया जाने और अभद्र अपमानजनक समाज में जहर फैला करने पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजेश त्रिवेदी, शिबू महाराज, बृजेंद्र गौतम, विवेक दीक्षित, रेवती रमण पाठक, बाबूराम बाजपेई, मूलचंद शुक्ला, गौरव गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने की संदिग्ध वाहनों की चेकिंग

चित्रकूट। अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह की अगुवाई में प्रभारी कोतवाली श्याम प्रताप पटेल व पुलिसकर्मियों ने सोमवार को आबादी क्षेत्र, बाजार, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गश्त की। पुलिस टीमों ने दुकानदारों, व्यापारियों एवं नागरिकों से वार्ता कर सुरक्षा का एहसास कराया। एएसपी ने सड़क पर अवैध अतिक्रमण को हटवाया। शराब की दुकान, होटल-ढाबा एवं वाहनों के साथ संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की गई।

विद्या ज्ञानप्रवेश परीक्षा संपन्न

चित्रकूट। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी ने बताया कि श्री गंगाप्रसाद जनसेवा इंटर कालेज में विद्या ज्ञान प्रवेश परीक्षा दो पालियों में संपन्न हुई। प्रथम पाली में बालिका वर्ग की परीक्षा हुई। इसमें 65 बालिकाएं सम्मिलित हुईं। बीएसए ने बताया कि द्वितीय पाली में 71 बालक सम्मिलित हुए। कुल 136 विद्यार्थियों ने इसमें हिस्सा लिया। परीक्षा सकुशल नकलविहीन हुई। बताया कि इस परीक्षा के माध्यम से बच्चे सीतापुर तथा नोएडा में विद्याज्ञान स्कूल में प्रवेश पाते हैं, जिनमें विश्वस्तरीय सुविधा निशुल्क उपलब्ध है। प्रत्येक वर्ष कक्षा छह के बच्चों के लिए यह परीक्षा की जाती है।

मऊ में लगभग नब्बे फीसदी गणना पत्रों की फीडिंग पूरी हुई

मऊ (चित्रकूट)। तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी राम ऋषि रमन और बेसिक शिक्षाधिकारी बीके शर्मा ने सभी बीएलओ के साथ बैठक की। एसडीएम ने बताया कि मऊ तहसील क्षेत्र की विधानसभा 237 मानिकपुर में मतदाता गणना पत्रों की ऑनलाइन फीडिंग का काम जारी है। अब तक 89 .48 प्रतिशत गणनापत्रों की ऑनलाइन फीडिंग पूरी हो चुकी है। कुल 98 बूथों पर शत-प्रतिशत काम पूर्ण हो चुका है। उन्होंने गणना पत्रकों के गुणवत्तापूर्ण और शत-प्रतिशत निस्तारण के निर्देश दिए। निर्देशित किया कोई भी मतदाता गणना पत्रक भरने से छूटे नहीं। बताया कि तहसील के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बूथों पर पहुंचकर तथा गांवों और मोहल्लों में जाकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास लगातार जारी है। वह स्वयं लोगों को फॉर्म भरने का सही तरीका समझा रहे हैं और मौके पर ही फॉर्म भरकर भी दिखा रहे हैं। बैठक में बीडीओ, बीईओ, तहसीलदार आदि अधिकारी मौजूद रहे।

पशुबाड़े जा रहे दंपती को ट्रक ने मारी टक्कर, पति की मौत

पत्नी को भी आई चोटें, पुलिस लगा रही वाहन का पता

संवाददाता, राजपुर चित्रकूट

अमृत विचार। मवेशियों को चारा देने पैदल पशुबाड़े जा रहे दंपती को राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे पति की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी को भी चोटें आईं। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। वहीं जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों से उसका पता लगाने में जुटी हुई है।

बालगोविंद।

राजापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नांदिन कुर्मियान के पास हादसा हुआ है। गांव निवासी बालगोविंद सिंह (40) पुत्र रामप्रसाद सोमवार को पत्नी माया सिंह (35) के साथ घर से मवेशियों को चारा-भूसा देने के लिए पशुबाड़ा जा रहे थे। सुबह लगभग आठ बजे रैपुरा की ओर से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे पैदल जा रहे दंपती को टक्कर मार दी और भाग निकला। टक्कर लगते ही दोनों लहूलुहान होकर गिर गए। सूचना पर पहुंचे परिवारीजनों व थाना राजापुर पुलिस ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां पर मौजूद प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. दिनेश सिंह ने बालगोविंद को मृत घोषित कर दिया। माया को भी हल्की चोटें आई थीं। उसका प्राथमिक उपचार कर उसे घर भेज दिया गया। उधर, हादसे की खबर घर पहुंचने पर परिजनों में कोहराम मच गया। बालगोविंद के एक पुत्र अहम सिंह (11) वर्ष और पुत्री रानी देवी (13) हैं, जो क्रमशः कक्षा छह और कक्षा आठ में पढ़ते हैं। राजापुर थाना प्रभारी लाखन सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, जिससे ट्रक और चालक का पता लगाया जा सके।

मार्ग दुर्घटना में पति की मौत, पत्नी व बेटी घायल

राजापुर (चित्रकूट)। रविवार रात सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से बाइक के भिड़ने से बाइक चालक की मौत हो गई। वहीं उसकी पत्नी और बेटी घायल हो गईं। जानकारी के मुताबिक, अगरहुंड़ा गांव का धीरज (32) पत्नी संगीता और पांच साल की पुत्री अंजू के साथ कमासिन (बांदा) के तीर्थस्थान लोहरा वीर बाबा के दर्शन को गया था। लौटते समय कुसेली मोड़ के पास उसकी बाइक ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। इससे धीरज की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसकी पत्नी और बेटी को पुलिस व राहगीरों ने सीएचसी पहुंचाया। वहां पर प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

राजकीय इंटर कालेज में लगा करियर मेला

पहाड़ी (चित्रकूट)। राजकीय इंटर कालेज असोह में करियर मेला लगा। जिला करियर पंख की नोडल अधिकारी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के मैनेजर आशीष दुबे ने बैंकिंग सेक्टर, डॉ. मोनिका शुक्ला एवं विनोद सिंह ने मेडिकल पैरा मेडिकल क्षेत्र में बच्चों को करियर के संबंध में बताया। शिक्षक अनिल कुमार ने ग्रामीण परिवेश के बच्चों के लिए खेल, पेंटिंग, रिपेयरिंग, फिटिंग, मैकेनिक, जिम टिफिन, शेफ आदि में करियर की जानकारी दी। प्रवक्ता अजय कुमार ने करियर का चुनाव करने के मंत्र साझा किए। प्रधानाचार्य विश्वनाथ पांडेय ने आभार प्रकट किया। संचालन शिक्षक प्रमोद पाल ने किया। इस दौरान प्रकाश तिवारी, रमेश वर्मा, आशीष त्रिपाठी, मिथलेश कुमार, मुन्नीलाल, शिवप्रकाश सिंह, दिनेश, शाहिद, आनंद, अवधेश, आकांक्षा, मोहिनी, शबाना, अंजलि, अंतिमा, मोहित, शहनाज़, सांगिता आदि मौजूद रहीं।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय को कामतानाथ का चित्र भेंट करते राजकुमार याज्ञिक व अन्य।

पत्रकार समाज निर्माण के लिए पत्रकारिता करें : उपाध्याय

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय ने पत्रकारों को सीख दी कि वे पत्रकारिता में देश के कल्याण व समाज निर्माण के लिए रचनात्मक पक्ष देखें। अगर वे अपने कार्यों की स्वयं समीक्षा करेंगे तो गलत कार्य कर ही नहीं सकेंगे।

डॉ. उपाध्याय के रविवार को जनपद आगमन पर प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार याज्ञिक व अन्य पत्रकारों ने अंगवस्त्रम् और भगवान कामतानाथ जी का चित्र भेंट किया। डॉ. उपाध्याय ने बताया कि संगठन पत्रकारों के मान सम्मान के लिए लगातार संघर्षरत है। शासन से पत्रकारों को आवासीय सुविधा, टोल टैक्स, बिजली बिल में छूट, मेडिकल सुविधा, सुरक्षा आदि के साथ सरकारी योजनाओं का लाभ देने की मांग की जा रही है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सोशल और डिजीटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव से पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियां बढ़ गईं हैं। पत्रकार देश के उत्थान और पतन दोनों का जिम्मेदार होता है। जिलाध्यक्ष शिवमूरत द्विवेदी, रमेश रैकवार, रवि सिंह आदि मौजूद रहे।

यातायात माह का समापन, पुस्तक का विमोचन

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर में यातायात माह का समापन किया। इस दौरान आओ सीखे सड़क सुरक्षा लघु पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, कोऑपरेटिव बैंक जिलाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, क्षेत्राधिकारी यातायात यामीन अहमद, पीटीओ दीप्ती त्रिपाठी की मौजूदगी में उपस्थिति में बिना हेलमेट कई बाइक चालकों के चालान किए गए।

वहीं चालकों को लाटरी के माध्यम से 25 हेलमेट बांटे गये। संचालन केशव सिंह भोले ने किया। एसपी ने डॉ. प्रभाकर सिंह, सभासद शंकर यादव को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। एसपी ने बताया कि यातायात माह के अंतर्गत हेलमेट न लगाने वालों पर 5703, सीट बेल्ट न लगाने पर 492, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करने पर 51, मादक द्रव्य का सेवन कर वाहन चलाने पर 89, अन्य यातायात नियमों के उल्लघंन करने पर 2139 लोगों पर कार्रवाई की गई।

यूपी बोर्ड परीक्षा : प्रस्तावित केंद्रों की सूची सार्वजनिक

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- चार दिसंबर तक दी जा सकती हैं आपत्तियां और सुझाव

अमृत विचार। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिलास्तरीय केंद्र निर्धारण समिति ने माध्यमिक शिक्षा परिषद उप्र प्रयागराज की बोर्ड परीक्षा की प्रस्तावित केंद्र की सूची सार्वजनिक कर दी है। यह जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने दी।

डीआईओएस ने बताया कि तहसील स्तरीय समिति द्वारा प्रमाणित व अपडेट कराई गई विद्यालयों की आधारभूत सूचनाओं के आधार पर आनलाइन प्रविधि से चयनित परीक्षा केंद्रों (विद्यालय छात्र आवंटन सहित) की सूची परीक्षण तथा अनुमोदन के लिए परिषद की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। बताया कि इन परीक्षा केंद्रों के संबंध में आपत्ति या शिकायत कारण व साक्ष्य सहित समिति के समक्ष निर्धारित प्रारूप पर चार दिसंबर तक दी जा सकती है। इसके उपरांत कोई भी प्रत्यावेदन नहीं लिया जाएगा। आपत्तियों का परीक्षण कर निस्तारण करके सूची परिषद की वेबसाइट पर 11 दिसंबर तक ऑनलाइन कर दी जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं एक साथ 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 को समाप्त होंगी।

साइबर क्राइम के शिकार सात लोगों का पैसा वापस कराया

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- आरटीओ चालान के नाम से भेजी गई थी एपीके फाइल

अमृत विचार। जिले की साइबर सेल टीम ने साइबर क्राइम के द्वारा ठगे गये सात लोगों खाते में 2, 59, 775 रुपये वापस कराए। ये सभी आरटीओ चालान के नाम से भेजी गई एपीके फाइल के नाम पर ठगे गए थे। अपनी ठगी गई धनराशि को वापस पाकर लोगों के चेहरों में खुशी देखी गई।

एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि साइबर सेल प्रभारी विनोद कुमार राय व टीम ने मेहनत करके लोगों के ठगे गये रुपये वापस कराए। इन व्यक्तियों ने व्हाट्सएप में आरटीओ चालान के नाम से भेजी गई एपीके फाइल खोल ली थी और ठगी के शिकार हो गए थे। साइबर सेल में आरक्षी प्रशांत कुमार, सर्वेश कुमार भी शामिल रहे। एसपी ने बताया कि कुछ जालसाजों द्वारा सोशल मीडिया अकाउंट के साथ ही ईमेल अकाउंट हैक कर धनराशि मांगने की लगातार शिकायत मिल रही है। हैकर द्वारा जीमेल आईडी हैक करने के बाद पीड़ित का मोबाइल नंबर और रिकवरी ईमेल आईडी चेंज कर और अन्य फर्जी मोबाइल नंबर व ईमेल आईडी को अपडेट किया जा रहा है। ऐसा कर देने से अकाउंट का पासवर्ड रीसेट नहीं किया जा सकता है और मोबाइल में सेव कांटैक्टस दिखना बंद हो जाता है। एसपी ने सुझाव दिया कि अकाउंट को सुरक्षित रखने के लिए अनजान नंबरों से आई काल पर विश्वास न करें, संदिग्ध एप्लीकेशन या एपीके फाइल डाउनलोड न करें। ओटीपी को शेयर न करें। मैसेज में आई नीले रंग की लिंक (यूआरएल) पर क्लिक न करें। अकाउंट पर टू-स्टेप वैरीफिकेशन ऑप्शन हमेशा इनेबल रखें। पासवर्ड हमेशा अल्फान्यूमैरिक ही रखें। साइबर फ्रॉड का शिकार होने पर साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर काल करें या संबंधित वेबसाइट पर शिकायत रजिस्टर करें।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह।

बीट प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के निर्देश

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने सोमवार को पुलिस कार्यालय के चैंबर में पुलिस अधिकारियों की बीट बुक चेक की। बीट प्रणाली को सुदृढ़ बनाए जाने के लिए निर्देश दिए। एसपी ने कानून व्यवस्था एवं अपराध पर नियंत्रण हेतु पुलिस हल्कों एवं बीट व्यवस्था में दिए निर्देशों के संबंध में विस्तृत रूप से बताया। अधिकारियों के कर्तव्य एवं अधिकार, ग्राम प्रहरियों का दायित्व, एप का उपयोग, बीट क्षेत्र में लाइसेंसधारकों, पासपोर्ट धारकों, संभ्रांत व्यक्तियों के नाम बीट बुक में दर्शाने आदि के संबंध में बताया।

अ0सं0–109/2025
सुरेन्द्र सिंह आदि
धारा– 105,352,351 (3) B.N.S
H. C.J. Form No- 58 Part VIII
थाना सरधुवा
अभियुक्त व्यक्ति की .... के लिए अपेक्षा
करने वाली उदघोषणा
(धारा 82, अनूसूची 2,प्रपत्र संख्या –4)
न्यायालय सिविल जज(सी0डि0)एफ0टी0सी0
मैजिस्ट्रेट कोटि जिला चित्रकूट

चूंकि मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि सुरेन्द्र पुत्र छविनाथ, जाति , व्यवसाय, निवासी– लमियारी, थाना–सरधुवा, जिला– चित्रकूट– द्वारा भारतीय दंड संहिता की धारा 105, 352,351 (3) B.N.S के अधीन दण्डनीय किया गया, अपराध .... (1) है. और तदपरि निकाले गये गिरफ्तारी के किये जाना का संदेह किया जाता। अधिपत्र को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त सुरेन्द्र को पाया नहीं जा सका है और चूंकि मुझकों समाधानप्रद रूप में यह संदर्शित कर दिया .... कर गया है।
गया है कि उक्त .... उक्त अधिपत्र की तामील से बचने के लिए अपने को छिपा रहा है।
अतएव एतदद्वारा उद्घोषणा की जाती है कि कि आभिजीत निवासी लमियारी थाना सरधुवा , चित्रकूट से यह अपेक्षा की जाती है कि वह दिनांक मास 20 ई0 को .... उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए उपस्थित हो।
सन् 2025 ई0 के 11 मास के 10 दिवस को दिनांकित ।
आज्ञा से
जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0

मु0अ0सं0–109/2025
सुरेन्द्र सिंह आदि
धारा– 105,352,351 (3) B.N.S
H. C.J. Form No- 58 Part VII
अभियुक्त व्यक्ति की .... के लिए अपेक्षा
करने वाली उदघोषणा
(धारा 62, अनूसूची 2,प्रपत्र संख्या –4)
न्यायालय सिविल जज(सी0डि0)एफ0टी0सी0
मैजिस्ट्रेट कोटि जिला चित्रकूट

चूंकि मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभिजीत पुत्र सुरेन्द्र, जाति , व्यवसाय, निवासी– लमियारी, थाना–सरधुवा, जिला– चित्रकूट– द्वारा भारतीय दंड संहिता की धारा 105, 352,351 (3) B.N.S के अधीन दण्डनीय किया गया, अपराध .... (1) है. और तदपरि निकाले गये गिरफ्तारी के किये जाना का संदेह किया जाता। अधिपत्र को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभिजीत को पाया नहीं जा सका है और चूंकि मुझकों समाधानप्रद रूप में यह संदर्शित कर दिया .... कर गया है।
गया है कि उक्त .... उक्त अधिपत्र की तामील से बचने के लिए अपने को छिपा रहा है।
अतएव एतदद्वारा उद्घोषणा की जाती है कि कि आभिजीत निवासी लमियारी थाना सरधुवा , चित्रकूट से यह अपेक्षा की जाती है कि वह दिनांक मास 20 ई0 को .... उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए उपस्थित हो।
सन् 2025 ई0 के 11 मास के 10 दिवस को दिनांकित ।
आज्ञा से
जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0

सत्याग्रह के दौरान नारेबाजी करते ग्राम पंचायत अधिकारी। अमृत विचार

ग्राम पंचायत अधिकारी समन्वय समिति ने किया सत्याग्रह

फर्रुखाबाद। कायमगंज विकासखंड परिसर में ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति ने शांतिपूर्ण सत्याग्रह आंदोलन किया। यह विरोध ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने और सचिवों से लिए जा रहे गैर-विभागीय कार्यों के खिलाफ था। आंदोलन का नेतृत्व समिति के जिलाध्यक्ष शशि देव सिंह ने किया। समिति के जिलाध्यक्ष शशि देव सिंह ने बताया कि विभागीय कार्यों के कारण ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को एक दिन में तीन बार फेशियल अटेंडेंस देनी होती है, जो व्यवहारिक नहीं है। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि उनसे फार्मर रजिस्ट्री और आयुष्मान कार्ड जैसे कई गैर-विभागीय कार्य लिए जा रहे हैं, जिसके लिए उन्हें कोई अतिरिक्त भत्ता नहीं मिलता। उन्होंने मौजूदा 200 रुपये के साइकिल भत्ते को बढ़ाने की भी मांग की, क्योंकि अधिकांश सचिव अब बाइक का उपयोग करते हैं। इस दौरान सचिव विवेक कुमार मिश्रा, रविंद्र सिंह, रेनू शाक्य, आनंद गंगवार, सुधीर श्रीवास्तव, शुभम तिवारी, अनुराग सक्सेना, मनीराम शाक्य और विवेक कुमार सहित कई अन्य सचिव मौजूद रहे।

एड्स से कम हो जाती है शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमृत विचार। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस पर कपसेठी गांव में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जानकारों ने बताया कि एड्स से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता नष्ट हो जाती है।

परियोजना समन्वयक बनारसी लाल पांडेय ने कहा कि एड्स एक गंभीर जानलेवा बीमारी है। समाज को जागरूक करने की दृष्टि से एक दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि गले में खराश, लंबे समय तक खांसी, बार बार सांस फूलना, तेजी से वजन घटना, मांसपेशियों में दर्द आदि इसके प्रारंभिक लक्षण हैं। अनुदेशक मीना देवी ने बताया कि संक्रमित रक्त चढ़ाने से, असुरक्षित यौन संबंधों से यह बीमारी फैलती है।

लोगों को एड्स के संबंध में जानकारी देते अतिथि। अमृत विचार

उन्होंने कहा कि इससे बचाव के लिए हम अपने साथी के प्रति वफादार रहें, संक्रमित सुई का इस्तेमाल न करें, रक्त परीक्षण करवाकर ही चढ़वाएं। हम सभी को सद्चरित्र होना चाहिए एवं अपने सामाजिक व नैतिक मूल्यों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जानकारी ही बचाव है, हमारा जीवन बहुमूल्य है। इससे बचाव के लिए हमें अपने समाज को जागरूक करते रहना चाहिए। इस दौरान कार्यकर्ता गणेश प्रसाद आदि मौजूद रहे।

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा
पत्रांक : 1521/30-1/नि०नि० 2025-2026/ दिनांकः 01 दिसम्बर, 2025
कोटेशन सूचना
एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम अल्मोड़ा क्षेत्रान्तर्गत बन्ध्याकरण हेतु बंदरों को पकड़कर वन विभाग के रेस्क्यू सेन्टर तक पहुंचाये जाने हेतु इच्छुक फर्मों/व्यक्तियों के कोटेशन आमन्त्रित किये जाते हैं। कोटेशन की शर्तें एवं विस्तृत जानकारी दिनांक 02.12.2025 से 17.12.2025 तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा के वन अनुभाग से तक प्राप्त की जा सकती है। कोटेशनदाताओं द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों सहित कोटेशन दिनांक 18.12.2025 को अपरान्ह 1:00 बजे तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा में प्रस्तुत किये जा सकेंगे। निर्धारित तिथि व समय के उपरान्त प्राप्त होने वाले कोटेशनों पर विचार नही किया जायेगा। प्राप्त कोटेशन तद्दिनांक को अपराह्न 2:00 बजे उपस्थित कोटेशनदाताओं व नगर आयुक्त नगर निगम अल्मोड़ा तथा मा० महापौर नगर निगम अल्मोड़ा द्वारा प्राधिकृत अधिकारियों के समक्ष के सम्मुख खोले जायेंगे। कोटेशन स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को निहित होगा।
नगर आयुक्त
नगर निगम, अल्मोड़ा
महापौर
नगर निगम, अल्मोड़ा

तैयारी | 16 से 22 दिसंबर तक होगा खजुराहो फिल्म फेस्टिवल समारोह

'वीरू' व 'अंग्रेजों के जमाने के जेलर' को देंगे श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- यूपी प्रभारी अजीत सिंह ने दी जानकारी

अमृत विचार। 11 वां खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल कालजयी फिल्म शोले के वीरू यानी धर्मेंद्र और अंग्रेजों के जमाने के जेलर यानी आसरानी को समर्पित होगा। इस बार यह आयोजन 16 से 22 दिसंबर तक होगा।

फेस्टिवल के यूपी प्रभारी बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि फिल्म फेस्टिवल की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं । कार्यक्रम के संस्थापक संयोजक फिल्म अभिनेता राजा बुंदेला और मुंबई स्थित उनकी प्रयास प्रोडक्शन की टीम तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी हुई है । अभिनेत्री सुष्मिता मुखर्जी, आरिफ शहडोली, राकेश शाहू, जगमोहन जोशी समेत तमाम लोग फिल्म फेस्टिवल की तैयारियों में जुटे हुए हैं । अभिनेता अनुपम खेर, राज बब्बर, राजेंद्र गुप्ता, शुभांगी दत्ता, जयंत देशमुख, वेद थापर, और अरुणा राजे समेत कई अन्य फिल्मी हस्तियों ने आने की स्वीकृति दे दी है। बताया गया है कि हाल ही में दिवंगत सुप्रसिद्ध अभिनेता धर्मेंद्र की फिल्मों पर जो भी कलाकार अभिनय, गीत आदि प्रस्तुत करेंगे, उन्हें मंच से पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के तमाम मंत्री व अन्य विशिष्ट लोग मौजूद रहेंगे । इस दौरान अभिनेता युवाओं को अभिनय की बारीकियां सिखाएंगे। विदेशी कलाकारों की भी उपस्थिति रहेगी और उनकी फिल्मों को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

धर्मेंद्र। अमृत विचार

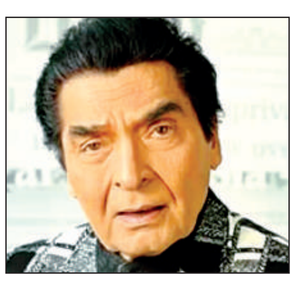

असरानी। अमृत विचार

बुंदेलखंड के कलाकार होंगे सम्मानित

अजीत ने बताया कि इस दौरान बुंदेलखंड में बनी फिल्मों को टपरा टाकीज में प्रदर्शित किया जाएगा और उनके निर्माता, निर्देशक और कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा । बुंदेलखंड की लोक विधाओं का मंचन होगा और प्रतिभाओं को सम्मान मिलेगा । झांसी से लेकर चित्रकूट और मध्य प्रदेश के समूचे बुंदेलखंड से गायन, नृत्य और अभिनय की दिशा में काम कर रहे युवाओं को मंच देकर उन्हें प्रोत्साहित किया जायेगा।

बाइक सवारों को हेलमेट बांटते पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

हेलमेट बांटकर कहा, इसे लगाकर ही बाइक चलाएं

मऊ चित्रकूट। एसडीएम रामऋषि रमन व क्षेत्राधिकारी फहद अली ने बस स्टैंड पर सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के तहत राहगीरों को नि:शुल्क हेलमेट वितरित किया। अनुरोध किया कि सड़क पर चलने के नियमों का पालन करें और हेलमेट लगाकर ही बाइक चलाएं। एसडीएम ने कहा कि मोटरसाइकिल चालक को हेलमेट लगाना अनिवार्य है। खासतौर पर इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पूरे जिले में लोगों की जान एवं दुर्घटनाओं से बचने के लिए नि:शुल्क हेलमेट वितरण किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे वाहन चलाते समय मोबाइल से बातचीत कतई न करें। शराब पीकर गाड़ी बिल्कुल भी न चलाएं। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक दुर्गविजय सिंह, क्राइम इंस्पेक्टर अंजनी कुमार सिंह, कस्बा इंचार्ज बीएन सिंह आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम RAJESH KUMAR SINGH था से बदलकर RAJESH SINGH रख लिया है। अब मुझे RAJESH SINGH के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-LURKHUR SINGH ADD-VILL-MAHUWAR BASGITIYA POST-KASARA, DIST-MAU-275102 (U.P.)

सूचना
सूचित हो कि मैं प्रियंका पुत्री शिव शंकर निवासी ग्राम लालपुर परगना अमसिन पोस्ट लालपुर तहसील जनपद अयोध्या , मेरा डी0 एल0 एड0 प्रथम सेमेस्टर अनुक्रमांक 1815902 695 वर्ष 2019 का अंकपत्र वास्तव में कही खो गया है।

सूचना
मैने अपना नाम MIRZA ANWAR ALI BEIG से बदलकर ANWAR ALI BEIG रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S-0-LATE MIRZA QAMAR ALI BEG ADD-542-PN250C KISHORE VIHAR CAMPWELL ROAD POST-CHOWK DIST-LUCKNOW

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैं MOHD NAIEEM से MOHD NAIM रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वह पहचान जाए। S /O MO HABEEB, निवासी कटरा रोशनलाल दरियाबाद, जिला–बाराबंकी का रहने वाला हूं

कुमार के समोसे : 2 पैसे से लेकर 10 रुपये तक का सफर

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

सिनेमा प्रेमियों को शायद अब भी याद होगा... एक समय था जब शहर के तमाम सिनेमा हालों में इंटरवल के समय आवाज लगा करती थी-कुमार के समोसे, ले लो भाई कुमार के समोसे....आज वक्त बदल गया, सिनेमा हाल खामोश हैं, एक-एक कर लगभग सभी हाल बंद हो चुके हैं और वहां नए-नए व्यवसाय खुल गए हैं या खुलने की तैयारी में हैं। लेकिन कुमार के समोसे आज भी मौजूद हैं और जो इसके मुरीद हैं वह आज भी कुतुबखाना आते हैं तो समोसे खाए बिना नहीं रहते।

इन समोसों की यात्रा भी कम रोचक नहीं है। जगह वही,भट्टी वही और मसाले वही, लेकिन समोसों की यात्रा अभी भी अनवरत जारी है। इसके प्रेमी आज भी हैं। आज इस दुकान को तीसरी पीढ़ी के दीपक गुप्ता संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज से लगभग 70 साल पहले नंदूलाल गुप्ता ने तख्त और एक छोटी सी भट्टी के साथ दुकान खोली थी। 2 पैसे में एक समोसे के साथ यह लोगों की पसंद बना और आज 10 रुपये में एक समोसा हाथों-हाथ बिक रहा है। इस समोसे की खासियत यह है कि इसमें तीन तरह के मसाले इस्तेमाल होते हैं जिन्हें घर पर ही तैयार किया जाता है। आम नमक की जगह काले नमक का इस्तेमाल होता है जो इसे नया लुक देता है। इन मसालों का राज दीपक गुप्ता ने नहीं बताया लेकिन मसालों की शुद्धता की गारंटी जरूर दी।

सुबह करीब 11.30 से रात 8.30 तक आप यहां आकर समोसों का आनंद ले सकते हैं। दुकान आज भी कुमार सिनेमा परिसर में ही है और नंदूलाल गुप्ता के सपनों को उनकी यह पीढ़ी बखूबी संभाल रही है। यहां यह बताना जरूरी है कि एक समय दुकान पर इतनी भीड़ रहती थी कि लोगों को समोसों के लिए लाइन लगानी पड़ती थी। तंग गलियों में मौजूद जगत सिनेमा और हिंद सिनेमा तक कुमार के समोसे बेचे जाते थे। लोग इंटरवल के समय कुमार के समोसों का इंतजार करते थे। बड़ी सी भट्टी पर बढ़ी सी कढ़ाई चढ़ी रहती थी और समोसे लगातार सिकते रहते थे। भट्टी आज भी वही है और समोसे आज भी लगातार सिकते रहते हैं। समय का चक्र बदला लेकिन आज भी लोग कुमार के समोसों के मुरीद हैं और थैलियां भर-भर कर घर भी ले जाते हैं। अगर आप भी इन समोसों का आनंद लेना चाहते हैं तो आपको भी कोतवाली के पास कुमार सिनेमा तक आना होगा।

बरेली शहर अपने पारंपरिक व्यंजनों की समृद्ध विरासत को संजोए हुए है, साथ ही आधुनिक खान-पान के तौर-तरीकों को भी खुले हाथों अपना रहा है। बरेली की गलियों में आज भी वही पुरानी खुशबू मिलती हैं, जो पीढ़ियों से लोगों को अपनी ओर खींचती रही हैं। बड़ा बाज़ार और जनरलगंज की गलियों में मिलने वाली चटपटी चाट, आलू टिक्की और पानी-पूरी का मज़ा लेने के लिए शाम होते ही भीड़ उमड़ पड़ती है। परंपरा की बात आती है तो यहाँ के कबाब सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि मुगलई और अवधी व्यंजनों की सदियों पुरानी विरासत का हिस्सा हैं। बरेली के पारंपरिक कबाब अपनी अनूठी खुशबू, मसालों के संतुलन के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ साथ युवा वर्ग की पसंद ने अपनी अलग पहचान बनायी है। युवाओं को लुभाने के लिए बरेली में कई नए और ट्रेंडी रेस्तरां और कैफे खुल गए हैं। डोमिनोज, पिज्जा हट और केएफसी जैसे बड़े फास्ट-फूड चेन ने शहर में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। पाम बिस्ट्रो, क्वालिटी रेस्टोरेंट, पिंड बलूची, कासा डिवाइन, कार्विंग 24X 7 जैसे नए रेस्टोरेंट युवा वर्ग की पसंद बन रहे हैं।

अजंता स्वीट्स:1986 से अब तक एक ही स्वाद

अजंता स्वीट्स, बस नाम ही काफी है। 1986 में राम अवतार आहूजा ने एक बड़ा सपना लेकर शहामतगंज के कालीबाड़ी रोड पर पुलिस चौकी के सामने छोटी सी दुकान खोली थी। उस वक्त उन्हें भी इसका अंदाजा नहीं रहा होगा कि आगे चलकर इसकी जड़ें इतनी गहरी हो जायेंगी कि मिठाइयों की दुनिया में इसकी ख्याति चारों ओर फैल जायेगी। आज यह शहर ही नहीं बल्कि देशभर में एक जाना पहचाना नाम है। शुरु में यह बेकिंग उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। आज यह दुकान अपनी स्वादिष्ट मिठाइयों और बेकरी उत्पादों के लिए जानी जाती है। राम अवतार आहूजा के बेटे अमित आहूजा से आज विकास भवन के सामने रामपुर गार्डन में उनकी आलीशान दुकान में मुलाकात हुई। उन्होंने बताया कि छोटे स्तर से काम शुरु करते वक्त उनके पिता को कई साल तक संघर्ष करना पड़ा। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और आज इसी का फल है जो अजंता स्वीट्स लोगों में अपनी पहचान बना चुका है। उनका कहना है कि अगर लक्ष्य साफ हो और उसमें मजबूत इच्छा शक्ति हो तो राह आसान होती चली जाती है। इसी का नतीजा है जो आज यह करोड़ों के सालाना टर्नओवर के साथ अजंता स्वीट्स से इंड्स अजंता प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन चुकी है।

अमित ने बताया कि अजंता स्वीट्स के आउटलेट लखनऊ और रामपुर में भी हैं। इसके अलावा पीलीभीत व पूरनपुर में फ्रेंचाइजी के साथ ही बरेली में 15 विभिन्न जगहों पर आमजन की पहुंच अजंता स्वीट्स तक है। इसकी मदर यूनिट आज भी शहामतगंज वाली ही है। रामपुर और लखनऊ के अलावा बरेली में इसके तीन आउटलेट हैं। उन्होंने बताया कि हम गुणवत्ता और शुद्धता का पूरा ध्यान रखते हैं। शहर में मिठाइयों आदि की आपूर्ति के लिए हमने एक बेस किचन डोहरा रोड पर स्थापित किया है। यहीं से सभी जगह मिठाइयां और नमकीन की आपूर्ति की जाती है।

अमित आहूजा ने जब से कंपनी की बागडोर संभाली है वह इसे नई उंचाइयों की ओर ले जाने को नित नई सोच के साथ प्रयास करते रहते हैं। अजंता की सबसे प्रसिद्ध मिठाइयों में देसी घी की सोन पापड़ी और बेसन की बनी पतीसा सोन पापड़ी है। इसकी काफी डिमांड रहती है। नमकीन में हींग वाली देसी घी से बनी काजू दालमोंठ भी लोगों की पसंद बन चुकी है। स्थानीय स्तर पर जमेटो से आप इन्हें घर पर भी मंगा सकते हैं। आनलाइन मंगाने के लिए कंपनी ने अमेजन से टाईअप किया है। अजंता के दो लोकप्रिय आइटम और हैं।इनमें से एक जूली नाम की बंगाली मिठाई तो दूसरी गुजराती डिस ढोकला है। बेकरी और कन्फेक्शनरी में भी अजंता के पास ढेरों उत्पाद हैं। अब तो अजंता ने कई जगह चाट कार्नर भी खोल लिए हैं।

अजंता स्वीट्स की दुकान में सबसे कम रेट वाली मिठाई पेठा है जो 340 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। यहां की सबसे महंगी मिठाई पिस्ते वाली लौज है जो 4500 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। इसका स्वाद लाजवाब है। नार्मल मिठाई मिक्स में 640 रुपये प्रति किलो आप खरीद सकते हैं। दुकान पर कई प्लेवर की आइसक्रीम का भी आप आनंद ले सकते हैं। गिफ्ट पैक भी यहां उपलब्ध हैं। अजंता स्वीट्स पर अभिनेता विक्रम कोचर,आयुष्मान खुराना के भाई अपार शक्ति खुराना और कुमुद मिश्रा भी आ चुकी हैं। कुल मिलाकर अजंता स्वीट्स का सफर अभी जारी है और इनके मौजूदा के डायरेक्टर अमित आहूजा इसकी पहचान पूरे देश और विदेश में भी पहुंचाने की मंशा के साथ काम कर रहे हैं।

दीनानाथ की कुल्हड़ वाली लस्सी

दूध-दही नहीं, सीधे लस्सी और वह भी दीनानाथ की। आप नावल्टी आएं और दीनानाथ की लस्सी का स्वाद न लें यह तो हो नहीं सकता। 1962 में स्थापित यह ठिकाना नॉवल्टी चौराहा, सिविल लाइंस में पुराने बस अड्डे के पास है और अपनी पारंपरिक लस्सी के लिए जाना जाता है। दुकान में कई प्रकार की लस्सी हमेशा उपलब्ध रहती है। इसमें सादा और स्पेशल लस्सी तक शामिल हैं। अब तो यहां शुगर-फ्री लस्सी तक उपलब्ध है। इसकी शुरुआत 1962 में दीनानाथ जायसवाल ने की थी और अब यह तीसरी पीढ़ी द्वारा चलाया जा रहा है। लाजवाब लस्सी को दूध से दही जमाकर, चीनी और चिरौंजी के साथ फेंटकर और फिर ड्राई फ्रूट्स के साथ कुल्हड़ में परोसा जाता है।

बरेली के अलावा, आसपास के शहरों और यहां तक कि उत्तराखंड से भी लोग भी जब भी बरेली आते हैं इस दुकान पर इसकी लस्सी पीने आते हैं। आप यहां सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक लस्सी का आनंद ले सकते हैं। यहां तीन वैरायटी की लस्सी मिलती है, जिसमें साधारण लस्सी 50 की, नमकीन लस्सी 60 और स्पेशल लस्सी 70 रुपये की मिलती है, जिसे लोग काफी पसंद करते हैं

ये दुकान लगभग 63 साल पुरानी है। वर्तमान में दुकान के मालिक तीसरी पीढ़ी के निशांत जायसवाल ने बताया कि उनसे पहले उनके पिताजी और दादा दुकान संचालित करते थे। लगातार तीन पीढ़ियों से दीनानाथ की मशहूर लस्सी अपने ग्राहकों को लुभा रही है। निशांत का कहना है कि

लस्सी को बनाते समय दूध से लेकर ड्राई फ्रूट तक सभी चीजें अच्छी क्वालिटी की इस्तेमाल होती हैं। इस दुकान को चलाने में निशांत जायसवाल के साथ ही इनके ताऊ के बेटे आशु और चाचा का बेटा प्रियांशु जायसवाल भी पूरे मनोयोग से जुटे रहते हैं। निशांत के दादा ने जब यह दुकान खोली थी तो उस समय यह पांच रुपये में उपलब्ध रहती थी।

चटपटी चाट का ठिकाना चमन चाट भंडार

अगर आप चटपटी चाट के शौकीन हैं और तरह-तरह की चाट का मजा लेना चाहते हैं तो पहुंच जाएं चमन चाट भंडार पर। सिविल लाइंस में हनुमान मंदिर के सामने यह वही जगह है जो आज भी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की पसंदीदा चाट की दुकान बनी हुई है। प्रियंका जब कभी भी बरेली आती हैं तो यहां चाट का मजा लेने जरूर आती हैं। यह दुकान कई तरह की स्वादिष्ट चाट के लिए मशहूर है, जो घर के बने मसालों से तैयार की जाती हैं। आज यह सिर्फ एक ठेला नहीं, बल्कि सुरमे और झुमके की तरह बरेली की पहचान बन चुका है। इसे जमैटो पर ऑनलाइन ऑर्डर कर भी मंगाया जा सकता है। रोजाना करीब 3 बजे से लेकर रात 11 बजे तक यह काउंटर खुला रहता है।

चमन चाट भंडार सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। शाम के समय यहां अपनी बारी के लिए चाट के शौकीनों को लंबी कतारें लगानी पड़ी है। इस दुकान पर चाट के अलावा आलू की टिक्की, पापड़ी चाट, भल्ला पापड़ी, चाउमीन, बर्गर, पाव भाजी, दही भल्ला, भल्ला पपड़ी और आटे व सूजी के गोलगप्पे जैसी कई प्रकार की चाट मिलती हैं। चाइनीज़ फ्यूजन जैसे आलू बर्गर और चाऊमीन भी आकर्षण का केंद्र है।

वर्तमान में जितेन्द्र तलवाड़ और विशाल तलवाड़ की पिता-पुत्र की जोड़ी चमन चाट भंडार के कर्ता-धर्ता हैं। जितेन्द्र तलवाड़ ने बताया कि उनके पिता चमन लाल तलवाड़ ने 1960 में एक छोटे से ठेले पर इसकी शुरुआत की थी। उस वक्त उन्हें अंदाजा नहीं था कि आज उनकी यह छोटी सी ठेली शहर ही नहीं बल्कि बाहर से आने वाले लोगों के जुबान पर चढ़कर बोलने लगेगी। शुरू में वह कुमार सिनेमा के पास ठेला लगाते थे। समय बदला और शहर में भीड़ बढने के साथ ही चाट के शौकीन भी बढ़ने लगे तो 1970 में उन्होंने हनुमान मंदिर के सामने नया ठिकाना बना लिया। इसके साथ ही चाट की वैरायटी भी बढ़ने लगी। आज हालत यह है कि चाहे कितनी भीड़ हो चमन चाट भंडार से कोई ग्राहक खाली नहीं लौट सकता। यहां 20 रुपये से लेकर 80 रुपये तक की चाट का स्वाद आप ले सकते हैं।

चौरसिया पान भंडार

अगर आप बरेली में रहते हैं और कुतुबखाना जाते वक्त सिविल लाइंस में चौरसिया पान भंडार से पान का स्वाद नहीं लेते हैं तो आप भूल कर रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण सामग्री और स्वादिष्ट स्वाद के लिए प्रतिबद्ध यह ठिकाना पान के शौकीनों के लिए एक ऐसी जगह है जहां दिल को एक ठंडक सी मिलती है। यह स्थान सिविल लाइंस में स्थित एक प्रसिद्ध और 55 साल पुराना पान भंडार है, जो अपने अनोखे स्वाद वाले पान और वर्तमान में स्ट्रीट फूड के लिए भी जाना जाता है। यह अपनी पारंपरिक सामग्री, स्वादिष्ट स्वाद और ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा देने के लिए प्रसिद्ध है। यहां कई प्रकार के पान मिलते हैं, जिनमें चॉकलेट पान, बटरस्कॉच पान, मीठा पान, तम्बाकू पान और फायर पान जैसी कई वैरायटी उपलब्ध हैं। यहां आप दोपहर 12 बजे से लेकर रात एक बजे तक पान का आनंद ले सकते हैं।

वर्तमान में इस पान भंडार को चला रहे राकेश चौरसिया उर्फ गुड्डे भाई ने बताया कि आज से करीब 55 वर्ष पहले उनके पिता मुन्ना लाल चौरसिया ने 1971 में इसकी नींव रखी थी। शुरुआत में यहां 25 से लेकर 50 पैसे तक में लोग पान का आनंद लेते थे।

तोलाराम की मशहूर मटका कुल्फी

कभी बांस बरेली के नाम से मशहूर अपना बरेली आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। झुमका और सुरमा वाली बरेली आज की तारीख में देश के बड़े-बड़े शहरों की कतार में खड़ी है। कुल 4120 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले बरेली की अपनी अलग पहचान है। चाहें कोई भी क्षेत्र हो बरेली के लोगों ने अपनी अलग छाप छोड़ी है। यहां का रहन-सहन और खान-पान भी किसी से कम नहीं है। पुराने और नए खान-पान को लेकर बरेली ने लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली है। बरेली के किसी न किसी कोने में सुबह से लेकर रात तक आप खान-पान की विशेष चोजों का आनंद ले सकते हैं।

बात शहर की हो तो कोतवाली के सामने ही तोलाराम की मटका कुल्फी के स्वाद को तो हजारों ही नहीं लाखों लोग जानते ही होंगे। तोलाराम की फालूदा कुल्फी का तो कोई जवाब नहीं है। सिविल लाइंस कोतवाली के सामने स्थित तोलाराम कुल्फी की दुकान वर्ष 1950 में, वर्तमान में इसे संचालित कर रहे तीसरी पीढ़ी के जवाहर लाल तनेजा के दादा तोलाराम जी ने भविष्य के बड़े सपनों के साथ खोली थी। उन्होंने अपनी देखरेख में दूध, मेवा और चीनी को मिलाकर शुद्ध मटका कुल्फी बनाना शुरू किया था।

पहचान बन चुकी अंग्रेजों के समय की फर्न्स बेकरी

सिविल लाइन्स इलाके में बलवंत सिंह मोटर मार्ग पर अंग्रेजों के जमाने की फर्न्स बेकरी किसी पहचान की मोहताज नहीं है। बेकरी की शुरुआत आजादी से पहले एक अंग्रेज फर्नान्डीज ने अपनी बेटी फर्न्स फर्नान्डीज के नाम से की थी। बताया गया कि 90 साल की हो चुकीं फर्न्स आज भी जीवित हैं और लंदन में कहीं रह रही हैं। 1950 तक कोई ईसाई फैमली इस बेकरी को चला रही थी। बाद में केयरटेकर को सौंप यह फैमली भी लंदन चली गई। समय गुजरा और अब खां फैमली के हाथों यह बेकरी है।

मौजूदा समय में चार भाई जाहिद अली खां,मुशाहिद उर्फ दिलशाद, शाहबाज और फरात इस बेकरी के कर्ताधर्ता हैं। बड़े भाई जाहिद अली ने बताया कि उनके पिता मुबारक अली खां और ताऊ मोहम्मद अली ने 1972 में इस बेकरी को खरीद एक नई शुरुआत की और बेकरी नाम फर्न्स बेकरी ही रखा। फर्न्स बेकरी में आज आप कई वैरायटी की पेस्टी और पेटीज का आनंद ले सकते हैं। पेस्टी में चाकलेट-बटर पेस्टी काफी लोकप्रिय है जो 30 रुपये प्रति पीस में उपलब्ध है। पाइन एप्पल और ब्लैक फारेस्ट पेस्टी के ग्राहक भी बहुत हैं। इसके अलावा चिकन, वेज और पनीर से भरी पेस्टी की भी काफी डिमांड रहती है। आलू भरी पेटीज 20 रुपये प्रति पीस में आप ले सकते हैं। जाहिद अली का कहना है कि उनके यहां बनने वाले सारे आइटम फ्रेस क्रीम से ही बनते हैं।

किप्स स्वीट्स: तख्त से आलीशान दुकान तक

किप्स ऑन द लिप्स

लोकप्रिय मिठाइयां

बरेली की बर्फी, मूंग की दाल और घी से बनी रसभरी, ड्राईफ्रूट्स वाले लड्डू खोये से बने और चाशनी में डूबे गुलाब जामुन, मोतीचूर लड्डू, सोहन पापड़ी और विभिन्न प्रकार के खोया और छेना से बनी मिठाइयां। इनके अलावा, किप्स कई अन्य प्रकार की मिठाइयां भी बेचता है जैसे बालूशाही, डोडा बर्फी, खीर कदम, और बेसन लड्डू। किप्स की मिठाइयों की लोकप्रियता इतनी है कि विदेशों तक से लोग आनलाइन आर्डर करके मंगाते हैं।

एक तख्त से शुरु हुआ किप्स स्वीट्स का सफर किसी परीकथा से कम नहीं है। आज के संदर्भ में देखें तो इनका स्लोगन-किप्स आन द लिप्स अपने नाम को सार्थक करते हुए देश-विदेश में एक पहचान बना चुका है। आज किप्स की मिठाई बरेली में एक पहचान है जो अपनी पारंपरिक मिठाइयों के लिए जाना जाता है। इनकी सबसे प्रसिद्ध मिठाई बरेली की बर्फी है जो मुलायम बनावट और भरपूर स्वाद के लिए जानी जाती है। इनके अन्य लोकप्रिय उत्पादों में काजू बर्फी, रसभरी, ड्राई फ्रूट लड्डू, और सोहन पापड़ी आदि शामिल हैं। मक्खन समोसा तो इनका इतना लाजवाब है कि देखते ही मन खाने को ललचा जाए। बेहतर स्वाद और शुद्धता वाला काजू दालमोठ का पैकेट तो इनका खास है जिसके लोग दीवाने हैं।

सुरमे और झुमके की तरह ही किप्स की मिठाई भी आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। 1972 में तख्त पर एक छोटी सी दुकान से इसकी शुरुआत देवेन्द्र खंडेलवाल ने की थी। यह अब बरेली ही नहीं देशभर में एक प्रसिद्ध मिठाई की दुकान के रूप में विकसित हो गई है। विदेशों में भी जो लोग यहां से जाकर बस गए हैं वह भी यदा-कदा मिठाइयां मंगाते रहते हैं या फिर कभी बरेली आते हैं तो ढेर सारी मिठाइयां ले जाते हैं। किप्स के आउटलेट माडल टाउन और राजेन्द्रनगर में भी हैं। वर्तमान में सिर्फ बरेली की जनता के लिए ही नहीं बल्कि बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, परिणीति चोपड़ा, दिशा पाटनी समेत कई बड़े-बड़े कलाकार और राजनेताओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां के स्पेशल ड्राईफ्रूट्स लड्डू मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी काफी पसंद हैं। उनके लिए हर माह या विशेष अवसरों पर ड्राईफ्रूट्स लड्डू भेजे जाते हैं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी भी किप्स की मिठाइयों के मुरीद रहे हैं। वर्तमान में प्रसाद सिनेमा के सामने स्थित किप्स स्वीट शॉप के संचालक राहुल खंडेलवाल के अनुसार यहां प्रत्येक दिन सभी मिठाइयां ताजी मिलती हैं। इन मिठाइयों को बनाने के लिए बेहतर क्वालिटी का सामान प्रयोग किया जाता है। अपने ग्राहकों को वह शुद्ध उत्पाद देने में विश्वास करते हैं, जिससे उनका भरोसा हम पर इसी प्रकार बना आ रहा है। राहुल खंडेलवाल ने बताया कि अभी दिसंबर में पूर्व कंट्रीय मंत्री और वर्तमान में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार के बेटे की शादी होनी है लेकिन मिठाइयों के आर्डर अभी से मिलने लगे हैं।

कुछ खास है त्यागी रेस्टोरेंट की कचौड़ी वाली थाली

अगर आप कचौड़ी खाने के शौकीन हैं और कुतुबखाना पहुंचकर नावल्टी चौराहा के पास पुराने बस अड्डे की तरफ मुड़ते हैं तो अचानक कचौड़ी की खुशबू आपको अनायस त्यागी रेस्टोरेंट में जाने के लिए मजबूर कर सकती है। यह दुकान करीब 61वर्षों से संचालित हो रही है। इसकी शुरुआत 1964 में वीके शर्मा ने की थी। उनके बाद वीके त्यागी ने इसकी कमान संभाली। वर्तमान में त्यागी परिवार के एक करीबी रिश्तेदार इसे चला रहे हैं। त्यागी रेस्टोरेंट में चार कचौड़ी, कद्दू की सब्जी, छोले की सब्जी, आलू टमाटर की सब्जी और अचार के साथ आप भरपेट भोजन का आनंद ले सकते हैं। आप घर बैठे स्विगी के माध्यम से भी आर्डर कर खाद्य सामग्री मंगा सकते हैं।

इसका मैन्यू पुराना है जो आज तक चला आ रहा है। आलू की सब्जी जरूर चटपटी है लेकिन कद्दू की सब्जी मीठी मिलेगी जिसे यहां बड़े चाव से खाया जाता है। सब कुछ गरमा-गरम और ताजा मिलेगा। वर्तमान में अब इस रेस्टोरेंट के बगल में छोले-भटूरे और छोले समोसे का भी आनंद लिया जा सकता है। पूरा त्यागी परिवार इन दोनों सिस्टम को चला रहा है . उनका कहना है कि 12 महीने हमारा स्वाद आपको एक जैसा ही मिलेगा ।

प्रस्तुति-एल.एस. भंडारी, अनिल पटेल

ज्ञान वह हथियार है जो हारने वाले को विजेता बनाता है। एक व्यक्ति को जीवन भर कुछ न कुछ सीखते रहना चाहिए।
-चाणक्य, राजनीतिज्ञ

चाहिए समग्र समाधान

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सीमा को निर्वाचन आयोग द्वारा एक सप्ताह बढ़ा दिया जाना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस दबाव की स्वीकारोक्ति भी है, जो इस अत्यंत विस्तृत प्रक्रिया पर शुरू से ही साफ दिख रहा था। मतदाता सूची पुनरीक्षण अपने आप में एक विशाल अभियान है। हर घर जा कर सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं का विलोपन और त्रुटियों का सुधार, जिसके लिए समय और संसाधनों की पर्याप्त आवश्यकता होती है। ऐसे में समय वृद्धि का यह निर्णय पूरे अभियान की गति, विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाला है। निर्वाचन आयोग की यह स्वीकारोक्ति कि कम समय सीमा जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं, बीएलओ और अधिकारियों के लिए भारी समस्या पैदा कर रही थी, अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह बात समझना कठिन नहीं कि उत्तर प्रदेश जैसा जनसंख्या और भौगोलिक विस्तार वाला राज्य किसी भी राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए एक अलग कार्ययोजना और अपेक्षाकृत अधिक समय की मांग करता है। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आयोग को यह पूर्वानुमान पहले क्यों नहीं था? क्या यह अदूरदर्शिता नहीं कही जाएगी कि इतनी बड़ी प्रक्रिया को शुरू से ही सीमित समय में बांधा गया और फिर दबाव बढ़ने पर पुनः संशोधन की जरूरत पड़ गई? समय वृद्धि का सबसे बड़ा लाभ निःसंदेह बीएलओ और आम मतदाताओं को मिलेगा। बीएलओ पर वर्षों से काम का अतिरिक्त बोझ, अपर्याप्त प्रशिक्षण तथा जटिल एसआईआर रिपोर्टिंग की बाध्यता लगातार मानसिक और शारीरिक तनाव बढ़ाती रही है। मुरादाबाद में एक बीएलओ की दुखद मृत्यु और विपक्ष के इस आरोप कि भारी दबाव के चलते 20 बीएलओ अब तक आत्महत्या कर चुके हैं, एक गंभीर चेतावनी है। इस स्थिति में निर्वाचन आयोग को केवल खंडन या औपचारिक बयान भर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कठोर सुधारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। कार्यभार का संतुलित बंटवारा, तर्क संगत डेडलाइन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां तथा मनोवैज्ञानिक सहायता जैसे कदम अत्यंत आवश्यक हैं।

आज भी मतदाता सूची में संशोधन अथवा नए मतदाता के रूप में पंजीकरण करना, कागजी फॉर्म हो या ऑनलाइन प्रक्रिया- आम लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण है। देश में आधार, पैन, पासपोर्ट और बैंकिंग जैसी सेवाओं का व्यापक डिजिटलीकरण हो चुकने के बाद निर्वाचन आयोग अगर इन नियामक संस्थाओं के डाटा का प्रामाणिक उपयोग कर एक सरल, एकीकृत सत्यापन प्रणाली विकसित करता, तो मतदाता पंजीकरण न केवल सहज होता, बल्कि पुनरीक्षण प्रक्रिया भी अधिक कुशल और लगभग त्रुटिरहित बन सकती थी। फिलहाल केवल एक सप्ताह की समयवृद्धि से यह उम्मीद कि यह प्रक्रिया पूरी तरह सटीक और त्रुटिरहित हो जाएगी, व्यावहारिक नहीं। इससे इतना भर होगा कि कार्यकर्ताओं पर तात्कालिक दबाव घटेगा और कुछ हद तक गुणवत्ता में सुधार संभव है। बीएलओ की आत्महत्याओं पर रोक के लिए केवल समय बढ़ाना पर्याप्त नहीं, कार्यप्रणाली की समग्र समीक्षा और मानवीय दृष्टिकोण से बदलाव आवश्यक है।

प्रसंगवश

मौसम का पूर्वाकलन व नैतिकता का सवाल

इस बार बहुत ज्यादा सर्दी पड़ने वाली है, ऐसी खबरें मीडिया-सोशल मीडिया पर तैर रही हैं। गलत सूचनाओं से न सिर्फ लोगों का जीवन बल्कि इससे बाजार भी प्रभावित होता है। आने वाला मौसम कैसा होगा, इसकी सटीक भविष्यवाणी कर पाना इतना आसान नहीं है। ला-नीना फिनॉमीना का विगत का प्रीडिक्शन चार्ट और इसके बाद का घटनाक्रम देखने से मालूम होता है कि इसमें भविष्याकलन के बाद असली प्रभाव तीन-चौथाई या मिश्रित रहा है, जिसमें इलाका अथवा प्रभावित क्षेत्र बदल गया। प्रीडिक्शन के बारे में बताने के लिए एथिकल गाइडलाइन्स का ध्यान रखना जरूरी है। इसके पश्चात-प्रभावों पर किसी की नज़र नहीं पड़ती।

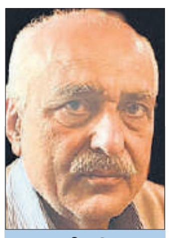

रनबीर सिंह
विज्ञान लेखक

इस बार भीषण शीत रहेगी या नहीं रहेगी, यह जो जनवरी महीना बताएगा, जिसमें अभी एक महीने बाद का समय है। जो होगा वह 15 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 के बीच मालूम हो जाएगा। हिमालय और इससे परे सुदूर उत्तर में रूस और चीन के इलाकों, हिमालय के हिमाच्छादित क्षेत्रों और भारत के मैदानी इलाकों के मौसम संबंधी असली आंकड़े देखने के बाद भारत में ला-नीना के असर के प्रकट होने के बाद ही इस बारे में कुछ कहना उचित होगा।

अभी से कह देना कि इस बार बहुत सर्दी पड़ेगी, उचित नहीं है। इस बार की सर्दी की ऋतु में कड़ाके की ठंढ होने या असल में हाड़ कंपाने वाली सर्दी पड़ने और नॉर्दन मोस्ट लैटिट्युड्स में इसके असर के बारे में ताज़ा वेदर रिपोर्ट्स का इतंजार करना नैतिकता का तकाज़ा है। मौसम के अल्पकालीन मिजाज़ के बारे में एक आकलन के बारे में कह देना काफी नहीं है, बल्कि वह एकदम से सत्य जैसा नहीं दिखना चाहिए बल्कि संभावना जैसा होना चाहिए। मास-मीडिया में सामान्य संभावना को बढ़ा-चढ़ा कर, अलंकारयुक्त शब्दों का प्रयोग करते हुए भय और रोमांच पैदा करना एक खबरनुमा टेक्स्ट को कथा-कहानी बना देता है। ब्लो-अप करने के प्रयास की इकॉनोमिक और सोशल कॉस्ट बहुत होती है। एथिक्स का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

मौसम के बारे में विदेश से आई सूचना को आधार बना कर वस्तुस्थिति को जस का तस भारतीय मीडिया में चस्पा करना उचित नहीं है, बल्कि लोकल एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स से जान लेना जरूरी होता है। खेद है कि ऐसी ख़बरों के बारे में भारत का मौसम विज्ञान विभाग कोई टिप्पणी डिफेमेशन से बचने के लिए नहीं करता। उनकी अपनी वेबसाइट पर भी विदेशी जानकारी चस्पा रहती है, जिस पर उनकी कोई टिप्पणी नहीं होती।

ला-नीना के बारे में जानकारी को कुछ-कुछ देर बाद अप-डेट किया जाता है, जिससे मध्य और पश्चिमी प्रशांत महासागर और तापमान और इसके ऊपर के मौसम के मिजाज़ पर 24X7 निगरानी की जा रही है। सतत् निगरानी से ही मालूम होता है कि हालात बुरे या सामान्य हो सकते हैं। विदेश की खबर में, जिसे अनेक भारतीय चैनल्स ने उठाया है कि ऊपर की हवा मे 'रिवर्स गीयर' लग गया है, वह पहले भी अनेक बार लग चुका है। पृथ्वी की सतह से ऊपर होने वाली एक विशाल मशीनरी का यह नियमित व्यवहार है, जिसमें पोलर एयर करेंन्ट्स के भूमध्य रेखा के ऊपर उमड़ना-घुमड़ना एक सामान्य चर्या होती है। अमेरिका संचालित नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, जिसे भारत मौसम विभाग का अनुमोदन भी प्राप्त है, हवाएं पश्चिमी से पूर्वी दिशा में तेजी से उलट रही हैं, जो सामान्य से दो-तीन महीना पहले हो रहा है। खासतौर से इसकी वजह से ला-नीना भी प्रभावित होगा।

खर्चीली शादियां दिखावे की आखिर इंतेहा क्या है!

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

समय के साथ सामाजिक परिवर्तन एक निरंतर प्रक्रिया है। जो कल था वह अतीत। जो आज है वह समयानुकूल और संभावित कल ही भविष्य। परिवार, कुनबा, समुदाय व समाज की सोच में समयानुरूप बदलाव समीचीन भी। समुचित आय व धन प्रवाह ने बाजार की रूपरेखा भी परिवर्तित कर दी है, लेकिन भारतीय बाजार का अवलंब की मान्यता वाला मध्यम वर्ग जीवन के कुछ उद्देश्यों से कदाचित भटक सा गया है। नई पीढ़ी जिसने दिखावे को अपना 'जीवन दर्शन' मान लिया है। विशेषतया खर्चीली शादियों को, जो 'अंतहीन होड़' की ओर चल पड़ी है।

विवाह हमारी संस्कृति का अतिआवश्यक संस्कार माना जाता है, लेकिन वर्तमान में होने वाले शादी-विवाह एक संस्कार न होकर 'सेलिब्रेशन व फैशन' की भेंट चढ़ता दिख रहा है। वैवाहिक आयोजन आज पूर्णतया बाजारवाद की गिरफ्त में आ चुका है। टीवी सीरियल और सोशल माडिया के 'रील्स' में दिखाए जाने वाले वैवाहिक 'चोंचलेबाजी' आज अधिकांश घरों में देखने को मिल रही है। विवाह की रस्मों अर्थात हल्दी, मेहंदी, संगीत, जयमाला, सप्तपदी, फेरे व सिंदूर-दान आधुनिक दिखावे की भेंट चढ़ चुके हैं। ऐसे नितांत पारिवारिक आयोजनों को बाजार ने एक बड़ा इवेंट बना दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के पूर्व प्री-वेडिंग व डेस्टिनेशन वेडिंग के नाम पर अंधाधुंध खर्च किया जाने लगा है। नृत्य-संगीत, महंगे ड्रेसेज, नाना प्रकार के व्यंजनों वाले लंच-डिनर और उपहारों के आदान-प्रदान से मध्यम वर्ग के 'पांव चादर से बाहर' हो रहे हैं।

समाज में दिखावे का जज्बा यह कि संबंधित परिवार कर्ज लेकर हैसियत से अधिक खर्च कर रहे हैं। अधिकांश गार्जियन तो अपने जीवन की पूरी जमा-पूंजी शादी के दिखावे में 'हवन' कर दे रहे हैं। दिखावटी विवाहोपरांत इस वर्ग में पारिवारिक कलह, बिखराव व भांति-भांति की परेशानियां घर कर जा रही हैं। कई परिवार तो कर्ज के दलदल में ऐसे धंस रहे, जहां से वे जीवनपर्यंत नहीं निकल पा रहे हैं। प्रतिष्ठा का प्रतीक बनती दिखावे वाली शादियां समाज के लिए 'नासूर' बनती जा रही हैं। सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते वैवाहिक वीडियोज तो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। ऐसा केवल शहरों में ही नहीं हो रहा, बल्कि अब गांवों में भी देखने को मिल रहा है।

स्मरण करें, 1970 के दशक की शादियां प्रायः परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं। शहरों में न तो रिसार्ट होते थे, न ही अनगिनत मैरेज हाल। अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम वधू पक्ष के घरों में या उसके आसपास टेंट लगाकर कम से कम खर्च में संपन्न हो जाया करते थे। अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम एक रात में ही संपन्न होते थे। हां, ग्रामीण क्षेत्रों में उस वक्त दो दिन के बरात का चलन अवश्य था, जिसमें वर-वधू पक्ष एक-दूसरे के प्रति आदर भाव और सहयोगात्मक रवैया अपनाते थे। रिश्तों में मर्यादा सर्वोपरि व अपनत्व का भाव स्तरीय था। कम खर्च में शादियां हो जाया करती थीं। वर-वधू के रिश्तों में स्थिरता होती थी, दांपत्य जीवन अनचाही है, मुश्किलों से परे दिखता था। वर्ष 1980 के दशक की शादियां औपचारिकता व भव्यता का मिश्रण थीं।

> 1970 के दशक की शादियां प्राय: परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं।

वर्तमान में होने वाली शादियां संस्कार नहीं, वरन इवेंट का स्वरूप धारण करती जा रही हैं। समाज में अनावश्यक दिखावे का प्रचलन बढ़ गया है। धनाढ्य वर्ग की तरह ही मध्यमवर्गीय भी उसी प्रकार का दिखावा कर अपने बच्चों की शादियां कर रहे हैं। ऐसी शादियों में तथाकथित 'इवेंट मैनेजरों' की तो चांदी हो गई है। वर-वधू को अनेकानेक रस्मों में कब और क्या करना है, वही निर्णय ले रहे हैं। अब अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम एक रात का न होकर दो से तीन दिन तक का हो गया है। हल्दी, मेंहदी, द्वारचार, जयमाल, फेरों व विदाई के मामलों में इवेंट मैनेजर ही निर्णायक भूमिका निभाते दिख रहे हैं।

वर-वधू का मेकअप, पहनावा, तात्कालिक रहन-सहन, इवेंट वाले ही तय कर रहे हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन तो अत्यंत खर्चीला हो चला है। शादियों में लकदक डेकोरेशन व जानदार आतिशबाजी के बीच राजसी वैभव, कैटरिंग के पर्दों से लेकर बर्तन तक भव्यतम हो चले हैं। सोशल मीडिया ने तो सामान्य परिवारों के लोगों को मानसिक रूप से धनाढ्य वर्ग के समीप ला खड़ा किया है। आज का वर-वधू 'नामचीन सेलिब्रिटी' की भांति ही विवाह करने का सपना देखता है। शादी के मंडप को फिल्मी सेट सरीखा बनाने को लालायित वह भूल जा रहा कि उक्त सेलिब्रिटी स्वयं के कमाए धन से खर्चीली शादियां कर रहे, अपना शौक पूरा कर रहे हैं। ब्याजखोरों, बैंक्स से महंगे ब्याज पर धन उधार लेकर अपनी शादी नहीं कर रहे।

शादी के स्थान की बात करें तो शहरों में छोटे बैंक्वेट, फाइव-स्टार हॉल से लेकर फार्महाउस तक, जगहों की कीमत अलग-अलग होती है। किसी बड़े होटल बैंक्वेट स्थल की कीमत सामान्यतया न्यूनतम सजावट, कैटरिंग आदि के साथ 20 से 30 लाख रुपये के मध्य तक तो होती ही है। कपड़ों व गहनों पर भी अमूमन 20 लाख रुपये खर्च हो ही जा रहे हैं। मध्यमवर्गीय परिवार अपने 'चादर का आकार' कदाचित भूलता जा रहा। परिणामस्वरूप 'मीडिया क्रेजी' शादियों में अनाप-शनाप खर्च कर कर्ज के जाल में फंस रहा है।

उन्हें खेती की जमीन, मकान, गहने तक को बेचना पड़ जा रहा है। शादी-विवाह पारिवारिक आयोजन होता है। इसे सादगीपूर्ण तरीके से ही संपन्न किया जाना चाहिए। रोज की जिंदगी में धन नितांत आवश्यक है, इसे बचाने की आवश्यकता है। इवेंट बनती शादियों में फिजूलखर्ची बुद्धिमानी तो कदापि नहीं है। मध्यमवर्गीय परिवारों को फिजूलखर्ची रोकने को चिंतन-मनन करना ही होगा। खास तौर पर संबंधित वर्ग के भावी वर-वधुओं को।

आमने

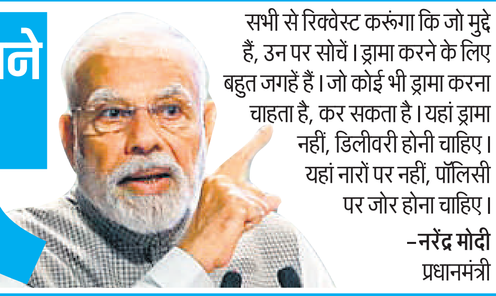

सभी से रिक्वेस्ट करूंगा कि जो मुद्दे हैं, उन पर सोचें। ड्रामा करने के लिए बहुत जगहें हैं। जो कोई भी ड्रामा करना चाहता है, कर सकता है। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां नारों पर नहीं, पॉलिसी पर जोर होना चाहिए।
-नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

सामने

चुनाव की स्थिति, एसआईआर और प्रदूषण बहुत बड़े मुद्दे हैं। पार्लियामेंट किस लिए है? मुद्दे उठाना ड्रामा नहीं है। ड्रामा का मतलब है, चर्चा न होने देना। ड्रामा का मतलब है उन मुद्दों पर डेमोक्रेटिक चर्चा न करना जो जनता के लिए मायने रखते हैं। -प्रियंका गांधी
कांग्रेस सांसद

हास्य का विषय नहीं हो सकते हैं दिव्यांग

रमेश सर्राफ
स्वतंत्र पत्रकार

देश की सर्वाच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने पर विचार करने को कहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने एसएमए क्योर फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से दिव्यांगों और दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों का उपहास करने वाली अपमानजनक टिप्पणियों को अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति अधिनियम की तर्ज पर दंडनीय अपराध बनाने के लिए एक कानून बनाने को कहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायामूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉय माल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अभद्र, आपत्तिजनक और अवैध सामग्री को नियंत्रित करने के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस बारे में पीठ को सूचित किया कि सरकार कुछ दिशा-निर्देश बनाने पर विचार कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हास्य किसी की गरिमा की कीमत पर नहीं हो सकता। याचिका में इंडियाज गॉट लेटेंट के हॉस्ट समय रैना और सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोगों, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर के चुटकुलों की निंदा की गई थी। अदालत ने उन्हें भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश दिया। पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को दिव्यांग व्यक्तियों, विशेष रूप से स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए धन जुटाने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों की सफलता की कहानियों पर प्रत्येक माह दो कार्यक्रम या शो आयोजित करने का भी निर्देश दिया।

> समय रैना एक बार फिर विवादों में है। यह विवाद शुरू हुआ एक कार्यक्रम में दिव्यांगों का मजाक बनाए जाने पर। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने को कहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। इसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हें हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया, लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। तीन दिसंबर को विकलांग दिवस मनाया जाता है। विश्व विकलांग दिवस पर इस वर्ष का विषय है, सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना। यह विकलांग व्यक्तियों को अपने भाग्य को आकार देने और समाज में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।

दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं, जिन्होंने अपने साहस, संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गंवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दांई टांग नहीं है। फिल्म गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूक-बधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार और जयपुर के सुंदर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के पांचवें दौर का पहला चरण 2019-20 में आयोजित किया गया था। एनएफएचएस जनसंख्या, परिवार नियोजन, बाल और मातृ स्वास्थ्य, पोषण, वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा से संबंधित प्रमुख संकेतकों पर अनुमान प्रदान करता है। एनएफएचएस-5 सर्वेक्षण से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद प्रकाशन के विश्लेषण के अनुसार भारत में विकलांग लोगों की कुल व्यापकता जनसंख्या का 4.52 प्रतिशत है। यह डेटा दर्शाता है कि भारत में लगभग छह करोड़ 32 लाख 80 हजार लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन यापन करते हैं। लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता सभी विकलांगताओं में सबसे आम है, इसके बाद मानसिक और वाक् (बोलने से संबंधित) विकलांगताएं हैं।

भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को मायूस होना पड़ता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदंड बनाए हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक, उनके अनुसार दिव्यांगों को दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र जारी ही नहीं करते हैं, जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सुविधाएं पाने से वचिंत रह जाते हैं। दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच बदलने का समय आ गया है।

सोशल फोरम

पांडव पुत्रों का पालन और आज की पैरेंटिंग

नीलेश गुप्ता
ब्लॉगर

महाभारत में एक गहरा प्रसंग आता है। पांडु की मृत्यु के बाद कुंती और माद्री दोनों सती होना चाहती थीं, पर माद्री ने कहा, "यदि आप सती हो गईं और मैं रह गई, तो मैं आपके तीनों बच्चों का पालन वैसे नहीं कर पाऊंगी, जैसे आप कर सकती हैं। अगर मैं सती हो जाऊं और आप रहें, तो आप मेरे दोनों बच्चों- नकुल और सहदेव को भी अपने ही बच्चों की तरह पाल लेंगी। दुनिया यही मानेगी कि कुंती के पांच पुत्र हैं।"

हुआ भी यही। एक स्त्री, अभाव, जंगल, संघर्ष और विधवापन, इन सभी परिस्थितियों में पांच ऐसे पुत्र तैयार करती है, जो आगे चलकर 'धर्म के स्तंभ' कहलाते हैं। जिस दिन भगवान को यह निर्णय करना पड़ा कि वे किसके पक्ष में खड़े होंगे, भगवान ने पांडवों का पक्ष चुना, क्योंकि एक स्त्री ने कठिनाइयों में भी सही 'लालन–पालन' किया था। दूसरी ओर हस्तिनापुर में धृतराष्ट्र जन्मांध थे और गांधारी ने भी अपने पति की परिस्थिति देखकर अपनी आंखों पर स्वेच्छा से पट्टी बांध ली। जब घर में पिता पहले से नेत्रहीन हो और मां भी पट्टी बांधने का निर्णय ले ले तो, यह भी लालन–पालन का ही परिणाम है। महाभारत यह सिखाती है कि पालन-पोषण केवल शरीर पालना नहीं, बल्कि चरित्र, विवेक और भविष्य बनाना है।

यही बात आज हमें समझ नहीं आती। जब मैं क्लास 3–4 में था, हमें सिर्फ एक पेंसिल दी जाती थी। दूसरी पेंसिल तभी मिलती थी, जब पहली पूरी खत्म हो जाए और उसका फिज़िकल प्रूफ दिखाना पड़े। अगर पेंसिल खो जाए, तो नई पेंसिल नहीं मिलती, उल्टा डांट मिलती। इसी से हमने कम में मैनेज करना, पेंसिल बचाकर चलाना, दोस्तों से शेयर करना और हर चीज़ का मूल्य समझना सीखा। हम धीरे-धीरे रिसोर्सफुल बनते गए।

और आज? बच्चे रोज़ पेंसिल खो देते हैं और माता-पिता बिना पूछे रोज़ नई पेंसिल थमा देते हैं। बच्चे को न यह पता है कि चीज़ कहां से आती है? न इसका मूल्य क्या है? न जिम्मेदारी क्या होती है? अगर एक दिन पैरेंट कह दे, "आज नई पेंसिल नहीं मिलेगी"

महाभारत आज भी यही सिखाती है, पैरेंटिंग भविष्य बनाती है। कुंती ने अभावों में भी पांच धर्म–पुत्र बनाए। गांधारी ने आंखें बंद कर लीं। आज हम क्या कर रहे हैं? हम बच्चों को हर मुश्किल से बचा रहे हैं और इसी में उन्हें कमजोर बनाते जा रहे हैं। पैरेंटिंग का मतलब सुविधाएं देना नहीं, संस्कार, जिम्मेदारी और संघर्ष–क्षमता देना है।

सामयिकी

इन्हें काम नहीं कलम और किताब चाहिए

यूनीसेफ के एक सर्वे के अनुसार विश्वभर में 150 मिलियन बाल श्रमिक हैं। विश्व में बाल श्रमिकों की सबसे अधिक संख्या भारत में है। एक आकलन के अनुसार भारत में लगभग 33 मिलियन बाल श्रमिक हैं। फैक्टरियों, होटलों, रेस्टोरेंट, बागानों में काम करते, बोझा ढोते तथा जूते साफ करते बच्चे क्या बन पाते हैं-अशिक्षित, असमर्थ और साधनविहीन नागरिक, जो दूसरों की मर्जी के मुताबिक काम करने को मजबूर हैं। घर की जिम्मेदारी उठाने के लिए विभिन्न जोखिम भरे कार्यों में लगे दस-बारह वर्षीय बालक हमारे प्रजातंत्र के समानता के अधिकार को खुली चुनौती हैं। यह बाल श्रमिक हमारी आर्थिक प्रगति के खोखलेपन को भी सिद्ध करते हैं।

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्यकार

अनेकों मजदूर दिवस आए और चले गए। बाल श्रम को रोकने के लिए कानून बने। बाल श्रमिकों के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाएं बनीं। परंतु ग्यारह वर्षीय भोला के जीवन में इन सबसे कोई परिवर्तन नहीं आया। उसके नन्हे-नन्हे हाथ पूरे दिन लोगों के सैंडिल एवं जूते चमकाते रहते हैं। कभी-कभी अधिक रुपये पाने की लालसा में वह अपनी इकलौती कमीज से ही बाबू लोगों के जूते चमकाने लगता है। पांच रुपये के स्थान पर दस रुपये मिल जाने पर भोला के चेहरे पर ऐसी चमक आ जाती है, मानो उसे दुनिया भर की दौलत मिल गई हो।

प्रेस किए हुए कपड़े घर-घर पहुंचाने के लिए दस वर्षीय हरनाम गली-गली चक्कर काटता रहता है। तीसरी कक्षा के बाद ही उसके पिता ने उसकी पढ़ाई छुड़वा कर उसे काम में लगा दिया। रंग-बिरंगे चमकदार कपड़ों को हरनाम बड़ी हसरत भरी निगाहों से छू-छू कर देखता है। उसके बालमन में भी अच्छे कपड़े पहनने की इच्छाएं मचलती हैं, मगर उसका मजबूर बाप उसे साल में केवल दो जोड़ सस्ते कपड़े ही बनवा पाता है। कई बार तो उसे दूसरे लोगों की उतरन से ही काम चलाना पड़ता है।

घरेलू कार्यों के अतिरिक्त देश में बीड़ी, दियासलाई, सूती वस्त्रों के कारखानों, जूट मिलों, चाय के बागानों, पीतल उद्योग, कलई उद्योग, चूड़ी उद्योग, कालीन उद्योग तथा कार एवं आटो रिपेयर सेंटरों में लाखों बाल श्रमिक काम करते हैं। इन उद्योगों में बाल श्रमिक बुरी तरह शोषित होते हैं। अल्प वेतन, अत्याधिक कार्य, दोषपूर्ण वातावरण, अनैतिक एवं अमानवीय शोषण बाल श्रमिकों की मुख्य समस्याएं हैं।

भारत सरकार द्वारा बाल श्रम को नियंत्रित करने तथा बाल श्रमिकों को अधिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए सन् 1953 में 'बाल अधिनियम' तथा सन् 1958 में 'कारखाना अधिनियम' बनाए गए। सन् 1975 में बंधुआ मजदूरी पर प्रतिबंध लगा दिया गया। सन् 2002 में दुनिया भर में बालश्रम को रोकने के लिए यूनीसेफ द्वारा बाल श्रम निरोधक अधिनियम बनाया गया। भारत सरकार द्वारा सन् 2009 में 'बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम पूरे देश में लागू किया गया। परंतु यह अधिनियम बाल श्रमिकों की दशा सुधारने एवं बाल श्रम को नियन्त्रित करने में निरर्थक एवं खोखले सिद्ध हुए हैं। यह अधिनियम कानून की किताबों के मात्र पृष्ठ बनकर रह गए हैं।

कानून बनाकर किसी समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। आवश्यक है कि समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। बाल श्रम की मुख्य समस्या इनके मां-बाप का निर्धन होना है। वर्तमान समय में भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है, परंतु इसके बावजूद देश के 29 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से नीचे का जीवन यापन करने को मजबूर हैं। आर्थिक विषमता की बढ़ती खाई भी बाल श्रम का प्रमुख कारण है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

परमसत्ता से जुड़ने की प्रक्रिया है अध्यात्म

अध्यात्म पथ स्वयं को समग्र रूप से जानने की, उस परमसत्ता से जुड़ने की तथा आत्म परिष्कार एवं आत्म विस्तार की प्रक्रिया है। कितने ही लोग इस पथ पर चल पड़ते हैं। बड़े उत्साह के साथ शुरुआत करते हैं। फिर रास्ते में ही कुछ हिम्मत हार बैठते हैं। कुछ सांसारिक राग-रंग को ही सब कुछ मान बैठते हैं। कुछ संकीर्ण स्वार्थ-अहंकार के धंधे में उलझकर, जीवन के आदर्श से समझौता कर बैठते हैं। कुछ आलस्य-प्रमाद में भ्रमित होकर बहुमूल्य जीवन को यों ही बर्बाद कर देते हैं। इसमें प्रायः इस समझ का अभाव मुख्य कारक रहता है कि अध्यात्म चेतना के परिष्कार का विज्ञान है, जिसमें जन्म-जन्मांतरों से मलिन चित्त एवं भ्रमित मन के साथ वास्ता पड़ रहा होता है। अचेतन मन के महासागर को पार करते हुए चेतना के शिखर का आरोहण करना होता है। आगे बढ़ना होता है।

निःसंदेह मार्ग कठिन है। दुरूह है। पूर्व में कृत कर्मराशि जब पहाड़ जैसा चट्टानी अवरोध बनकर राह में खड़ी हो जाती है, तो साधक की आस्था डांवाडोल हो जाती है। सस्ती पूजा-पत्री, भोग-चढ़ावे व चिह्न पूजा के सहारे धर्म-आध्यात्म के पथ पर बहुत कुछ बटोरने के फेर में चला पथिक मार्ग में ही धराशाई हो जाता है। यहां तक कि नास्तिक हो जाता है और भगवान तथा समर्थ गुरु तक को कोसने लगता है। जबकि धर्म-अध्यात्म पथ का अपना विधान है, विज्ञान है। इसकी थोड़ी सी भी समझ साधक को राजमार्ग से विचलित नहीं होने देती। वह पगडंडियों में नहीं उलझता। धर्म-अध्यात्म की शुरुआत धार्मिकता की प्राथमिक कक्षा से होती है, जिसमें पूजा-पाठ से लेकर कर्मकांड का सहारा लिया जाता है, लेकिन स्वाध्याय एवं आत्मचिंतन के साथ साधक की समझ भी सूक्ष्म होती जाती है। आस्तिकता के भाव के जाग्रत के साथ, श्रद्धा-निष्ठा परिपक्व होती है। इसी तैयारी के बाद अध्यात्म की कक्षा में प्रवेश मिलता है।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

आश्चर्य नहीं कि अध्यात्म पथ पर चलने वाले ऋषियों ने इसे छुरे की धार पर चलने के समान दुस्साध्य बताया है, लेकिन इस विकट पथ का वरण करने वाले मुमुक्षु पथिकों ने भी कब हार मानी है। मार्ग की दुरूहता को जानते हुए भी अंतस की पुकार के बल पर वे हर युग में इस पथ का संधान करते रहे हैं। किसी समर्थ के अवलंबन के साथ अपार धैर्य, अनंत श्रद्धा और अनवरत प्रयास के साथ अभीष्ट को सिद्ध करते रहे हैं। निःसंदेह समर्थगुरु (पूर्णगुरु) का अवलंबन कार्य को और सरल बना देता है। हमारा परम सौभाग्य है कि अवतारी गुरुसत्ता का सानिध्य हमें मिला। हमारे गुरुवर के सिद्धसूत्रों के साथ अध्यात्म का व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक स्वरुप हमारे लिए सहज सुलभ है, लेकिन इनको जीवन में वरण करने, धारण करने के लिए साहस, निष्ठा एवं तैयारी की न्यूनतम मांग है। आखिर हर मांग अपनी कीमत मांगता है, जो चीज जितनी कीमती होती है, उसका उतना ही मूल्य भी चुकाना होता है। एक किसान, व्यापारी व विद्यार्थी तन-मन व धन की सारी पूंजी झोंक देता है। तब कहीं जाकर समस्त सुख-सुविधाओं को त्यागते हुए एकांतिक प्रयास एवं निष्ठा के बल पर अभीष्ट मंजिल तक पहुंचता है। इसी प्रकार आध्यात्म पथ भी अपनी कीमत मांगता है, जिसमें चित्त-चेतना की शुद्धि एवं परिष्कार मुख्य है। स्वयं को गलाकर-मिटाकर सब कुछ पाने की कला अध्यात्म है। इसमें सबसे पहले चित्त का परिष्कार करना होता है। इसी के साथ जन्मों से अज्ञान के परदे में ढका आत्मज्ञान का सूर्य प्रकाशित होता है और अपने ईश्वरीय अस्तित्व का बोध कराता है। वैसे तो समर्थगुरु (पूर्णगुरु) एवं परमात्मा की कृपा तो सदा ही उनकी सभी संतानों पर अनवरत रुपों में बरसती रहती है। इसको ग्रहण करने व धारण करने की क्षमता का अभाव ही मुख्य कारण है कि अधिकांशतया जीवन इनसे रीता रह जाता है। जिस मात्रा में साधक-शिष्य इसको धारण कर पाता है, उसी अनुपात में उसका आत्मिक विकास होता है। अध्यात्म विज्ञान का कार्य अंततः जीवन का कायाकल्प है। मनुष्य में देवत्व का उदय है। यह उसकी अंतर्निहित दिव्य संभावनाओं व क्षमताओं का जागरण एवं विकास है।

आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण

चित्त के प्रक्षालन के साथ इसका परिष्कार प्रारंभ होता है, जो स्वयं में समयसाध्य एवं कष्टसाध्य प्रक्रिया है। अपार धैर्य, अटूट श्रद्धा एवं निरंतर प्रयास के साथ यह कार्य संपन्न होता है। बार-बार असफलता के बाद भी साधक हिम्मत नहीं हारता और बार-बार प्रयास करता है। हजार असफलताओं के बाद हजार बार प्रयास करने का जीवट और हर हार के बाद पुनः उठकर आगे बढ़ने का अदम्य साहस अध्यात्म पथ को परिभाषित करता है। अध्यात्म पथ पर अभीष्ट को उपलब्ध सभी साधकों के जीवन दृष्टांत इसी सत्य की गवाही देते हैं। परमपूज्य गुरुदेव ने इसके निमित्त आत्मनिरीक्षण, आत्मसमीक्षा, आत्मसुधार व आत्मनिर्माण की प्रक्रिया का प्रतिपादन किया है। दैनिक जीवन में आत्मबोध से लेकर तत्वबोध की व्यावहारिक साधना को बताया है, जिसमें संयम, स्वाध्याय और सेवा के साथ उपासना, साधना, आराधना की त्रिवेणी में अवगाहन करना पड़ता हैं। परमपूज्य गुरुदेव का यह मार्गदर्शन साधक को अपनी स्थिति के अनुरूप सीखने को प्रेरित करता है और देर-सवेर आध्यात्म पथ पर चलते हुए आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण के महान उद्वेश्य को पूर्ण करता है।

गुरुदेव व दैवी कृपा साथ रहते हुए भी साधक को एकाकी ही इस पथ को पार करना होता है। अपनी अंतरात्मा की पुकार पर आध्यात्म पथ पर आरूढ़ साधक इस मार्ग का सहर्ष वरण भी करता है। इसके लिए पथ के काटों की चिंता नहीं करनी। लोग क्या कहते हैं और क्या करते हैं, इसकी चिंता कौन करे? गुरुकृपा से अपनी आत्मा ही मार्गदर्शन के लिए पर्याप्त है। लोग अंधरे में भटकते हैं। भटकते रहें। हम अपने विवेक के प्रकाश का अवलंबन कर स्वतः ही आगे बढ़ेंगे। कौन विरोध करता है, कौन समर्थन इसकी गणना क्या करनी हमें? अपनी अंतरात्मा, अपना साहस अपने साथ है और हम वही करेंगे, जो करना अपने जैसे सजग साधकों के लिए उचित और उपयुक्त है।

पौराणिक कथा

वृषभध्वज और गौ माता

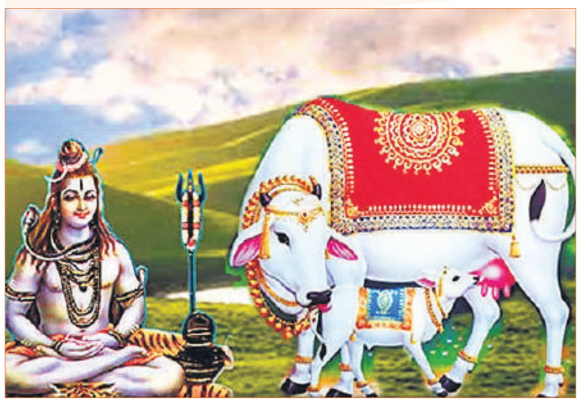

महाभारत अनुशासन पर्व में वृषभ ध्वज की कथा आती है। एक बार गौ माता सुरभि का बछड़ा दूध पी रहा था। दूध पीते हुए बछड़े के मुख पर दूध की झाग लग गई। वही झाग हवा से उड़कर भगवान शंकर के मस्तक पर जा गिरी। ऐसा होने पर भगवान शिव कुछ क्रोधित हो गए। उस समय प्रजापति जी ने भगवान शंकर से कहा, "हे प्रभु! आपके मस्तक पर, जो दूध का छींटा पड़ा है। वह अमृत है। बछड़ों के पीने से गाय का दूध जूठा नहीं होता। जैसे अमृत का संग्रह करके चंद्रमा उसे बरसा देता है, वैसे ही रोहणी गायें भी अमृत से उत्पन्न दूध को बरसाती हैं। जैसे वायु, अग्नि, सुवर्ण, समुंद्र और देवताओं का पिया हुआ अमृत, कभी जूठे नहीं होते, वैसे ही बछड़ों को पिलाती हुई गौ भी कभी दूषित नहीं होती। ये गौमाता अपने दूध-घी से समस्त जगत का पोषण करती हैं। सभी लोग इन गौओं के अमृतमय पवित्र दूध रुपी ऐश्वर्य की इच्छा करते हैं।" तत्पश्चात प्रजापति जी ने महादेव जीको बहुत सी गौ और एक बैल दिया। इस पर शिवजी ने प्रसन्न होकर वृषभ अर्थात बैल को अपना वाहन बनाया और अपनी ध्वजा को उसी वृषभ के चिह्न से सुशोभित किया। इसी से उनका नाम 'वृषभ ध्वज' पड़ा। फिर देवताओं ने महादेव जी को पशुओं का स्वामी बना दिया और गौओं के बीच में उनका नाम 'वृषांक' रखा गया।

-फीचर डेस्क

बोधकथा

ज्ञान कक्षा का मोहताज नहीं

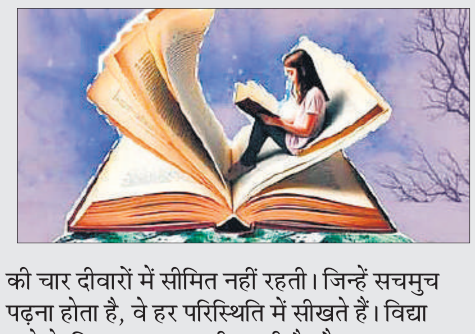

एक समय की बात है, एक विद्यार्थी पढ़ाई में अत्यंत होशियार माना जाता था। उसकी लगन और समझदारी की चर्चा पूरे विद्यालय में थी, लेकिन अचानक वह एक गंभीर बीमारी की चपेट में आ गया। कई दिनों तक बिस्तर पर रहने के कारण उसकी विद्यालय में उपस्थिति बहुत कम हो गई। स्थिति ऐसी बन गई कि वह परीक्षा में बैठने की शर्त भी पूरी न कर सका।

यह बात उसके लिए अत्यंत चिंता का विषय बन गई। उसे लगने लगा कि अब एक साल पीछे रह जाना तय है। उसका मन घबराहट और निराशा से भर गया। अंततः अपने मन का बोझ हल्का करने के लिए वह प्रख्यात विद्वान और मार्गदर्शक मदन मोहन मालवीय जी के पास पहुंचा। विद्यार्थी ने कांपती आवाज में अपनी व्यथा रखी, "बाबूजी, मैं बीमारी के कारण परीक्षा में नहीं बैठ पाऊंगा। लगता है मुझे एक साल और उसी कक्षा में रहना पड़ेगा।" मालवीय जी बड़े ध्यान से उसकी बातें सुनते रहे। फिर अत्यंत शांति से बोले, "एक बात बताओ बेटा, पढ़ना अच्छी चीज है या बुरी?"

विद्यार्थी ने तुरंत उत्तर दिया, "अच्छी चीज है।" मालवीय जी मुस्कुराए और बोले, "तो फिर पढ़ने से डर कैसा? विद्यार्थी को दर्जे का, कक्षा का, साल का इन सबका विचार छोड़कर पूरे मन से सीखने पर ध्यान देना चाहिए। ये दर्जे तो मनुष्य ने अपने सुविधा के लिए बना दिए हैं, ज्ञान इन्हें नहीं मानता।" उनकी बात सुनकर भी विद्यार्थी का चेहरा उदास बना रहा। उसकी मायूसी देखकर मालवीय जी ने गहरी आवाज़ में समझाया, "मेरा विश्वास मानो, असली पढ़ाई स्कूल और कॉलेज की चार दीवारों में सीमित नहीं रहती। जिन्हें सचमुच पढ़ना होता है, वे हर परिस्थिति में सीखते हैं। विद्या पाने के लिए तपस्या करनी पड़ती है और यह तपस्या जीवनभर चलती है। दुनिया के अनुभव, परिस्थितियां, कष्ट- यही सबसे बड़े गुरुकुल हैं, जिसे सीखने की आग होती है, उसके लिए साल पीछे रह जाना कोई बाधा नहीं।" वे आगे बोले, "जीवन में हमें बहुत-सी बातें किताबों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों से सीखने को मिलती हैं। बीमारी, कठिनाइयां, संघर्ष-ये सब भी शिक्षक हैं। इसलिए यदि तुम सचमुच विद्वान बनना चाहते हो, तो दर्जे की चिंता छोड़कर ज्ञान का पथ पकड़े रहो।" मालवीय जी के इन शब्दों ने विद्यार्थी के मन का बोझ हल्का कर दिया। उसे समझ आ गया कि पढ़ाई सिर्फ परीक्षा पास करने का साधन नहीं, बल्कि जीवन को सही दृष्टि देने वाली साधना है। वह नए उत्साह से भरकर वापस लौटा। सच यही है, जो सीखने वाला हृदय रखता है, उसके लिए हर दिन, हर अनुभव, हर संघर्ष एक नई पाठशाला बन जाता है। यही इस कथा का संदेश है।

-नृपेन्द्र अभिषेक नृप

संस्कारः आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध

डॉ. रज्जन कुमार
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

'संस्कार' मात्र धार्मिक कर्मकांड ही नहीं अपितु मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार है। यह मानव जीवन के सामाजिक, धार्मिक, नैतिक एवं शैक्षिक मूल्यों को एक दिशा प्रदान करता है, जिसके आधार पर व्यक्ति दैहिक एवं भौतिक विकास के साथ ही सुव्यवस्थित एवं सुसंस्कृत जीवनयापन करता है। संस्कारों का विधान अलौकिक पृष्ठभूमि में किया गया है तथा इनकी उत्पत्ति में मानवीय प्रवृत्तियों का विशेष येगदान माना गया है, जिनका आधार आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध है।

संस्कार अपनी प्रकृति के अनुसार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं। संस्कृत साहित्य में मानव जीवन के इन विविध क्रमों से संबंधित संस्कार के कई प्रकार मिल जाते हैं। यद्यपि संस्कारों के भेद एवं उनके नामों के लेकर विद्वानों मे मतैक्य नहीं है फिर भी इस दिशा में एक रुपता लाने के प्रयास विद्वानों द्वारा समय-समय पर अवश्य हुए हैं। विद्वानों का इस दिशा में किया गया यह प्रयास ही संस्कारों को सुनियोजित एवं व्यावहारिक मूल्य प्रदान कर सका है। वर्तमान में मुख्य संस्कारों की संख्या कुछ नाम भेद के साथ 16 बताई गई हैं, जैसे-गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, चूड़ाकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, विद्यारम्भ, उपनयन, वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन, विवाह एवं अन्त्येष्टि-श्राद्ध। इन षोडश संस्कारों में कुछ संस्कार आज भी भारतीय जनमानस में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाए हुए हैं। जातकर्म, नामकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, उपनयन, विवाह एवं अंत्येष्टि-श्राद्ध आदि संस्कारों में से उपनयन एवं विवाह संस्कार का सामाजिक जीवन के लिए तो महत्व अधिक है, परंतु इसके पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य का अभाव दृष्टिगोचर होता है। मृत्यु अथवा अन्त्येष्टि संबंधी संस्कार के पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य की प्रधानता होती है। अतः यह कहा जा सकता है कि संस्कार संबंधी क्रियाओं को स्वीकार करने के पीछे भारतीय जनमानस में धार्मिक संचेतना के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सामाजिक मूल्य की पृष्ठ भूमि भी गतिमान रही है। अतः हमें यह स्वीकार करने में कोई संशय नहीं रह जाता है कि आज भी संस्कार पहले की भांति धार्मिक एवं सामाजिक धरातल पर अपना अस्तित्व बनाए हुए है।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि संस्कार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं, जिनका मानव जीवन में अपना महत्व एवं मूल्य बना हुआ है। भारतीय संस्कृति में तीन प्रकार के शरीरों का वर्णन हुआ है-सूक्ष्म शरीर, स्थूल शरीर एवं कारण या लिंग शरीर। इनमें स्थूल शरीर के द्वारा कृत कार्यों का समापन मृत्यु के उपरांत सूक्ष्म शरीर के द्वारा भी किया जाता है। तात्पर्य यह है कि सूक्ष्म शरीर प्राप्त होने पर भी स्थूल शरीर द्वारा कृतकर्म क्षय को प्राप्त नहीं होते तथा पुनः जन्म लेने के बाद सूक्ष्म शरीरस्थ संस्कारों को व्यक्ति अपने क्रिया क्षेत्र में लाता है। क्योंकि प्रकृति के सूक्ष्म तत्वों से सभी प्रकार के शरीर बनते हैं, जो स्वरूपतः भौतिक हैं। अतः भौतिक पदार्थों से निर्मित शरीर को भैतिक सुखों की आवश्यकता होती है। सूक्ष्म शरीर द्वारा किए गए कार्यों का संबंध स्थूल शरीर से होता है, जो हमारे मस्तिष्क में तथा स्थूल शरीर में व्याप्त हो जाते हैं, जो कि अन्य जन्मांतरों में साथ-साथ होने के कारण स्थूलशरीर द्वारा भोगे जाते हैं। सूक्ष्मशरीर की सत्ता का प्रमाण शास्त्रों में बहुधा प्राप्त होता है तथा बिना स्थूलशरीर के हम सब कुछ जान लेते हैं। उदाहरण स्वरूप जैसे नासिका के सामने कोई पुष्प लाया जाए तथा घ्राणेन्द्रिय का निरोध करके कान से यदि हम सूंघने का प्रयास करते हैं, तो कान रूपी इंद्रिय उस पुष्प की सुगंध को ग्रहण नहीं कर सकती। योगी लोग सूक्ष्म शरीर के स्थूल शरीर से पृथक कर सकते हैं तथा पुनः नए शरीर में भी प्रवेश कर सकते हैं। इस प्रकार वह स्वभावतः संस्कारों के भी बदल देते हैं। संस्कृत साहित्य में संस्कारों से संबद्ध परंपराओं एवं मान्यताओं का यथा स्थान विवेचन हुआ है, जिनसे यह संकेत मिलता है कि इस संसार में लौकिक एवं अलौकिक शक्तियां हैं, जिनके मध्य अटूट संबंध है, जो मानव जीवन को एक प्रेरणा प्रदान करता हैं। संस्कार यहां एक प्रेरकतत्व के रूप में विकसित हुआ है, जो मनुष्य को कई प्रकार की लौकिक एवं अलौकिक शक्तियों से युक्तकर उसके जीवन में सुख-शांति का आधान करता है। संस्कार जीवन के विभिन्न अवसरों पर संपन्न एवं आयोजित किए जाते हैं। तद्नुसार ये अवसर एवं जीवन को महत्व एवं पवित्रता प्रदान करते हैं। संस्कार कदाचित् जीवन की घटनाओं के प्रति मनुष्य के भीतर व्याप्त उदासीनता को कम करने की प्रेरणा प्रदानकर जीवन के विकास के क्रम को महत्व प्रदान करउसे एक सामाजिक मूल्य प्रदान करते हैं। मनुष्य को इस बात का बोध हो जाता है कि जीवन की घटनाएं मात्र शारीरिक क्रियाओं का नाम नहीं अपितु एक चिरंतन प्रवाह है, जिनमें सामाजिक संचेतना है, आध्यात्मिक उत्क्रांति है तथा सांस्कृतिक मूल्य के संरक्षण का भाव है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,641.90	26,175.75
गिरावट	64.77	27.20
प्रतिशत में	0.08	0.10

सोना 1,33,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,77,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जीएसटी संग्रह 1.70 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह नवंबर में 0.7% की मामूली वृद्धि के साथ 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा है। घरेलू राजस्व में गिरावट से संग्रह कम हुआ है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जीएसटी संग्रह गत वर्ष नवंबर में 1.69 लाख करोड़ से कुछ अधिक रहा था। आलोच्य महीने में सकल घरेलू राजस्व 2.3% घटकर 1.24 लाख करोड़ रुसे अधिक रहा। यह गिरावट 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी के बाद आई है। वस्तुओं के आयात से राजस्व 10.2% बढ़कर 45,976 करोड़ रुपये रहा।

एसडब्लूआरईएल को 1,381 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एसडब्ल्यूआरईएल) को गुजरात में अडाणी ग्रीन एनर्जी से 1,381 करोड़ का ठेका मिला है। एसडब्लूआरईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि उसने गुजरात के खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क में आने वाली तीन सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) से 1,381 करोड़ का बैलेंस ऑफ सिस्टम (बीओएस) ठेका हासिल किया है। खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में से एक है। एसडब्लूआरईएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (वैश्विक) चंद्र किशोर ठाकुर ने इसकी जानकारी दी।

मीशो आईपीओ की राशि से देगी वेतन

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक समर्थित ई-कॉमर्स कंपनी मीशो की योजना आईपीओ से प्राप्त 480 करोड़ का उपयोग कृत्रिम मेधा (एआई) एवं प्रौद्योगिकी टीमों के वेतन के भुगतान के लिए करने की है। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से जुड़े दस्तावेजों से इसकी जानकारी मिली। इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर इस बात पर बहस छिड़ गई है कि क्या आईपीओ से हासिल राशि का ऐसा (कर्मचारियों के वेतन पर खर्च) उपयोग चिंताजनक होना चाहिए या यह प्रौद्योगिकी प्रतिभा पर दीर्घकालिक दांव लगाने का संकेत है। आईपीओ से प्राप्त राशि के उपयोग का विवरण देते हुए कंपनी ने बताया कि 480 करोड़ हमारी अनुषंगी कंपनी मीशो टेक्नोलॉजीज द्वारा एआई व प्रौद्योगिकी विकास को मशीन लर्निंग तथा एआई एवं प्रौद्योगिकी दलों के कर्मचारियों को वेतन के लिए निर्धारित किए गए हैं।

आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर

अक्टूबर में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 0.4% पर आई

- एनएसओ के अनुसार, आईआईपी में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से अक्टूबर में देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 13 महीनों के निचले स्तर 0.4% पर आ गई। सोमवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) से जारी आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी है। एक साल पहले की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 3.7% बढ़ा था। आईआईपी का पिछला निचला स्तर सितंबर, 2024 में दर्ज किया गया था जब यह स्थिर रहा था। इएनएसओ ने सितंबर, 2025 के आंकड़ों को संशोधित करते हुए वृद्धि दर को 4 से बढ़ाकर 4.6% किया है।

आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 1.8% पर आ गई, जबकि साल भर पहले यह 4.4% रही थी। आलोच्य महीने में खनन क्षेत्र के उत्पादन में 1.8% की गिरावट आई, जबकि गत वर्ष यह 0.9% बढ़ा था। इस दौरान बिजली उत्पादन में भी 6.9% की गिरावट दर्ज की गई जबकि पिछले साल यह दो प्रतिशत बढ़ा था। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश के औद्योगिक उत्पादन में कुल 2.7% की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 4% थी। विनिर्माण क्षेत्र में शामिल 23 में से नौ उद्योग खंडों ने अक्टूबर में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि रही।

उपयोग-आधारित वर्गीकरण के मुताबिक, पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.4% की बढ़ोतरी हुई जबकि एक साल पहले यह 2.9% थी। टिकाऊ उपभोक्ता खंड में आलोच्य माह के दौरान 0.5% की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 5.5% की बढ़ोतरी हुई थी। अक्टूबर, 2025 में गैर-टिकाऊ उपभोक्ता खंड में उत्पादन 4.4% गिर गया जबकि एक साल पहले इसमें 2.8% की वृद्धि हुई थी। ढांचागत क्षेत्र/ निर्माण उत्पादों के खंड में उत्पादन बढ़कर 7.1% हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में 4.7% बढ़ोतरी रही थी। आंकड़ों से पता चला कि प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन अक्टूबर माह में 0.6% घटा है जबकि एक साल पहले यह 2.5% बढ़ा था। मध्यवर्ती उत्पाद खंड में इस महीने 0.9% की बढ़त रही जबकि एक साल पहले इसमें 4.8%की वृद्धि हुई थी।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नौ माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में नौ महीने के निचले स्तर पर आ गईं। चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों की खबरों के बीच बिक्री एवं उत्पादन में धीमी वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्टूबर के 59.2 से नवंबर में 56.6 पर आ गया। यह फरवरी के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे धीमी गति का संकेत देता है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि नवंबर के पीएमआई आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि अमेरिकी शुल्क के कारण विनिर्माण विस्तार धीमा हुआ है। इसमें कहा गया कि कंपनियों ने हालांकि सुझाव दिया कि अंतर्राष्ट्रीय बिक्री का रुझान अनुकूल बना हुआ है जो अफ्रीका, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में ग्राहकों को अधिक बिक्री को दर्शाता है।

- पीएमआई अक्टूबर के 59.2 से घटकर नवंबर में 56.6 पर आया

कोयला व लिग्नाइट की खोज की अनुमोदन प्रक्रिया हुई सरल

- कारोबार सुगमता और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

कोयला मंत्रालय ने कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक से संबंधित अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाया है। इस कदम का मकसद कारोबार सुगमता को बढ़ाना और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देना है। नई प्रक्रिया में अब 2022 में इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समिति से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।

मंत्रालय के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने पहले की कार्यप्रणाली की समीक्षा की है। क्यूसीआई-एनएबीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त एवं अन्य एपीए द्वारा समकक्ष समीक्षा प्राप्त अधिसूचित मान्यता प्राप्त अन्वेषण एजेंसियों (एपीए) द्वारा तैयार कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक के लिए अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट (जीआर) के अनुमोदन के लिए तंत्र को सरल बनाया है। देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए कोयला एवं लिग्नाइट संसाधनों का तेज, अधिक कुशल और प्रौद्योगिकी रूप से मजबूत अन्वेषण आवश्यक है।

कोल इंडिया का उत्पादन घटकर 45.35 करोड़ टन

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 3.7% घटकर 45.35 करोड़ टन रह गया। सरकार देश में कोयला उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कई कदम उठा रही है, इसके बावजूद यह गिरावट आई। देश के कुल कोयला उत्पादन में 80% से अधिक हिस्सा रखने वाली कोल इंडिया ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 47.1 करोड़ टन का कोयला उत्पादन किया था।

सोने में आया 3,040 रुपये का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

मजबूत वैश्विक रुख और कमजोर डॉलर के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 3,040 रुपये उछलकर 1,33,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चल रहे शादियों के मौसम के बीच आभूषणों की सतत मांग से कीमती धातु को समर्थन मिला।

व्यापारियों ने कहा कि सोना अब अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.9% शुद्धता) और 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.5%) के करीब है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सोने ने पिछले हफ्ते की तेजी को आगे बढ़ाया, जिसे डॉलर के कमजोर होने, अगले हफ्ते फेडरल रिजर्व के द्वारा ब्याज दर कटौती की बढ़ती उम्मीदों, बड़े बैंकों के अच्छे अनुमानों और सेंट्रल बैंक की मजबूत खरीदारी से समर्थन मिला, ये सभी बाजार को ऊपर ले जाने में मदद कर रहे हैं।

सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी पांचवें दिन ऊपर चढ़ती रही, जो 5,800 रुपये बढ़कर 1,77,000 रुपये प्रति किग्रा (सभी टैक्स) हो गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 42.29 डॉलर या 1% बढ़कर 4,261.52 डॉलर प्रति

- मजबूत वैश्विक रुख और शादियों के मौसम से आभूषणों की मांग से कीमती धातु को मिला समर्थन

औंस हो गया, जबकि डॉलर सूचकांक 0.19% घटकर 99.27 रह गया, जिससे सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला। साल की शुरुआत से सोने की कीमत 63.6%बढ़ गई है। लगातार छठे दिन बढ़ते हुए, हाजिर चांदी 2% बढ़कर वैश्विक बाजारों में 57.85 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई। पिछले हफ़्ते चांदी 15.7% उछली और 2025 में अब तक दोगुनी गई गई। ऑगमोंट में शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि चांदी की कीमत सिर्फ़ 11 महीनों में दोगुनी हो गई है और सोने से ज्यादा बढ़ी है, भले ही वर्ष 2025 में सोना सबसे लोकप्रिय जिंस था।

शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे फिसला

- वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली से दोनों सूचकांक में आई गिरावट
- सत्र के दौरान सेंसेक्स 452.35 और निफ्टी 122.85 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अंत में मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। उच्चस्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से दोनों मानक सूचकांक... बीएसई सेंसेक्स में 65 अंक की गिरावट आई जबकि एनएसई निफ्टी 27 अंक के नुकसान में रहा।

बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाकर 64.77 अंक की गिरावट के साथ 85,641.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, 452.35 अंक चढ़कर 86,159.02 अंक के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी 27.20 अंक की गिरावट के साथ 26,175.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 122.85 अंक चढ़कर 26,325.80 अंक के उच्चस्तर पर पहुंचा था। विशेषज्ञों के अनुसार, दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर जीडीपी वृद्धि के बाद इस सप्ताह आरबीआई के प्रमुख ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में उच्चस्तर पर गिरावट देखी गई। जीएसटी संग्रह में धीमी वृद्धि और उच्चस्तर पर मुनाफावसूली से भी बाजार नुकसान में रहा। बाजार शुरुआती कारोबार में अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था। इसका कारण जुलाई-सितंबर में भारत की अर्थव्यवस्था के अनुमान से अधिक 8.2% की दर से बढ़ने के बाद निवेशकों की धारणा सकारात्मक थी। यह छह तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है।

मिडकैप नीचे, स्मॉलकैप में मामूली बढ़त

मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.19% नीचे आया जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप सूचकांक मामूली 0.05% की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।

डीआईआई ने 4,148.48 करोड़ के शेयर खरीदे

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,795.72 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,148.48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.96 प्रतिशत बढ़कर 63.60 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शुक्रवार को सेंसेक्स 13.71 अंक की मामूली गिरावट के साथ 85,706.67 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 12.60 अंक के नुकसान में रहा था।

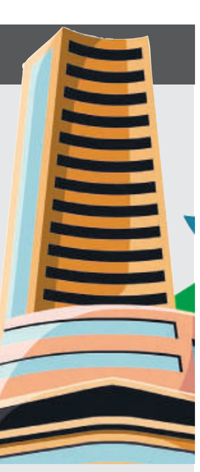

वक्फ संपत्ति विवरण पर समय सीमा बढ़ाने से सुप्रीम इन्कार

उम्मीद पोर्टल पर विवरण अपलोड करने संबंधित याचिका पर हुई सुनवाई

- पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा- समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से करें संपर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'उम्मीद' पोर्टल पर 'वक्फ बाय यूजर' सहित सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से संपर्क करें।

हमारा ध्यान धारा 3बी के प्रावधान की ओर आकर्षित किया गया है। चूंकि आवेदकों के पास न्यायाधिकरण के समक्ष उपाय उपलब्ध है इसलिए हम सभी आवेदनों का निपटारा करते हुए उन्हें छह महीने की अवधि की अंतिम तिथि तक न्यायाधिकरण का रुख करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी और कई अन्य ने सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया है। इससे पहले एक वकील ने कहा था कि वक्फ के अनिवार्य पंजीकरण की छह महीने की अवधि समाप्त होने वाली है। उच्चतम न्यायालय ने 15 सितंबर को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिनमें यह भी है कि केवल वे लोग ही किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में दे सकते हैं जो पिछले पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि केंद्र ने दुरुपयोग को देखते हुए 'वक्फ बाय यूजर' प्रावधान को हटा दिया और प्रत्याशित रूप से यह 'मनमाना' नहीं था। वक्फ बाय यूजर से आशय ऐसी संपत्ति से है, जहां किसी संपत्ति को औपचारिक दस्तावेज के बिना भी धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उसके दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर वक्फ के रूप में मान्यता दी जाती है, भले ही मालिक द्वारा वक्फ की औपचारिक, लिखित घोषणा न की गई हो।

असम में विशेष संक्षिप्त संशोधन कराने के चुनाव आयोग के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें असम में चुनाव नामावली का केवल विशेष संक्षिप्त संशोधन करने का निर्णय लिया गया है, जबकि बिहार सहित 12 अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन संशोधन कराया जा रहा है। यह याचिका गुवाहाटी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मृणाल चौधरी ने दायर की है। याचिका में 17 नवंबर को जारी चुनाव आयोग के आदेश पर सवाल उठाया गया है। याचिका में कहा गया है कि जहां एक ओर छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में विशेष गहन संशोधन का निर्देश दिया गया है, वहीं असम में कम स्तर का संशोधन चुना गया है। यह फैसला आयोग के अपने ही रुख के खिलाफ है।

आपदा तैयारियों के मुद्दे पर केंद्र व अन्य को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें अग्निशमन सेवाओं, सड़क आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा तैयारी में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और कर्मियों की कमी का आकलन करने और उसे पूरा करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ऐसे व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने 2019 में सूरत में आग लगने की घटना में अपनी बेटी को खो दिया था। शीर्ष न्यायालय ने केंद्र और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) सहित अन्य को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि नोटिस जारी करें, जिसका जवाब चार हफ़्तों के भीतर दिया जाए। याचिकाकर्ता व्यक्तिगत रूप से पेश हुआ और उसने दावा किया कि भारतीय राष्ट्रीय भवन संहिता, 2016 का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा है और देश भर में आग लगने की घटनाएं हो रही हैं।

बिश्नोई गिरोह से सुरक्षा पर विचार से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के व्यक्ति की याचिका पर विचार से इन्कार कर दिया, जिसने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से धमकी मिलने का दावा करते हुए 24 घंटे सुरक्षा मुहैया देने मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, आपको कौन धमकी दे रहा है? लॉरेंस बिश्नोई उत्तर प्रदेश में भी काम करता है? वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता 24 घंटे सुरक्षा की मांग कर रहा है। जब पीठ ने कहा कि बिश्नोई गिरोह राजस्थान और पंजाब में सक्रिय है, तो वकील ने कहा, वह हर जगह सक्रिय है।

ईडी ने मसाला बॉण्ड मामले में सीएम विजयन व इसाक को भेजा नोटिस

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। ईडी ने केआईआईएफबी मसाला बॉण्ड मामले में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम को 467 करोड़ के फेमा उल्लंघन से संबंधित कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत यह नोटिस 12 नवंबर को जारी किया था। उन्होंने बताया कि यह नोटिस केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) व उसके प्राधिकारियों द्वारा फेमा प्रावधानों और आरबीआई के मुख्य निर्देशों के कथित उल्लंघन से संबंधित है, जिसकी राशि 466.91 करोड़ है। केआईआईएफबी के अध्यक्ष के रूप में विजयन, बोर्ड के उपाध्यक्ष पूर्व वित्त मंत्री इसाक व केआईआईएफबी के सीईओ अब्राहम के अलावा संस्थान को भी नोटिस जारी किए गए हैं। केरल सरकार ने मामले में गड़बड़ी से इन्कार किया है।

नए सभापति सभी को दें बोलने का अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में सोमवार को प्रधानमंत्री, सदन के नेता, नेता प्रतिपक्ष सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने नये सभापति सी पी राधाकृष्णन को यह दायित्व संभालने के लिए बधाई देते हुए उम्मीद जतायी कि सांसद के रूप में उनके अनुभव से सदन के कुशल संचालन में मदद मिलेगी। कई दलों के सदस्यों ने सदन के सभी पक्षों को बोलने का समान अवसर देने का अनुरोध किया।

राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से उठकर सी. पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रदर्शित करता है।

सितंबर में चंद्रपुरम पोनुसामी (सी. पी.) राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपको बधाई देता हूं और भरोसा है कि इस सदन का हर सदस्य इसकी परंपराओं का सम्मान करेगा और आपकी गरिमा को बनाए रखेगा।

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने उम्मीद जतायी वह संसद के उच्च सदन का कुशलतापूर्वक संचालन करेंगे।

विपक्ष की ओर से खरगे ने सभापति का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस संवैधानिक मूल्यों और सदन की परंपराओं के साथ दृढ़ता से खड़ी है और कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करेगी। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (एस) के एचडी देवेगौड़ा ने उम्मीद जतायी कि वह इस सदन की लम्बी परंपरा के अनुसार इसका संचालन करेंगे। टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए। द्रमुक के तिरुचि शिवा, आप के राघव चड्ढा, माकपा के जान ब्रिटास, जद(यू) के रामनाथ ठाकुर, सपा के जावेद अली खान, राकंपा के प्रफुल्ल पटेल और राकंपा (एसपी) की फौजिया खान ने सभापति से सदन में बोलने देने की उम्मीद जताई।

डब्ल्यूएमओ को हवाईअड्डे पर जीपीएस स्पूफिंग के स्रोत का पता लगाने का सरकार ने दिया निर्देश

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अमृतसर, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई हवाई अड्डों पर 'जीपीएस स्पूफिंग' होने की खबर है, और वायरलेस निगरानी संगठन (डब्ल्यूएमओ) को 'स्पूफिंग' के स्रोत का पता लगाने का निर्देश दिया गया है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने राज्यसभा को बताया कि कुछ उड़ानों ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आस-पास जीपीएस स्पूफ़िंग की सूचना दी, जब वे रनवे 10 पर पहुंच रहे थे, और जीपीएस आधारित विमान उतारने की प्रक्रिया का इस्तेमाल कर रहे थे। नायडू ने कहा, दूसरे रनवे पर, जहां पारंपरिक नौवहन प्रणाली चालू थी, उड़ानों के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे हवाई अड्डा है।

चुनाव सुधारों पर चर्चा की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन की तैयारी में विपक्षी दल

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन के घटक दल संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों के विषय पर चर्चा की मांग करते हुए मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी दलों के सांसद मंगलवार सुबह संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन की तैयारी में हैं। विपक्षी सदस्यों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर सोमवार को लोकसभा में हंगामा किया जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। विपक्षी दलों के नेताओं ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा की।

प्रेमी के शव से शादी करने वाली युवती ने पुलिस पर मढ़े आरोप

नांदेड, एजेंसी

- कहा- प्रेमी की हत्या के लिए उसके भाई को पुलिस ने ही उकसाया था

महाराष्ट्र के नांदेड जिले में प्रेमी के शव से शादी करने के एक दिन बाद 21 वर्षीय युवती ने सोमवार को इतवारा थाने के दो पुलिसकर्मियों पर युवक की हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया। युवती के दावे पर पुलिस की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मृतक के घर पहुंची आंचल ममीदवार ने प्रेमी की हत्या के लिए अपने भाई को फांसी देने की अपील की। आंचल ने बताया कि हत्या वाले दिन, मेरा भाई हिमेश मुझे सुबह इतवारा थाने ले गया और सक्षम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने को कहा। उसके इन्कार करने के बाद पुलिस के दो अधिकारियों ने उसके भाई को यह कहकर उकसाया कि उसे दूसरे लोगों से लड़ने के बजाय उस आदमी को मार देना चाहिए जिससे मैं प्यार करती हूं। हिमेश ने सक्षम की हत्या के बाद थाने वापस आने की चुनौती दी थी। उसने पुलिस से कहा कि वह सक्षम की हत्या करने के बाद थाने आएगा। फिर उसने उसे (सक्षम को) मार डाला। मेरी बस यही मांग है कि आरोपियों (उसके भाई और पिता) को भी उसी तरह मारा जाए जैसे सक्षम को मारा गया।

प. बंगाल : बीएलओ के प्रदर्शन के बीच सीईओ कार्यालय के बाहर तनाव

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में लगे बीएलओ के एक वर्ग ने गणना प्रक्रिया के दौरान कथित अत्यधिक कार्यभार को लेकर सोमवार को सीईओ कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद अधिकारियों को प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की तैनाती बढ़ानी पड़ी। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा का प्रतिनिधिमंडल चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के लिए वहां पहुंचा तो प्रदर्शनकारियों ने विरोध में नारे लगाए और पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि, अधिकारी और कई अन्य भाजपा विधायकों ने अधिकारियों के साथ बैठक जारी रखी।

बैरिकेड तोड़ने का प्रयास करते प्रदर्शनकारियों को रोकती पुलिस।

पुलिस ने शुभेंदु के दौरे से पहले कई स्तर पर बैरिकेड लगाए थे और अतिरिक्त बल तैनात किया था। भाजपा प्रतिनिधिमंडल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय परिसर में प्रवेश करने के कुछ ही मिनट बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भी ज्ञापन सौंपने के लिए अंदर जाने दिया जाए। समिति के सदस्य बीएलओ के लिए बेहतर कार्य स्थितियों की मांग को लेकर कुछ दिनों से सीईओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं।

यहां बर्फ ही बर्फ...

सर्दियां शुरू होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर की वादियों में बर्फ भी पड़ने लगी है। पेड़ों और घरों पर यह बर्फ मनोहारी दृश्य भी उपस्थित कर रही है। शोपियां में एक ठंडे दिन में पड़े पाले ने सूखे पत्तों को इस तरह ढक लिया जैसे किसी ने चित्रकारी की हो।

जीपीएस स्पूफिंग : विमानों की सुरक्षा से खिलवाड़

जीपीएस स्पूफिंग की ताजा घटना इसी महीने के शुरू में भारत में हुई थी। इसकी वजह से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आठ सौ से ज्यादा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई थीं। इस घटना से भारतीय उड्डयन उद्योग के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। दरअसल, जीपीएस स्पूफिंग के कारण कई बार आधुनिक नेविगेशन सिस्टम भी निष्क्रिय साबित हो जाते हैं। आसमान में पायलट को रनवे ढूंढने में भी दिक्कत होती है। जाहिर है कि ऐसे में हजारों यात्रियों की जिंदगी दांव पर लग जाती है। कई बार यात्रियों की सुरक्षा के लिए फ्लाइट को डाइवर्ट करना पड़ता या लंबा इंतजार करना पड़ता है। जीपीएस स्पूफिंग स्मार्टफोन एप्स और लोकेशन डाटा में भी गड़बड़ी कर सकता है। इसके अलावा जीपीएस डाटा पर निर्भर नेटवर्क सिस्टम और महत्वपूर्ण ढांचों पर भी इसके जरिए साइबर हमले किए जा सकते हैं।

जीपीएस स्पूफिंग कितना बड़ा खतरा

जीपीएस स्पूफिंग एक साइबर हमला है जिसमें नकली जीपीएस सिग्नल का उपयोग करके नेविगेशन सिस्टम को गुमराह किया जाता है। इससे विमान को गलत स्थान, दिशा या समय की जानकारी मिलती है, ऐसे में विमानों के लिए यह एक बेहद गंभीर सुरक्षा खतरा बन जाता है। जीपीएस स्पूफिंग के कारण विमान को लगता है कि वह किसी दूसरी जगह है। हालांकि वह हकीकत में असल जगह से कई किमी दूर होता है। जीपीएस स्पूफिंग विमानों के नेविगेशन को गड़बड़ कर सकता है, इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप ऐसी स्थिति में मददगार होते हैं।

क्या है जीपीएस स्पूफिंग

यह एक साइबर हमला है जिसमें जीपीएस रिसीवर को गलत उपग्रह संकेत भेजकर धोखा दिया जाता है। यह जीपीएस सिग्नल को जाम करने से अलग है, इसमें सिग्नल रोकने के बजाय गलत जानकारी दी जाती है। जीपीएस स्पूफिंग के परिणामस्वरूप विमान, जहाज और वाहन गलत स्थान पर होने की रिपोर्ट दे सकते हैं।

कैसे की जाती है स्पूफिंग

अमेरिका का जीपीएस सिस्टम (नेवस्टार) 31 सैटेलाइट के समूह से बना है, ये सैटेलाइट पीआरएन कोड नागरिकों और अमेरिकी सेना दोनों को प्रसारित करते हैं। सेना के लिए भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड होते हैं, लेकिन नागरिकों को भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड नहीं होते। इसी वजह से वे साइबर हमले के शिकार हो जाते हैं। सबसे पहले हैकर यह पता लगता है कि किस जीपीएस सैटेलाइट का सिग्नल स्पूफिंग के समय आसपास होगा। इसके लिए सैटेलाइट की ऑर्बिट को देखा जाता है।

विमानों की सुरक्षा में भूमिका

- स्पूफिंग विमानन सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है क्योंकि यह नेविगेशन सिस्टम को भ्रमित कर सकता है, जिससे विमान गलत रास्ते पर जा सकता है।
- विमानों में इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप सिस्टम स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। जीपीएस विफल होने पर इनका इस्तेमाल किया जाता है।
- स्पूफिंग केवल वाणिज्यिक विमानों को ही नहीं बल्कि निगरानी विमानों को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होता है।
- जीपीएस जैमिंग के विपरीत स्पूफिंग का पता लगाना कठिन होता है क्योंकि इसमें रिसीवर को यकीन दिलाया जाता है कि सब कुछ ठीक है।

वार जोन में भी इस्तेमाल

स्पूफिंग और जैमिंग वार जोन में भी होती है, मिडिल ईस्ट में यह कई बार हो चुका है। युद्धरत देश स्पूफिंग में महंगी और शक्तिशाली मशीनों का इस्तेमाल करते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अतीत की गलतियों पर आत्ममंथन करे जापान

बीजिंग। चीन ने जापान से अपने अतीत पर गहराई से आत्मनिरीक्षण करने, अपनी अनाप-शनाप टिप्पणियों को वापस लेने और ठोस कार्रवाई के माध्यम से चीन के प्रति अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को प्रदर्शित करने का आग्रह किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को एक नियमित समाचार ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, अत्यधिक महत्व के मुद्दों पर, जापानी पक्ष को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि वे टाल-मटोल कर सकते हैं।

तेल टैंकरों पर यूक्रेन के हमलों की निंदा की

मास्को। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने काला सागर में दो तेल टैंकरों और एक बंदरगाह पर हाल ही में हुए यूक्रेनी हमलों की निंदा की। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार ज़खारोवा ने कहा कि गाम्बिया के झंडे तले रूसी बंदरगाह नोवोरोस्सियस्क जा रहे दो टैंकरों पर शुक्रवार और शनिवार को हमले में मानवरहित नावों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी खुफिया सेवाओं ने इन हमलों की ज़िम्मेदारी ली है। प्रवक्ता ने कहा कि लक्षित नागरिक ऊर्जा अवसंरचना वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सैन्य बल मुख्यालय पर हमले की कोशिश

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम करते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने बताया कि रविवार रात चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर के मुख्यालय पर एक आत्मघाती हमलावर द्वारा हमला किए जाने के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया।

खालिदा जिया को वेंटिलेटर पर रखा

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बहुत खराब है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है तथा स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ उनके इलाज की निगरानी कर रहे हैं। यह जानकारी उनकी पार्टी के नेताओं ने सोमवार को दी। बीएनपी की अध्यक्ष जिया को 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जैविक हथियार: चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत

जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन में बोले जयशंकर

- बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी ढांचे की कमी : विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सोमवार को अनिश्चित अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा माहौल को देखते हुए जैविक हथियारों के संभावित दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए एक वैश्विक तंत्र की जरूरत बताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सरकार से इतर तत्वों द्वारा जैविक हथियारों का दुरुपयोग किया जाना अब दूर की बात नहीं है और ऐसी चुनौती से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। उन्होंने जैविक हथियार संधि (बीडब्ल्यूसी) की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जैविक आतंकवाद एक गंभीर चिंता का विषय है, जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को पूरी तरह से तैयार रहना होगा।

हालांकि, बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी संस्थागत ढांचे की कमी है। विदेश मंत्री ने कहा कि इसमें कोई अनुपालन प्रणाली नहीं है, कोई स्थायी तकनीकी संस्था नहीं है और नए वैज्ञानिक घटनाक्रमों पर नजर रखने के लिए कोई तंत्र नहीं है। भरोसा मजबूत करने के लिए इन खामियों को दूर करना आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के अंदर मजबूत अनुपालन उपायों की मांग की है, जिसमें आज की दुनिया के अनुरूप सत्यापन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण इस्तेमाल के उद्देश्य से सामग्री और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं मदद का समर्थन करता है। विदेशमंत्री ने कहा कि हमने वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की व्यवस्थित समीक्षा की मांग की है ताकि शासन वास्तव में नवाचार की गति के साथ तालमेल बिठा सके। जयशंकर ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के भीतर मजबूत अनुपालन उपायों का आह्वान किया है, जिसमें आज की दुनिया के लिए तैयार की गयी सत्यापन व्यवस्था भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सामग्रियों और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहायता का समर्थन करता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने एक राष्ट्रीय कार्यान्वयन मसौदा प्रस्तावित किया है जिसमें उच्च जोखिम वाले किरदारों की पहचान, दोहरे उपयोग वाले अनुसंधान की निगरानी, घटना प्रबंधन और निरंतर प्रशिक्षण शामिल है। उन्होंने कहा कि बीडब्ल्यूसी 50 वर्षों से एक साधारण विचार पर कायम है कि मानवता इसे अस्वीकार करे। लेकिन मानदंड तभी जीवित रहते हैं जब राष्ट्र उनका नवीनीकरण करते हैं। अगले 50 वर्षों में ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होगी। विदेशमंत्री ने कहा कि हमें संधि को वर्तमान के अनुरूप बनाना होगा, हमें विज्ञान के साथ तालमेल रखना होगा और वैश्विक क्षमता को मजबूत करना होगा ताकि सभी देश जैविक जोखिमों का पता लगा सकें, उन्हें रोक सकें और उनका जवाब दे सकें।

नई दिल्ली में जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते विदेश मंत्री एस जयशंकर।

भारत अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार

जयशंकर ने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ के लिए एक विश्वसनीय भागीदार और वैश्विक जैव सुरक्षा के प्रतिबद्ध समर्थक की भूमिका के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा वातावरण अधिक अनिश्चित हो गया है और प्रौद्योगिकी में तीव्र विकास के कारण परिष्कृत जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों की उपलब्धता और सामर्थ्य में वृद्धि हुई है तथा निर्माण की लागत में कमी आई है। जयशंकर ने कहा कि कोविड-19 महामारी सहित हाल के प्रकोपों ने सभी को प्रभावित किया है।

श्रीलंका में ऑपरेशन सागर बंधु के तहत चक्रवात प्रभावित क्षेत्र से लोगों को निकालते हुए भारतीय वायुसेना के जवान।

श्रीलंका में फंसे भारतीयों को निकाला, राहत कार्य में तेजी

- तिरुवनंतपुरम पहुंचा 104 भारतीयों का अंतिम समूह

कोलंबो, एजेंसी

भारत ने श्रीलंका में चक्रवात दितवा के कारण मची तबाही के बाद कोलंबो में बचाव अभियान में तेजी लाते हुए वहां फंसे भारतीय नागरिकों के आखिरी समूह को सोमवार को निकाल लिया। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे 104 भारतीयों का आखिरी समूह 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत भारतीय वायु सेना के विमान से सुबह करीब साढ़े छह बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचा।

उच्चायोग ने कहा कि श्रीलंका के बचाव प्रयासों में भारत ने अपनी मदद तेज कर दी है और अभियान का विस्तार कई प्रभावित क्षेत्रों तक किया है। अधिकारियों के अनुसार चेतक हेलीकॉप्टर ने कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जबकि वायु सेना के कई हेलीकॉप्टर ने कोटमाले में तलाश अभियान संचालित किया जो सबसे ज्यादा प्रभावित मध्य पर्वतीय क्षेत्र है तथा भूस्खलन एवं बाढ़ के कारण यहां सड़क संपर्क टूट गया है। कहा कि खोज एवं बचाव अभियानों के लिए भारत की विशेषीकृत आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी एनडीआरएफ और एचएडीआर की टीम कल कोलंबो पहुंची। उन्होंने श्रीलंका के अधिकारियों के साथ मिलकर कोच्चिकाडे में बचाव अभियान संचालित किया।

सकारात्मक रही अमेरिका-यूक्रेन के बीच बातचीत

हॉलैंडेल बीच। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के समाधान की संभावनाओं को तलाशने के लिए अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बातचीत की। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बाद में बताया कि बातचीत सकारात्मक रही लेकिन शांति समझौते को अमल में लाने के लिए अब भी काम किया जाना बाकी है। रुबियो ने कहा, यह केवल उन शर्तों की बात नहीं है जो लड़ाई को खत्म करती हैं। बल्कि यह उन शर्तों की भी बात है जो यूक्रेन को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए तैयार करती हैं। मुझे लगता है कि हमने आज उस दिशा में प्रगति की है, लेकिन अभी और काम किया जाना बाकी है। फ्लोरिडा में यह उच्च स्तरीय बातचीत हुई।

ईसा मसीह पर बनी पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

वर्सलीज। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई हुई पेंटिंग रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में 27 लाख डॉलर में बिकी। यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। इसमें ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य दर्शाया गया है। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी और शुरू में यह माना जा रहा था कि यह उस समय मौजूद रूबेन्स की कई कार्यशालाओं में से किसी एक में बनाई गई कृति है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ने बताया कि पेंटिंग को रुबेनियानम से प्रमाणित कराया।

जमीन घोटाला मामले में हसीना को 5 साल की सजा

- बांग्लादेश की पूर्व पीएम की बहन और भांजी को भी सुनाई सजा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को जमीन घोटाला मामले में सोमवार को पांच साल की जेल और उनकी भांजी एवं ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक दो साल जेल की सजा सुनाई। ढाका के विशेष न्यायाधीश की अदालत-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने हसीना की बहन शेख रेहाना को भी सात साल जेल की सजा सुनाई। भ्रष्टाचार के इस मामले में 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। कोर्ट ने तीन आरोपियों की गैरमौजूदगी में यह फैसला सुनाया। शेष 14 आरोपियों में से प्रत्येक को पांच साल की जेल हुई। अदालत ने हसीना, रेहाना और सिद्दीक समेत सभी 17 दोषियों में से प्रत्येक पर एक लाख टके का जुर्माना भी लगाया और जुर्माना नहीं भरने पर उन्हें छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

पाकिस्तान में एक आत्मघाती हमले में पुलिसकर्मी की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को एक पुलिस वाहन के पास हुए आत्मघाती हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना लक्की मारवात जिले में हुई। ताजोरी पुलिस थाने की एक पुलिस वैन के समीप एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। विस्फोट में हेड कांस्टेबल अलाउद्दीन की मौत हो गई जबकि घायल हुए अन्य पुलिसकर्मियों को अस्पताल ले जाया गया। हमलावर का साथी भागने में सफल रहा।

भारतीयों से अमेरिका को हुआ फायदा

- मस्क बोले-एच1बी वीजा बंद करने से यूएस को होगा नुकसान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका की एयरोस्पेस कंपनी 'स्पेसएक्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने एच1बी वीजा का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका को भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों का अत्यंत फायदा मिला है और चेतावनी दी कि यदि इसे बंद कर दिया गया तो यह अमेरिका के लिए बहुत बुरा होगा।

अमेरिका के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अरबपति कारोबारी ने एक पॉडकास्ट के दौरान यह टिप्पणी की, जो रविवार को प्रसारित हुआ। मस्क ने कहा कि हां, मुझे लगता है कि अमेरिका को उन प्रतिभाशाली भारतीयों से बहुत लाभ हुआ है जो अमेरिका आए... अमेरिका, भारत की प्रतिभा से अत्यंत लाभान्वित हुआ है। एच-1बी वीजा को लेकर टेस्ला के सीईओ ने कहा कि भले ही इस कार्य वीजा कार्यक्रम का कुछ दुरुपयोग हुआ है लेकिन इसे बंद नहीं किया जाना चाहिए।

अवैध आव्रजन से नकारात्मक प्रभाव

मस्क ने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर अवैध आव्रजन हुआ, जिसने नकारात्मक प्रभाव पैदा किया। उन्होंने कहा अगर अमेरिका में अवैध रूप से आने और सरकारी लाभ पाने का बड़ा आर्थिक प्रलोभन होगा, तो स्वाभाविक रूप से लोग अमेरिका आने की कोशिश करेंगे। यह पूरी प्रोत्साहन संरचना ही गलत थी। जब उनसे पूछा गया कि भारत के युवा उद्यमियों के लिए उनका संदेश क्या है, तो मस्क ने कहा कि वह उन सभी का सम्मान करते हैं जो कुछ बनाना चाहते हैं। कहा कि आप जो पाना चाहते हैं, उससे अधिक देने का लक्ष्य रखें।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 03 .57 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

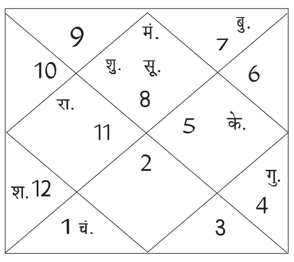

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्विनी 08 .51 तक तत्पश्चात भरणी।

मेष — आज आप कारोबार को लेकर मित्रों से सहायता ले सकते हैं। रुके हुए कार्य पुन: से प्रारम्भ होंगे। छात्र पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बेरोजगार लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। किसी मांगलिक उत्सव में आप सम्मिलित हो सकते हैं।

वृष — आज कार्यक्षेत्र को लेकर मन में उत्साह की कमी देखने को मिलेगी। नजदीकी लोगों के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। आज आपको धैर्य और संयम के साथ अपने काम पर ध्यान देना चाहिये। दूसरों की सलाह पर अधिक ध्यान न दें।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपको पदोन्नति मिल सकती है। संतान के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। जीवनसाथी और बच्चों से आपको प्रेम और सम्मान दोनों ही प्राप्त होंगे। आपके विचारों से लोग प्रभावित रहेंगे। सरकारी मामलों में आपको सफलता मिलने की संभावना है।

कर्क — आज परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। सहकर्मियों की तुलना में आपका प्रदर्शन विशेष और अच्छा रहेगा। किसी बहूमूल्य वस्तु को खरीद सकते हैं। कच्चे माल के आयात-निर्यात में उत्तम धन लाभ हो सकता है। आपकी भावनाओं का अनादर हो सकता है।

सिंह — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निजी समस्याओं का निराकरण होगा। कुछ कठिन काम आसानी से अचानक बनने से मन प्रसन्न होगा। गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। सामाजिक कार्यों में आपकी प्रशंसा होगी।

कन्या — आज पारिवारिक आयोजन किसी कारणवश टल सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। किसी के उकसावे में आकर काम न करें। अन्य दिनों की अपेक्षा दिन कुछ कमजोर रहेगा। अधीनस्थ कर्मचारियों पर नाराज हो सकते हैं।

तुला — आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठायेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। व्यवसाय में सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने वाली हैं।

वृश्चिक — आज आपके व्यक्तित्व में तीव्र आकर्षण रहेगा। इसके कारण आप लोकप्रिय रहेंगे। खर्च करने से पहले बजट का ध्यान अवश्य रखें। गले में खराश और बुखार जैसी समस्या हो सकती है। अनुसंधान संबंधी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। प्रेम संबंधों में कुछ अनबन हो सकती है। लोग आपकी बातों को अत्यन्त गंभीरता से लेंगे। विद्वान लोगों से भेंट हो सकती है। शाम के समय मित्रों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

मकर — आज नई परियोजनाओं में सफलता देर से मिलेगी। मानसिक स्थिति नकारात्मक हो सकती है। व्यर्थ में अपने शुभचिंतकों पर संदेह न करें। अधिक भागदौड़ से आपको बचना चाहिए। धन को लेकर दिक्कतें उत्पन्न हो सकती हैं।

कुंभ — आज कारोबारी यात्राओं से आपको लाभ मिलेगा। दूसरों की बातों में आकर अपना समय बर्बाद न करें। रचनात्मक गतिविधियों में सुखद समय बीतेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। परिवार में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के अवसर मिलेंगे।

मीन — आज नए व्यावसायिक संपर्क विकसित होने के योग बन रहे हैं। आपके विनम्र व्यवहार से विपरीत लिंगी लोग आपसे आकर्षित रहेंगे। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। घर में कुछ रिश्तेदार आ सकते हैं। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को कारोबार में विस्तार के अवसर मिल सकते हैं।

सुडोकू -178

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		
		1						
8								3
7								
				9				
		2					6	
	4							

सुडोकू - 177 का हल

1	2	8	6	5	3	4	9	7
5	7	4	1	8	9	2	3	6
6	9	3	7	2	4	8	1	5
4	1	5	8	9	6	3	7	2
9	8	2	3	7	1	5	6	4
7	3	6	5	4	2	1	8	9
8	6	9	4	3	5	7	2	1
2	5	7	9	1	8	6	4	3
3	4	1	2	6	7	9	5	8

कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस आक्रामक अंदाज की बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

-आर अश्विन

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

हाईलाइट

सिफत को राष्ट्रमंडल में निशानेबाजी की वापसी की उम्मीद

जयपुर : ओलंपियन सिफत कौर सामरा को भरोसा है कि भारत 2030 में जब राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा तो निशानेबाजी को इन खेलों में शामिल किया जाएगा और इससे देश के पदकों की संख्या में काफी इजाफा होगा। राष्ट्रमंडल खेलों के बर्मिंघम 2022 और 2026 ग्लास्गो 2026 दोनों सत्र के लिए निशानेबाजी को पदक प्रतियोगिता के रूप में शामिल नहीं किया गया लेकिन भारत की मेजबानी में देश के निशानेबाजों को अपनी प्रतिभा दिखाने और घरेलू दर्शकों के सामने पदक जीतने का मौका मिलेगा।

पीएनबी की ब्रांड एंबेसडर बनीं हरमनप्रीत

नई दिल्ली : पब्लिक सेक्टर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सोमवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना पहला महिला ब्रांड एंबेसडर बनाया है। यह घोषणा बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय में 'बैंकिंग ऑन चैंपियंस' थीम के तहत समारोह में हुई। इस अवसर पर हरमनप्रीत कौर को उनके नाम और नंबर वाली एक फ्रेमयुक्त पीएनबी जर्सी, साथ ही एक कस्टम-उत्कीर्णित पीएनबी बैट भेंट किया गया।

फुटबॉल में रुकावट को खत्म करने का प्रयास

नई दिल्ली : खेल मंत्रालय ने फुटबॉल की मौजूदा रुकावट को खत्म करने के लिए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) और आई-लीग क्लबों समेत सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ तीन दिसंबर को बैठक बुलाई हैं। ऐसा माना जा रहा है कि केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया इन बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इसको लेकर खेल मंत्रालय ने सोमवार को ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) को एक पत्र जारी किया है। मंत्रालय के पत्र में कहा गया इस मामले पर असरदार तरीके से बातचीत के लिए सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स -आईएसएल क्लब, संभावित कमर्शियल पार्टनर्स, एफएसडीएल, ब्रॉडकास्टर्स और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, आई-लीग और लोअर डिवीजन क्लब्स वगैरह की मौजूदगी जरूरी होगी।

चैंपियनशिप 16 हजार निशानेबाज करेंगे स्पर्धा

नई दिल्ली : 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) की राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं की अलग-अलग कैटेगरी में क्वालीफाई करने वाले 16 हजार से अधिक निशानेबाज सोमवार से डॉ. कर्णी सिंह रेंज में शुरु हुई प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। दोहा में चार से नौ दिसंबर तक चलने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल को ध्यान में रखते हुए इस चैंपिनशिप को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के लिए 15 भारतीयों ने क्वालिफाई किया है। शॉटगन में क्वालिफ़िकेशन राउंड आज डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में शुरू हुए। शॉटगन के साथ-साथ पिस्टल स्पर्धाएं भी डॉ. कर्णी सिंह रेंज में होंगी, जबकि राइफल इवेंट भोपाल में मध्य प्रदेश स्टेट शूटिंग एकेडमी में होंगे। पिस्टल स्पर्धाएं 11 दिसंबर से शुरू होंगी और चार जनवरी, 2026 तक चलेंगे।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा गिल की फिटनेस का आकलन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय टीम के उप कप्तान शुभमन गिल अनिवार्य फिटनेस आकलन के लिए सोमवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुंचेंगे। इस आकलन के नतीजे के आधार पर नौ दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैच की सीरीज में उनकी वापसी पर फैसला किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते हुए गिल की गर्दन में चोट लगी थी और इसके बाद वह दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में नहीं खेल पाए। भारत की टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम में किसी हैरान करने वाले नाम को जगह मिलने की उम्मीद नहीं है, बशर्ते कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं हो। अजित अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की खेल विज्ञान टीम से गिल की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''गिल को इंजेक्शन लगाया गया था और उन्हें 21 दिन के आराम और रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई थी जिसमें चोट से प्रभावित मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए विशिष्ट व्यायाम शामिल थे। सूत्र ने कहा ट्रेनिंग के दौरान खेल विज्ञान टीम के उनकी मूवमेंट का आकलन करने तक कुछ नहीं कहा जा सकता। यह भी नहीं पता कि बल्लेबाजी करते हुए वह बिल्कुल भी असहज नहीं है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए गिल की वापसी की संभावना 50 प्रतिशत है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चीजों की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया 21 अक्टूबर से 30 नवंबर तक हार्दिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर भी नहीं निकले और उन्होंने अपना रिहैब और 'रिटर्न टू प्ले' प्रोटोकॉल पूरे किए। उन्हें टी20 में खेलने की पूरी स्वीकृति (बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने की) मिली है और वह पंजाब के खिलाफ मैच के लिए बड़ौदा टीम से जुड़ भी गए हैं। वह चार दिसंबर को गुजरात के खिलाफ खेलेंगे और अगर भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें पहले नहीं बुलाता है तो वह छह दिसंबर को हरियाणा के खिलाफ मैच में खेलने की भी योजना बना रहे हैं।

टी-20 प्रारूप में खेलेंगे हार्दिक पंड्या

भारतीय प्रशंसकों के लिए हालांकि अच्छी खबर भी है क्योंकि हार्दिक पंड्या को टी20 प्रारूप में खेलने की स्वीकृति मिल गई है और वह मंगलवार को हैदराबाद में बड़ौदा के लिए पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबले के साथ लगभग ढाई महीने बाद अपना पहला मैच खेलेंगे। उनके चार दिसंबर को बड़ौदा और गुजरात के बीच होने वाले मैच में भी खेलने की संभावना है। राष्ट्रीय चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा दोनों मैच के दौरान उपस्थित रहेंगे जिसके कि टीम की घोषणा से पहले उनकी फिटनेस को परख सकें।

विराट कोहली की तारीफों के बांधे पुल

बल्लेबाजी कोच ने कहा- विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता, उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार

रांची, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का मानना है कि विराट कोहली के वनडे में भविष्य को लेकर अटकलें नहीं लगनी चाहिए क्योंकि इस दिग्गज खिलाड़ी की 50 ओवर के क्रिकेट में फिटनेस, फॉर्म और प्रभाव पहले की तरह बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की सीरीज से पहले सवाल उठाए जा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर की योजना में शामिल हैं या नहीं। कोटक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि कोहली के भविष्य को लेकर बहस क्यों हो रही है।

कोटक ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में भारत की 17 रन की करीबी जीत के बाद कहा मुझे वास्तव में नहीं पता कि हमें इन सब बातों पर गौर करने की जरूरत क्यों है। वह बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और हमें उनके भविष्य के बारे में बात करने की क्या जरूरत है। वह जिस तरह से प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी फिटनेस जिस तरह से है उसे देखकर किसी भी चीज को लेकर कोई सवाल ही नहीं उठता। कोटक ने कहा कि भूमिकाओं को लेकर स्पष्टता, वास्तविक समय में सीख और सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव इस समय भविष्य की योजनाओं से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं।

उन्होंने कहा वह वाकई शानदार है यार। जब तक वह इसी तरह बल्लेबाजी करता रहेगा, किसी और चीज़ के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। बल्लेबाजी कोच ने जोर देकर कहा कि न तो खिलाड़ी और न ही टीम प्रबंधन विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं और सीनियर खिलाड़ियों के बारे में इस संदर्भ में चर्चा करने की तो बात ही छोड़ दीजिए। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में चर्चा होनी चाहिए। रोहित और कोहली दोनों शानदार हैं। वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम में योगदान दे रहे हैं। एक बार जब टीम आ जाती है और अभ्यास शुरू हो जाता है, तो हम बस उसका आनंद लेते हैं। हम 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के बारे में कोई बात नहीं कर रहे हैं।

कोटक ने कहा कि रविवार को कोहली का वनडे करियर का 52वां शतक न केवल उनकी विरासत की याद दिलाता है, बल्कि यह इस बात का भी उदाहरण है कि जिस प्रारूप को वह अब प्राथमिकता देते हैं, उसमें वह कितनी सहजता से जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

कोटक ने कहा यह एक शानदार पारी थी। उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की, जिम्मेदारी ली और एक बार फिर दिखाया कि वह कितने असाधारण खिलाड़ी क्यों हैं। पारी के दौरान कोहली की पीठ में मामूली तकलीफ के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा जहां तक मुझे पता है, वह ठीक हैं।

कोटक ने टेस्ट सीरीज में हार के बाद रोहित शर्मा और कोहली दोनों की टीम में वापसी पर भी बात की। उन्होंने कहा वे अनुभवी खिलाड़ी हैं और जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं और साझेदारियां निभा रहे हैं उससे बहुत फर्क पड़ता है। वे अपना अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करते हैं, और यह अपने आप में एक बड़ा फायदा है। कोटक ने इसके साथ ही मैच के बारे में बात करते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हर्षित राणा की विशेष प्रशंसा की, जिनके कठिन परिस्थितियों में शुरुआती झटकों ने दक्षिण अफ्रीका को मैच जीतने से रोक दिया।

उन्होंने कहा शुरुआती विकेट लेने का बहुत सारा श्रेय हर्षित को जाता है। कूकाबुरा गेंद से आपको केवल शुरुआती दो से पांच ओवर तक ही स्विंग मिलती है और उसने इसका पूरा फायदा उठाया।

दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए विराट कोहली रांची एयरपोर्ट से रायपुर के लिए रवाना हुए। एजेंसी

इस उम्र में भी खेलने की भूख के लिए स्टेन ने खुशी जताई

रांची : अपने कैरियर के सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजरने के बाद अधिकांश खिलाड़ी घर पर अपने परिवार और कुत्ते के साथ रहना पसंद करते हैं, लेकिन 37 वर्ष के विराट कोहली अभी भी मैदान पर चुस्ती के साथ दौड़ते और डाइव लगाते देखे जा सकते हैं और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन खेलने को लेकर उनके इसी जुनून के कायल हैं। टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने दिखाया कि वनडे क्रिकेट में अब भी उनका कोई सानी नहीं है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में यहां अपने करियर का 52वां शतक लगाया। स्टेन ने जियोस्टार से कहा जब आप 37 या 38 साल के अधिकतर खिलाड़ियों से बात करते हैं तो वे कहते हैं कि उन्हें घर, अपने कुत्ते, अपने बच्चों को छोड़ना पसंद नहीं है। लेकिन कोहली मानसिक रूप से ऐसी स्थिति में हैं जहां वह पहले की तरह भारत के लिए खेलने के लिए उत्सुक हैं। आप इसे विकेटों के बीच दौड़, फ़ील्डिंग करते और डाइव लगाते हुए देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से युवा और तरोताज़ा हैं और क्रिकेट में बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कोहली ने पिछले 15-16 साल में 300 से अधिक वनडे खेले हैं इसलिए वह काफी अनुभव रखते हैं। यह उनके शरीर और दिमाग में है। अगर वह तीन दिन की बारिश के बाद भी यहां पहुचते तो भी उनकी तैयारी पर कोई असर नहीं पड़ता। वह मानसिक रूप से मजबूत हैं, अच्छी तरह से सोच सकते हैं और गेंद को बल्ले पर आते हुए देख सकते हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी यही करते हैं। स्टेन ने कहा वह स्वयं पर भरोसा रखते हैं क्योंकि वह पिछले लंबे समय से खेल रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अब भी पहले की तरह खेलने को लेकर उत्साहित रहते हैं।

रायपुर के लिए रवाना होते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी। एजेंसी

कोहली को जमने के बाद रोकना लगभग असंभव : यान्सेन

रांची : दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला मार्को यान्सेन ने कहा कि विराट कोहली जैसे विश्वस्तरीय बल्लेबाज को एक बार जम जाने के बाद रन बनाने से रोकना लगभग असंभव हो जाता है तथा स्वीकार किया कि इस भारतीय स्टार की सूत्रधार की भूमिका निभाने की क्षमता उन्हें गेंदबाजी करने के लिए सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक बनाती है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां खेले गए पहले वनडे में कोहली ने शतक लगाया जिससे भारतीय टीम यह मैच जीतने में सफल रही। यान्सेन ने कहा कि विश्वस्तरीय बल्लेबाजों के सामने गेंदबाज के पास शुरू में ही कुछ अवसर होते हैं। जब आप विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करते हैं तो उन्हें आउट करना काफी मुश्किल होता है। मैं हमेशा बल्लेबाज को उसकी पहली 10 या 15 गेंदों पर आउट करने की कोशिश करता हूं क्योंकि वह तब विकेट से सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा होता है। उन्होंने कहा लेकिन एक बार जब वह लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में आप प्लान बी या सी पर चलते हैं। कोहली ने रविवार को अपना 52वां वनडे शतक जड़कर भारत को 17 रन से जीत दिलाई जिससे मेज़बान टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। यानसन ने भारत के 2017-18 के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान 17 वर्षीय नेट गेंदबाज के रूप में पहली बार कोहली को गेंदबाजी की थी।

आक्रामक बल्लेबाजी का श्रेय रोहित और द्रविड़ को : अश्विन

नई दिल्ली : भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सीमित ओवर प्रारूप में भारत की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति का श्रेय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दिया। टीम को इस रवैये से पिछले कुछ वर्षों में काफी सफलता मिली है।

अश्विन ने कहा कि इन दोनों दिग्गजों ने ना केवल अधिक आक्रामक शैली अपनाने पर जोर दिया बल्कि खुद भी उदाहरण पेश किया। इससे टी20 अंतर्राष्ट्रीय और वनडे में भारत के रवैये में बदलाव आया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस परिवर्तनकारी बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

शाहरुख खान ने रसेल को योगदान के लिए शुक्रिया कहा

नई दिल्ली : बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स से संन्यास लेने वाले वेस्टइंडीज के क्रिकेटर आंद्रे रसेल के योगदान की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर उनके लिये लंबा संदेश लिखा है।

आक्रामक हरफनमौला रसेल ने 16 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी से पहले रविवार को आईपीएल से संन्यास की घोषणा के साथ बताया कि वह तीन बार की विजेता केकेआर के कोचिंग स्टाफ में पावर कोच के तौर पर शामिल होंगे। शाहरूख ने एक्स पर लिखा बेहतरीन यादों के लिये शुक्रिया आंद्रे। चमकते कवच में हमारा शूरवीर। केकेआर के लिये आपका योगदान इतिहास में दर्ज हो गया और अब एक खिलाड़ी के तौर पर नये अध्याय की शुरुआत। पावर कोच, जो अपना ज्ञान, अनुभव और ताकत का राज केकेआर के खिलाड़ियों के साथ साझा करेगा।

स्विट्जरलैंड के खिलाफ कमजोरियों को दूर करना चाहेगी भारतीय टीम

जूनियर हॉकी विश्व कप

मदुरै, एजेंसी

भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी। भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की। भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी।

सोमवार को चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में जापान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।

जापान (लाल) और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में हॉकी पुरुष जूनियर वर्ल्ड कप के दौरान मुकाबला करते हुए। एजेंसी

भारत हांगकांग मास्टर्स एशिया कप हॉकी में जीता

नई दिल्ली : भारत ने हांगकांग में आयोजित हांगकांग मास्टर्स एशिया कप 2025 में 40 वर्ष से अधिक उम्र के पुरूष और महिला मास्टर्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। हांगकांग फुटबॉल क्लब पर 26 से 30 नवंबर तक हुई विश्व मास्टर्स हॉकी एशिया चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुष टीम ने ग्रुप चरण में हांगकांग को 4-0 और 5-4 से तथा सिंगापुर को 4-0 और 3-2 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

महिला वर्ग में भारत ने ग्रुप चरण में सिंगापुर को 7-2 से हराया जबकि हांगकांग से 1-1 से ड्रॉ खेला। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 2-4 से पराजय झेलनी पड़ी लेकिन फाइनल में हांगकांग को 2-0 से हराकर खिताब जीता। हॉकी इंडिया ने दोनों टीमों की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा चैम्पियंस ऐसे दिखते हैं।

अप्रत्याशित घटना

निजी कारणों का हवाला दिया, सूत्रों ने टीम का खराब प्रदर्शन बताया

महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों का हवाला देकर तुरंत प्रभाव से पद से इस्तीफा दे दिया है।

हॉकी इंडिया ने देर शाम जारी बयान में खबर की पुष्टि करते हुए कहा भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों से पद से इस्तीफा दे दिया है। हरेंद्र सिंह ने अप्रैल 2024 में ही पद संभाला था और समझा जा रहा था कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 तक टीम के साथ रहेंगे। सूत्रों ने बताया, टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही टीम के मुख्य कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की भारतीय टीम में इस पद पर वापसी हो सकती है।

अचानक हुए घटनाक्रम में हरेंद्र सिंह ने हॉकी इंडिया को ईमेल भेजकर सूचित किया है कि वह तुरंत प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह विशुद्ध रूप से उनका 'निजी फैसला' है।

सूत्रों ने बताया कि मारिन की भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच के रूप में वापसी हो सकती है जिनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी। मारिन ने अगस्त 2021 में महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया था। सूत्रों ने इस्तीफे का कारण टीम का खराब प्रदर्शन बताया है। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने कहा पिछले डेढ साल में टीम ने अपेक्षित नतीजे नहीं दिये हैं जबकि सारी मनचाही सुविधायें कोच को दी गई।

फिटनेस भी बड़ा मसला रहा है और टीम में दर्जन भर खिलाड़ी चोटिल हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने बयान में कहा हम हरेंद्र सिंह को उनकी सेवाओं के लिये धन्यवाद देते हैं। भारतीय हॉकी के लिये उनकी प्रतिबद्धता जगजाहिर है। हम जल्दी ही उनके विकल्प की घोषणा करेंगे।

हरेंद्र सिंह लखनऊ विश्व कप 2016 विजेता भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच रहे थे। वह भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में वापसी से पहले 2021 से 2024 तक अमेरिका की राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के कोच थे। वह सितंबर 2017 में भारतीय सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच बने जिसने उस साल महिला एशिया कप जीता था।

2024 अप्रैल में संभाला था पद

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक तक रहना था टीम के साथ

- **नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की हो सकती है वापसी**

भारतीय महिला हॉकी टीम का कोच रहना मेरे कैरियर की बड़ी उपलब्धि रही है। मैने निजी कारणों से इस्तीफा देने का फैसला किया है लेकिन मेरा दिल हमेशा इस बेहतरीन टीम के साथ रहेगा। हॉकी इंडिया के साथ सफर मेरे लिये खास रहेगा और मैं भारतीय हॉकी को शीर्ष स्तर तक ले जाने के उनके प्रयासों में सहयोग करता रहूंगा।

-हरेंद्र सिंह